

RNI No:- DELHIN/2023/86499 **DCP Licensing Number:**

F.2 (P-2) Press/2023



आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

🔃 आम आदमी पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है.....

🛮 🔓 भारत में 76वें गणतंत्र दिवस (2025) के अवसर पर शिक्षा की स्थिति

📭 300 यूनिट मुफ्त बिजली के बदले उपभोक्ताओं को मिल रहे हैं 'स्मार्ट मीटर'

ई रिक्शा ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने से पहले दिल्ली परिवहन विभाग आनलाइन अपलोड ट्रैनिंग सर्टिफिकेट क्यों नहीं चेक कर रहा ?



संजय बाटल

नई दिल्ली।दिल्ली में ई रिक्शा चलाने के लिए चालक को मोटर वाहन नियम के अनुसार ई रिक्शा चलाने का ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है और इस लाइसेंस को प्राप्त करने के लिए चालक को ई रिक्शा ट्रैनिंग लेना और उसके द्वारा प्राप्त की गई ट्रैनिंग का सर्टिफिकेट आनलाइन आवेदन प्रक्रिया में अन्य अनिवार्य दस्तावेजों के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है। जांच में पाया गया की जब तक दिल्ली में डिम्ट्स कम्पनी के द्वारा ड्राइविंग

लाइसेंस जारी किए जाते थे तब तक चालक को डाइविंग लाइसेंस जारी करने से पहले उसके द्वारा प्राप्त करी गई टैनिंग का आनलाइन अपलोड सर्टिफिकेट की जांच कर के ही ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाता था। डिम्ट्स कम्पनी से परिवहन विभाग का एग्रीमेंट समाप्त होने के बाद से आज तक ई रिक्शा चलाने के लिए चालकों को जारी हुए नए डाइविंग लाइसेंस के लिए ट्रैनिंग का आनलाइन अपलोड सर्टिफिकेट की जांच नहीं की गई। जांच में पता चला की जिस ऐप पर टैनिंग सर्टिफिकेट अपलोड किया जाता

था वह ऐप डिम्ट्स कम्पनी द्वारा बनाई और संचालित की जाती थी और डिम्टस कम्पनी के साथ एग्रीमेंट समाप्त होने के बाद डिम्टस कम्पनी ने उस ऐप को भी बंद कर दिया था और परिवहन विभाग की शाखाओं में डाइविंग लाइसेंस जारी करने वाले अधिकारियों में से किसी ने भी ई रिक्शा चालक को ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया में ट्रैनिंग सर्टिफिकेट के अपलोड नहीं होने पर विभाग के आला अधिकारी को कोई शिकायत दर्ज नहीं

करवाई और हस्त लिखित टैनिंग

सर्टिफिकेट को ही बिना पूर्ण जांच किए अपलोड होता भी था या नहीं। हमारे

मान्य मानते हुए चालक को ई रिक्शा चलाने का डाइविंग लाइसेंस जारी करते आ रहे हैं। जांच में आईटी शाखा में कार्यरत अधिकारी मनमोहन सिंह ने इस बात की पुष्टि की और बताया की जब तक हमको ई मेल द्वारा डीटीओ परिवहन शाखा सचित नहीं करेगा तो हमको कैसे पता चलेगा की ट्रैनिंग सर्टिफिकेट अपलोड हो रहा है या नहीं और साथ ही मनमोहन सिंह ने बताया की मेरी जानकारी में तो है ही नहीं की ऐसे कोई टैनिंग सर्टिफिकेट कभी

द्वारा उनको पूर्ण जानकारी देने पर मनमोहन सिंह ने कहा की जब तक कोई डीटीओ ई मेल द्वारा हमको सुचित नहीं करेगा तब तक हम इसके लिए कोई कार्यवाही नहीं करेंगे।

अब प्रश्न यह उठता है की दिल्ली में आज सबसे अधिक तादाद में ई रिक्शा का प्रयोग किया जा रहा है और उसके चालक को अगर बिना पूर्ण जांच के ड्राइविंग लाइसेंस ऐसे ही जारी होते जाएंगे तो जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा?

धिल्यधीफ्रेलिबरलाइजेशनएंड विवर्णयर एवाइडेट्सर (पंजीकृत)

TOLWA

website: www.tolwa.in Email:tolwadelhi@gmail.com

bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन ६० विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्टेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय:- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली ११००६३ कॉरपोरेट कार्यालय: - 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

हिमाचल के लोगों के लिए खुशखबरी! परिवहन विभाग का बदलेगा स्वरूप, 52 सेवाएं होंगी डिजिटल

परिवहन विशेष न्यूज

हिमाचल परिवहन विभाग लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए 52 तरह की स्विधाओं को डिजिटल करने जा रहा है। पहली अप्रैल से आरंभ होने वाले नए वित्तीय वर्ष (2025-26) में इसे लाग किया जाएगा। इसके लिए सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। टैक्स जमा करवाना गाँडी का रिकॉर्ड पंजीकरण नवीनीकरण एसआरटी लाइसेंस बनाना सहित परिवहन विभाग से जुड़ी 52 तरह की सुविधाएं डिजिटल हो जाएंगी।

नर्ड दिल्ली।हिमाचल परिवहन विभाग का स्वरूप जल्द बदलेगा। परिवहन विभाग लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए 52 तरह की सुविधाओं को डिजिटल करने जा रहा है। पहली अप्रैल से आरंभ होने वाले नए वित्तीय वर्ष (2025-26) में इसे लागू किया जाएगा। इसके लिए सभी औपचारिकताएं परी हो चकी हैं। 52 सेवाएं होंगी डिजिटल

टैक्स जमा करवाना, गाडी का रिकॉर्ड, पंजीकरण, नवीनीकरण, एसआरटी, लाइसेंस बनाना सहित परिवहन विभाग से जुड़ी 52 तरह की सुविधाएं डिजिटल हो जाएंगी। हालांकि,



अभी भी इनमें से ज्यादातर काम ऑनलाइन होता है, लेकिन नए वित्त वर्ष से इसे आधार से लिंक कर दिया जाएगा

यानी आधार से लिंक होने के बाद मोबाइल फोन पर वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) आएगा। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। दस्तावेजों में किसी तरह का फर्जीवाड़ा न हो इसके लिए ये प्रक्रिया अपनाई गई है। परिवहन

विभाग ने आगामी बजट के लिए भी अपनी यही प्राथमिकता बताई है, जिस पर काम आरंभ कर

विभाग की बजट की तैयारियों के सिलसिले में आयोजित बैठक में इस मसले पर विस्तृत चर्चा की गई है। विभाग ने सरकार के समक्ष अपनी योजना बता दी है कि वह कैसे इसे सिरे

इस वर्ष 60-ई चार्जिंग स्टेशन किए

परिवहन विभाग इस साल प्रदेश में 60 नए चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित करेगा । यह लक्ष्य तेल कंपनियों को दिया है, जिनसे काम करवाने का जिम्मा परिवहन विभाग का है। इस संबंध में परिवहन विभाग ने तेल कंपनियों को लिखा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन आरडी नजीम ने इसको लेकर तेल कंपनियों के साथ बैठकें भी की हैं। प्रदेश के छह ग्रीन कोरिडोर के अलावा नेशनल हाइवे व फोरलेन इसमें शामिल किए गए हैं। इसके स्थापित होने के बाद लोगों को अपने ई-वाहनों को चार्ज करने की सुविधा मिलेगी। सरकार ने 2026 तक प्रदेश को हरित राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

अभी 23 ई-चार्जिंग स्टेशन

अभी तक प्रदेश में 23 ई-चार्जिंग स्टेशन परिवहन विभाग द्वारा तैयार करवा दिए गए हैं। इसमें हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) ने भी लगाए हैं और कुछ पेट्रोल पंप में स्थापित किए जा चुके हैं। 38 पेट्रोल पंप लगाने के लिए तेल कंपनियों ने विद्युत बोर्ड को पैसा जमा करवा दिया है।शिमला में 20 निजी

होटलों में भी इलेक्ट्रिक व्हीकल के चार्जिंग

स्टेशन लग गए हैं।

अब नहीं चलेगी परिवहन विभाग के चेकिंग अधिकारियों की मनमानी, जीपीएस से लैस होंगे वाहन - परिवहन विभाग



परिवहन विशेष न्यूज

चेकिंग अधिकारियों की पोजीशन ट्रैक की जा सकेगी, लापरवाही करने पर कार्रवाई होगी.

लखनऊ : परिवहन विभाग के चेकिंग दस्तों की गाड़ियों को अब जीपीएस से लैस किया जाएगा. परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने इसके आदेश दिए हैं. इसका उद्देश्य यह है कि अफसरों की फील्ड पर न जाने की शिकायतों को दूर किया जा सके और चेकिंग की वास्तविक स्थिति का पता चल सके. जीपीएस की मदद से चेकिंग अधिकारियों की पोजीशन ट्रैक की जा सकेगी, जिससे लापरवाही करने पर कार्रवाई तय होगी.

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के प्रवर्तन दस्तों के अधिकारियों को इंटरसेप्टर समेत कई तरह के वाहन उपलब्ध कराए गए हैं. इसके बावजूद अधिकारी चेकिंग के लिए फील्ड में जाते ही नहीं हैं. इससे टैक्स वसूली प्रभावित हो रही है. इसके साथ ही अनिफट वाहनों पर कार्रवाई न होने से सड़क दुर्घटनाएं भी कम नहीं हो रही हैं. इतना ही नहीं

जांच के दौरान प्रवर्तन दस्तों पर अक्सर रिश्वत लेने के आरोप लगते रहे हैं. हाल ही में दिल्ली हरियाणा सीमा पर तैनात एक अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है.

ऐसे में (Global Positioning System) यानी जीपीएस के जरिए अधिकारियों की लोकेशन ट्रेस की जा सकेगी. उन्हें जीपीएस के आधार पर ही अपनी कार्रवाई का पुरा ब्यौरा भी परिवहन आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा. परिवहन विभाग के RTO प्रवर्तन, ARTO प्रवर्तन और PTO की गाड़ियों में जीपीएस लगाए जाने की तैयारी शुरू हो गई है. परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह का कहना है कि सभी प्रवर्तन अधिकारियों के वाहनों को जीपीएस से लैस किया जाएगा. जिससे उनकी वास्तविक लोकेशन चेकिंग के दौरान ट्रेस की जा सकेगी. चेकिंग दस्ते जब सड़क पर उतरकर ईमानदारी से अभियान चलाएंगे तो फिर सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी. बकाया टैक्स में दौड़ रहे वाहनों से टैक्स वसूला जा सकेगा.

बिना हेलमेट ऑफिस और स्कूल जाने वाले हो जाएं सावधान! उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग को मिले ये निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सड़क सुरक्षा को लेकर एक कमेटी बनाई गई है। इस कमेटी के अध्यक्ष अभय मनोहर सप्रे ने यपी परिवहन विभाग के अफसरों के साथ बैठक की। योजना भवन में हुई बैठक के दौरान कमेटी ने परिवहन विभाग को कई सुझाव दिए हैं।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के अफसरों के साथ सप्रीम कोर्ट की तरफ से सड़क सरक्षा को लेकर बनाई गई कमेटी की बैठक हुई। कमेटी के अध्यक्ष ने बैठक के दौरान कई मुद्दों पर परिवहन विभाग की सराहना की तो कई मुद्दों पर नाराजगी भी जताई। कमेटी ने कहा कि बिना हेलमेट ऑफिस आने वाले कर्मचारियों और स्कूल जाने वाले स्टूडेंट को अनुपस्थित घोषित किया जाए। इस निर्देश को सख्ती से लागू किया जाए।

कमेटी ने इलेक्ट्रानिक इंफोर्समेंट डिवाइसेस न लगाए जाने पर नाराजगी जताई है। योजना भवन में हुई बैठक के दौरान कमेटी के अध्यक्ष जस्टिस अभय मनोहर सप्रे ने कई सझाव भी दिए। उन्होंने प्रयागराज महाकंभ के दौरान सड़क हादसे रोकने के लिए परिवहन विभाग के प्रयासों की सराहना की।

सड़कों पर ब्लैक स्पॉट चिह्नित करे परिवहन विभाग

कमेटी ने कहा कि सभी विभागों को ऐसा सामंजस्य करना चाहिए जिससे सडक हादसों में एक भी व्यक्ति की मौत ना हो। इसे अभियान के तौर पर चलाया जाए और जरूरत के हिसाब से सख्त कार्रवाई की जाए। कमेटी ने सड़कों पर ब्लैक स्पाट चिह्नित कर उसे सुधारने के साथ ही कैमरा और अन्य संसाधनों को



अब रोज-रोज नहीं देना होगा टोल-्सड़क परिवहन मंत्रालय का बड़ा एलान, मिलेगी राहत

परिवहन विशेष न्यूज

गडकरी के अनुसार, वर्तमान में टोल राजस्व का 74% हिस्सा कमर्शियल वाहनों से आता है . निजी वाहनों का योगदान केवल 26% है.

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में बड़ा एलान किया है. सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर निजी वाहनों के लिए मासिक और सालाना टोल पास शुरू करने पर विचार कर रही है.

गडकरी के अनुसार, वर्तमान में टोल राजस्व का 74% हिस्सा कमर्शियल वाहनों से आता है. निजी वाहनों का योगदान केवल 26% है. इसलिए, निजी कार मालिकों के लिए मासिक या सालाना पास की व्यवस्था

करने से सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा.

इसके अतिरिक्त, टोल प्लाजा को गांवों के बाहर स्थापित करने की योजना है. ग्रामीणों की आवाजाही में कोई बाधा न आए. सरकार फास्टैग के साथ-साथ ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (GNSS) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को भी लागू करने पर विचार कर रही है, जिससे टोल संग्रह प्रक्रिया और अधिक सुगम

मासिक और सालाना टोल पास की कीमतों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है. जैसे ही इस संबंध में अधिक डिटेल्स उपलब्ध होंगे.

किसे मिलेगी राहत मंत्रालय के सूत्रों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि मासिक पास के बिना वाहन चालक मौजूदा टोल प्रणाली के अधीन होंगे, वे छुट के भी पात्र होंगे. स्मार्ट कार्ड योजना से नियमित यात्रियों को टोल में महत्वपूर्ण राहत मिलने

यह योजना कमर्शियल वाहनों के लिए फायदेमंद होगी. एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह स्मार्ट कार्ड विशेष रूप से कमर्शियल वाहनों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जो अक्सर लंबी यात्राएं करते हैं. इस पहल का मकसद न केवल टोल भुगतान को सरल बनाना है, बल्कि रेगुलर यात्रियों पर आर्थिक बोझ को कम करना भी है. इस सरकारी योजना पर जल्द ही अंतिम निर्णय होने की उम्मीद है, जिससे संभावित रूप से देश भर में करोड़ यात्रियों को टोल टैक्स से राहत मिलेगी.



अश्लेषा नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर, रोग और उपाय:

www.newsparivahan.com



ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक(इंजी .)

नक्षत्र मंडल में सर्प के सिर की आकृति के रूप में दिखने वाले छः तारे अश्लेषा नक्षत्र हैं। इस नक्षत्र के छः तारे जो चक्राकार इन्हे सर्पराज वासुकी के सिर में स्थान प्राप्त है। अश्लेषा नक्षत्र के नक्षत्रपति बुध तथा अधिष्ठित देवता शेषनाग को माना जाता है।

अश्लेषा को ब्रह्म ऋषि वशिष्ठ का वंशज माना जाता है। कुंडलिनी के मूलाधार चक्र का संबंध भी अश्लेषा नक्षत्र से माना जाता है।

स्वभावः अश्लेषा नक्षत्र में जन्मे जातक आकर्षक व्यक्तित्व के, बुद्धिमान, व्यवहार कुशल, भविष्य दृष्टा तथा प्रतिभाशाली होते हैं।



लेकिन इनमें कुछ बुरी प्रवृति भी देखने को मिल सकती हैं। ऐसे जातक चापलूस, धोखेबाज, कपट कुशल, छिपकर प्रहार करने वाले व स्वार्थी होते हैं। तामिसक या राजसी भोजन के काफी शौकीन होते हैं। धन संग्रह करने में सबसे ज्यादा सफल देखे गए है, यहीं कारण है कि यह कभी कभी कंजूस प्रतीत होते हैं।

कैरियर: अश्लेषा नक्षत्र के जातक कीटनाशक दवाएं, जीवाणुनाशक,विष उपचार, रसायनशास्त्री, दलाल, सपेरा, सर्प पालन, तांत्रिक, नेता, मनोवैज्ञानिक, तंबाकू व्यापार इत्यादि में कैरियर बनाकर सफलता प्राप्त करते हैं

रोग: इस नक्षत्र में जन्मे जातकों को अपच, जोड़ों में दर्द, अल्सर,सिर दर्द,पीलिया, उदर रोग आदि हो सकते हैं।

उपाय: सर्प पूजन व सर्पों को दूध पिलाने से इस नक्षत्र के जातकों के लिए अत्यंत शुभकारी परिणाम देता है। शिव जी के पंचाक्षरी मंत्र का जाप करने से जीवन में आने वाले कष्टों से मुक्ति मिलती है। सफेद, हल्का नारंगी,हल्का पीला, आसमानी नीला रंग का उपयोग शुभ फल प्रदान करता है।

गुड मिढाई नहीं अमृत है



गुड़ में भरपुर विटामिन और मिनरल्स पाएं जाते हैं, जो स्किन को पोषित करते हैं। गुड़ से स्किन सॉफ्ट, हेल्दी, हाइड्रेट और ग्लोइंग बनती

इससे चेहरे पर झुर्रिया भी नहीं पड़ती और यह पिंपल्स होने से भी रोकता है ।

कम करें वजन मीठा खाने से कैलोरी बढ़ती है जिससे वजन ज्यादा होने लगता है, लेकिन गुड़ में पाएं जाने वाले मिनरल्स विशेषत पोटेशियम वजन को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। साथ ही यह मेटाबोलिज्म भी बढ़ाता है।

कब्ज

विविध विशेष

गुड़ पाचन का एक बहुत अच्छा साधन है। इससे पाचन तंत्र दुरूस्त बना रहता है और कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याएं नहीं होती है। खाने के बाद गुड़ खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद रहता है।

।लतफहमी के चलते डिसप्निया (सांस फूलना

Sans foolna) रोग को दमा रोग ही समझ लेते

हैं। लेकिन डिसप्निया (सांस फूलना) और दमा

(एस्थमा) रोग में थोड़ा सा फर्क होता है।कई

लोगों को गलतफहमी होती है कि मोटा होने की

है,पतले लोगो की भी ऐसे ही सांस फूलती है और

इसका कारण हमारे शरीर में नही अपितु पर्यावरण

में बढ़ रहे प्रदूषण,अस्वच्छ हवा में सांस लेना और

सांस फूलने के कारण, सांस फूलने का रोग

1. ज्यादा उम्र के लोगों को बारिश के मौसम में

2. दिल की धड़कन का काफी तेज चलने के

सांस फूलने का प्रभावी और घरेलू इलाज

अंजीर जिन लोगो की सांस फूलती है, उनके

लिए अंजीर अमृत के समान है क्योंकि अंजीर छाती

में जमी बलगम और सारी गंदगी को बाहर निकाल

देती है। जिससे सांस नली साफ़ हो जाती है और

सुचारू रूप से कार्य करती है। इसके लिए आप

तीन अंजीर गरम पानी से धोकर रात को एक बर्तन

में भिगोकर रख दीजिये और सुबह खाली पेट नाश्ते

से पहले उन अंजीरों को खूब चबाकर खा लीजिये।

प्रयोग से फर्क आपको खुद ही महसूस होने लगेगा।

उसके बाद वह पानी भी पी लें। इस नुस्खे का

प्रयोग लगातार एक महीने तक कीजिये। इसके

तुलसी(Basil) औरसौंठ(dry

क्षमता को बढाती है और श्वसन तंत्र पर बाहरी

प्रदूषण और एलर्जी के हमले से रक्षा करने में समर्थ

है। इसलिए जिनको भी सांस फूलने की या दमा की

शिकायत हो उन लोगो को तुलसी से बने इस काढ़े

का इस्तेमाल अवश्य ही करना चाहिए। इसके लिए

आधा कप पानी में 5 तुलसी की पत्ती,एक चुटकी

सौंठ पाउडर,काला नमक और काली मिर्च

डालकर उबाल ले। ठंडा करके जब यह काढ़ा

गुनगुना सा रह जाए तब इसका सेवन करे। नित्य

प्रति इस काढ़े के सेवन से आपके सांस फूलने की

ginger) का काढ़ा तुलसी रोग प्रतिरोधक

सांस की नली के पुराने जुकाम आदि रोगों के

वजह से ही सांस फूलती है पर ऐसा कुछ नहीं

गलत कार्यशैली हो सकती है।

2 प्रमुख कारणों से हो सकते है.

घने बाल

गुड़ आयरन का एक अच्छा स्त्रोत है। इसे विटामिन सी से भरपुर चीजों जैसे नींबू, आंवला आदि के साथ खाने से बाल लंबे, घने, काले और हेल्दी बनते हैं। ऐसा माना जाता है कि महिने में दो बार शैंपू से पहले गुड़, मुल्तानी मिट्टी और दही का मिश्रण बालों में लगाने से बाल प्राकृतिक रूप से खुबसुरत और लंबे होते हैं।

लिवरकी सफाई

गुड़ का एक छोटा सा टुकड़ा आपके शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर कर देता है। अगर कोई एल्कोहल का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करता है तो लिवर की सफाई के लिए गुड़ बेस्ट है

जोड़ों के दर्द में सहायक

गुड़ में कैल्शियम पाया जाता है, जो हिंडुयों को मजबूत बनाता है। गुड़ के सेवन से हिंडुयों से जुड़ी समस्याओं और जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। रोज अदरक के एक टुकड़े के साथ गुड़ खाने से जोड़ों का दर्द ठीक होता है और ज्वॉइंट्स मजबूत बनते हैं।

अस्थामा

गुड़ में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाने से यह गले और फेफड़ों के इंफेक्शन से बचाव करता है। साथ ही अस्थमा मरीज को सांस लेने में होने वाली दिक्कत को भी दूर करता है।

इम्यनिर्ट

गुड़ में एंटिऑक्सीडेंट्स, जिंक, सेलेनियम पाया जाता है, जो हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। जिससे बैक्टीरिया से लड़ने में मदद मिलती है। इसलिए रोज एक छोटा सा गुड़ का टुकड़ा खाना चाहिए।

खून की सफाई

अगर रोजाना गुड़ खाया जाएं तो यह खून को प्योरिफाई करता है। इससे खून साफ रहता है। गुड़ खाने से ब्लड हीमोग्लोबिन बढ़ता है और खून संबंधी कई बीमारियों की जोखिम कम होती है।

दस पवित्र पक्षी जिनका हिंदू धर्म में बहुत ही महत्व माना गया है

हंस जब कोई व्यक्ति सिद्ध हो जाता है तो उसे कहते हैं कि इसने हंस पद प्राप्त कर लिया और जब कोई समाधिस्थ हो जाता है, तो कहते हैं कि वह परमहंस हो गया। परमहंस सबसे बड़ा पद माना गया है। हंस पक्षी प्यार और पवित्रता का प्रतीक है। यह बहुत ही विवेकी पक्षी माना गया है। आध्यात्मिक दृष्टि मनुष्य के निःश्वास में 'हं' और श्वास में 'स' ध्वनि सुनाई पड़ती है। मनुष्य का जीवन क्रम ही 'हंस' है क्योंकि उसमें ज्ञान का अर्जन संभव है। अतः हंस 'ज्ञान' विवेक, कला की देवी सरस्वती का वाहन है। यह पक्षी अपना ज्यादातर समय मानसरोवर में रहकर ही बिताते हैं या फिर किसी एकांत झील और समुद्र के किनारे। हंस दांपत्य जीवन के लिए आदर्श है। यह जीवन भर एक ही साथी के साथ रहते हैं। यदि दोनों में से किसी भी एक साथी की मौत हो जाए तो दूसरा अपना पूरा जीवन अकेले ही गुजार या गुजार देती है। जंगल के कानून की तरह इनमें मादा पक्षियों के लिए लड़ाई नहीं होती। आपसी समझबूझ के बल पर ये अपने साथी का चयन करते हैं। इनमें पारिवारिक और सामाजिक भावनाएं पाई जाती है। हिंदू धर्म में हंस को मारना अर्थात पिता, देवता और गुरु को मारने के समान है। ऐसे व्यक्ति को तीन जन्म तक नर्क में रहना

मोर मोर को पक्षियों का राजा माना जाता है। यह शिव पुत्र कार्तिकेय का वाहन है। भगवान कृष्ण के मुकुट में लगा मोर का पंख इस पक्षी के महत्व को दर्शाता है। यह भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। अनेक धार्मिक कथाओं में मोर को बहुत ऊंचा दर्जा दिया गया है। हिन्दू धर्म में मोर को मार कर खाना महापाप समझा जाता है।

कौआ कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है। इसकी उम्र लगभग 240 वर्ष होती है। श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है। इस पक्ष में कौओं को भोजना कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है।

उल्लू उल्लू को लोग अच्छा नहीं मानते और उससे डरते हैं, लेकिन यह गलत धारणा है। उल्लू लक्ष्मी का वाहन है। उल्लू का अपमान करने से लक्ष्मी का अपमान माना जाता है। हिन्दू संस्कृति में माना जाता है कि उल्लू समृद्धि और धन लाता है।भारत वर्ष में प्रचलित लोक विश्वासों के अनुसार भी उल्लू का घर के ऊपर छत पर स्थित होना तथा शब्दोच्चारण

निकट संबंधी की अथवा परिवार के सदस्य की मृत्यु का सूचक समझा जाता है। सचमुच उल्लू को भूत-भिवष्य और वर्तमान में घट रही घटनाओं का पहले से ही ज्ञान हो जाता है। बाल्मीिक रामायण में उल्लू को मूर्ख के स्थान पर अत्यन्त चतुर कहा गया। रामचंद्र जी जब रावण को मारने में असफल होते हैं और जब विभीषण उनके पास जाते हैं, तब सुग्रीव राम से कहते हैं कि उन्हें शत्रु की उलूक-चतुराई से बचकर रहना चाहिए। ऋषयों ने गहरे अवलोकन तथा समझ के बाद ही उलुक को श्रीलक्ष्मी का वाहन बनाया था।

गरूड़ इसे गिद्ध भी कहा जाता है। पक्षियों में गरूढ़ को सबसे श्रेष्ठ माना गया है। यह समझदार और बुद्धिमान होने के साथ-साथ तेज गित से उड़ने की क्षमता रखता है। गरूड़ के नाम पर एक पुराण भी है गरूड़ पुराण। यह भारत का धार्मिक और अमेरिका का राष्ट्रीय पक्षी है। गरूड़ के बारे में पुराणों में अनेक कथाएं मिलती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु की सवारी और भगवान राम को मेधनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ के बारे में कहा जाता है कि यह सौ वर्ष तक जीने की क्षमता रखता है।

नीलकंठ नीलकंड को देखने मात्र से भाग्य का दरवाजा खुल जाता है। यह पवित्र पक्षी माना जाता है। दशहरा पर लोग इसका दर्शन करने के लिए बहुत ललायित रहते हैं।

लेला। यत रहत है। तोता तोते का हरा रंग बुध ग्रह के साथ जोड़कर देखा जाता है। अतः घर में तोता पालने से बुध की कुदृष्टि का प्रभाव दूर होता है। घर में तोते का चित्र लगाने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगता है। आपने बहुत सेतोता पंडित देखें होंगे जो भविष्यवाणी करते हैं। तोते के बारे में बहुत सारी कथाएं पुराणों में मिलती है। इसके अलवा, जातक कथाओं, पंचतंत्र की कथाओं में भी तोते को किसी न किसी कथा में शामिल किया गया है।

कबूतर इसे कपोत कहते हैं। यह शांति का प्रतीक माना गया है। भगवान शिव ने जब अमरनाथ में पार्वती को अजर अमर होने के वचन सुनाए थे तो कबतरों के एक जोड़े ने यह वचन सुन लिए थे तभी से वे अजर-अमर हो गए। आज भी अमरनाथ की गुफा के पास ये कबूतर के जोड़े आपको दिखाई दे जाएंगे। कहते हैं कि सावन की पूर्णिमा को ये कबूतर गुफा में दिखाई पड़ते हैं। इसलिए कबूतर को महत्व दिया जाता है।

बगुला आपने कहावत सुनी होगी बगुला भगत। अर्थात ढोंगी साधु। धार्मिक ग्रंथों में बगुले से जुड़ी अनेक कथाओं का उल्लेख मिलता है। पंत्रतंत्र में एक कहानी है बगुला भगत। बगुला भगत पंचतंत्र की प्रसिद्ध कहानियों में से एक है जिसके रचियता आचार्य विष्णु शर्मा हैं। बगुला के नाम पर एक देवी का नाम भी है जिसे बगुला मुखी कहते हैं। बगुला ध्यान भी होता है अर्थात बगुले की तरह एकटक ध्यान लगाना। बगुले के संबंध में कहा जाता है कि ये जिस भी घर के पास के किसी वृक्ष आदि पर रहते हैं वहां शांति रहती है और किसी प्रकार की अकाल मृत्यु नहीं होती।

गोरैया भारतीय पौराणिक मान्यताओं अनुसार यह चिड़ियां जिस भी घर में या उसके आंगन में रहती है वहां सुख और शांति बनी रहती है। खुशियां उनके द्वार पर हमेशा खड़ी रहती है और वह घर दिनोदिन तरक्की करता रहता है। **सांस फूलना क्या होता है ?**बहुत से लोग समस्या जड़ से समाप्त हो जाएगी।

अजवायन सांस फूलने की समस्या अक्सर श्वास नली में सूजन या श्वास नली में कचरा आ जाने की वजह से ही उत्पन्न होती है। श्वास नली को साफ़ करने का सबसे प्रभावी तरीका होता है— स्टीम या भाप लेना। भाप लेने से यदि श्वास नली में सूजन है तो उसमे आराम हो जाता है और कचरा भी निकल जाता है तो इसके लिए आपको अजवायन पीसकर पानी में उबलनी है। फिर इस अजवायन वाले पानी की भाप लेनी है। क्योंकि अजवायन की भाप सूजन को खत्म और दमे और सांस फूलने की समस्या में राहत दिलाती है।

सांस फूलने के कारण का प्रभावी और घरेलू इलाज़

तिल का तेल (Sesame oil) यदि ठंड की वजह से छाती जाम हो जाए या रात के समय दमे का प्रकोप बढ़ जाए और सांस ज्यादा फूलने लगे तो तिल के तेल को हल्का गर्म करके छाती और कमर पर गरम तेल की सेक करे। इस प्रकार आपकी छाती खुल जायेगी और आपको सांस फूलने की समस्या में राहत मिलेगी।

अंगूर (grapes) सांस फूलने या दमा की समस्या में अंगूर बहुत लाभदायक होता हैं। इस समस्या में आप अंगूर भी खा सकते है या अंगूर का रस का भी सेवन कर सकते हैं। कुछ चिकित्सकों का तो यह दावा है कि दमे के रोगी को अगर अंगूरों के बाग में रखा जाए तो दमा, सांस फूलने या कोई भी श्वसन सम्बन्धी समस्या में शीघ्र लाभ पहुंचता

चौलाई (Amaranth) के पत्तों का रस सांस फूलने की या श्वसन सम्बन्धी कोई भी समस्या हो यदि चौलाई के पत्तों का ताजा रस निकालकर और उसमे थोड़ा शहद मिलाकर प्रतिदिन सेवन किया जाए तो अतिशीघ्र लाभ पहुंचता है। चौलाई के पत्तो का प्रयोग आप किसी भी रूप में कर सकते है। चाहे तो चोलाई के पत्तो का साग भी खा सकते है। चोलाई के पत्ते इस समस्या में रामबाण औषधि

है। स्नेहा समूह लहसुन (Garlic) लहसुन भी सांस फूलने की समस्या में अत्यंत लाभकारी औषधि का कार्य करता है। इसके लिए लहसुन की 3 कलियों को दूध में उबालना है और फिर उस दूध को छानकर सोने से पूर्व पीना है। याद रहे इसके बाद कुछ भी न खाये या पिए। कुछ ही दिनों के निरन्तर प्रयोग से आपको इसके चमत्कारी परिणाम देखने को। मिलेंगे।

सौंफ (Fennel) सांस फूलने की या श्वसन सम्बन्धी कोई भी समस्या हो यदि सौंफ का प्रयोग दैनिक दिनचर्या में हर रोज किया जाए तो आपको कभी सांस फूलने की समस्या आएगी ही नही। क्योंकि सौंफ में बलगम को साफ करने के गुण विद्यमान होते हैं। यदि दमे के रोगी और सांस फूलने वाले रोगी नियमित रूप से इसका काढ़ा इस्तेमाल करते रहें तो निश्चित रूप इस समस्या से निजात मिल जाएगी।

लौंग (Cloves) और शहद (Honey) लौंग और शहद का काढ़ा पीने से श्वास नली की रुकावट दूर हो जाती है और श्वसन तंत्र मजबूत बनता है। इसके लिए चार-छः लौंग को एक कप पानी में उबाल ले और फिर उसमे शहद मिलाकर दिन में तीन बार थोड़ा-थोड़ा पीने से सांस फूलने की समस्या एकदम ठीक हो जाती है।

हींग (Asafoetida) सांस फूलने की या श्वसन सम्बन्धी कोई भी समस्या हो यदि हींग का प्रयोग दैनिक दिनचर्या में हर रोज किया जाए तो आपको कभी सांस फूलने की समस्या आएगी ही नही ।बाजरे के दाने जितनी हींग को दो चम्मच शहद में मिला ले। इसको दिन में तीन बार थोड़ा-थोड़ा पीने से सांस फूलने की समस्या एकदम ठीक हो जाती है।

नीबू (lemon)का रस सांस फूलने या दमा की समस्या में नीबू का रस गरम जल में मिलाकर पीते रहने से यह समस्या धीरे धीरे जड़ से खत्म हो जाती है। सांस फूलने की समस्या में केला अधिक मात्रा में नहीं खाना चाहिए। पानी हल्का गरम पीना चाहिए।पानी उबालकर और थोड़ा हल्का गरम पीना ही लाभकारी होता है।

एसिड बनाने वाले पदार्थ न ले दमा या सांस फूलने की समस्या होने पर भोजन में कार्बोहाइड्रेट, चिकनाई एवं प्रोटीन जैसे एसिड बनाने वाले पदार्थ कम मात्रा में ही लें क्योंकि इनसे शरीर में एसिड बनता है जिससे श्वसन में बाधा उत्पन्न होती है इसलिए ताजे फल, हरी सब्जियां तथा अंकुरित चने जैसे क्षारीय खाद्य पदार्थों का सेवन भरपूर मात्रा में करें।

सभी सुखी और निरोगी रहे।

अनार करे सौ बीमारी दूर

एक कहावत ये जो हमारे बुजुर्ग कहा करते थे उसका अर्थ आपको पता है -एक अनार ही है जो सौ बीमारियों की लाजवाब दवा है पिछली पोस्ट में हमने कुछ रोगों के लिए अनार का प्रयोग दिया था आगे आप जाने और किस-किस रोग के लिए

अनार का प्रयोग होता है ... अनार के कुछ प्रयोग

1- अनार के फूलों की कलियां, जो निकलते ही हवा के झोकों से नीचे गिर पड़ती हैं इन्हें जलाकर क्षतों (जख्मों, घावों) पर बुरकने से वे शीघ्र ही सख जाते हैं-

2- अनार के 8-10 पत्तों के पेस्ट का लेप उपदंश के घावों पर करने से बहुत लाभ होता है साथ ही साथ इसके पत्तों का चूर्ण 10 से 20 ग्राम का सेवन भी करना चाहिए-

3- यदि नाक, कान में घाव हो या पीड़ा हो तो अनार की जड़ का काढ़ा 2-2 बूंद डालने से या पिचकारी देने से लाभ होता है-

4- फोड़े में जलन हो रही हो तो उसे दूर करने के लिए अनार की पत्तियों को पीसकर लगाने से भी जलने से बना घाव सही हो जाता है-

5- 250 ग्राम अनार के ताजे पत्तों को पांच किलो पानी में उबालें तथा 4 किलो पानी शेष रहने पर नहाने के लिए प्रयोग करने से गर्मी के सीजन की पित्ती शांत होती है-

6- अनार के 10-12 ताजे पत्तों को पीसकर हथेली और पांव के तलुवों पर लेप करने से हाथ-पैरों की जलन में आराम मिलता है-

7- अनार और इमली को एक साथ पीसकर शरीर पर लगाने से जलन समाप्त हो जाती है-8- अनार के पत्तों के काढे में 500 मिलीग्राम सेंधानमक मिलाकर सेवन करने से आंत्रिक-ज्वर(टायफाइड) में लाभ होता है-

9- अनार फल के छिलके को पीसकर मुंह के छालों पर लगाने से कुछ ही दिन में छाले सूख जाते हैं इस पिसी हुई मलहम को रोजाना 2 बार लगाएं-

10 -लगभग 10 ग्राम अनार के पत्तों को 400 ग्राम पानी में उबालें-जब यह एक चौथाई शेष बचे तो इस काढे,से कुल्ले करने से खुनाक रोग और मुंह के छालों में लाभ होता है-

11- नाखून के जख्म को ठीक करने के लिए अनार के पत्तों को पीसकर नाखून पर बांधें -अनार के पत्ते पीसकर बांधने से नाखून टूटने पर हुआ दर्द ठीक हो जाता है-12- आमाशय, तिल्ली और यकृत की

12- आमाशय, तिल्ला आर यकृत का कमजोरी, संग्रहणी, दस्त और उल्टी तथा पेट दर्द आदि रोग अनार खाने से ठीक हो जाते हैं-अनार खट्टी मीठी होने से पाचनशक्ति बढ़ाती है तथा मूत्र लाती है-

13- लगभग 15 ग्राम अनार के सूखे छिलके और दो लौंग, दोनों को पीसकर 1 गिलास पानी में दस मिनट तक उबालें, फिर छान कर आधा-आधा कप प्रतिदिन तीन बार पीयें। दस्त और पेचिश में लाभ होगा। जिन व्यक्तियों के पेट में आंव की शिकायत बनी रहती है, उन्हें इसका नियमित सेवन विशेष रूप से लाभकारी होता है-

15- अनार के पत्ते पानी में पीसकर सिर पर लेप करने से गंजापन दूर हो जाता है। प्रतिदिन मीठा अनार खाने से पेट मुलायम रहता है तथा कामेनद्रियों को बल मिलता है-

16- अनार के दानों को कूट-पीसकर चूर्ण बना लें और 3 ग्राम चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर दिन में 2 बार खाने से अस्थमा रोग ठीक हो जाता है-

17- अनार पकी हुई लेकर उसमें सात जगह चाकू से गहरे चीरे (1 इंच लम्बे) लगाकर प्रत्येक चीरे में एक बादाम अंदर दबा देते हैं। उस अनार को फिर मलमल के कपड़े से बांधकर गर्म राख में दबा देते हैं। इसे पूरी रात राख में ही दबा रहने देते हैं। सुबह अनार को वापस निकालकर 2 ग्राम मिश्री के साथ सातों बादामों को पीसकर 7 दिनों तक खाने से दमा के रोगी को राहत मिलती है-

18-100 ग्राम अनार के हरे पत्तों के रस को खरल करके पीसकर शुष्क कर लें। इस शुष्क चूर्ण को आंखों में सूरमे की तरह दिन में 2-3 बार लगाने से पोथकी(रोहे) की बीमारी समाप्त हो

20- अनार का रस निकालकर किसी साफ कपड़े में छानकर 2-2 बूंदे आंखों में डालने से 2 से 3 हफ्तों में ही रतौंधी रोग कम होने लगता है-

21- अनार के छिलके 5 ग्राम, हब्ब अलायस 5 ग्राम और माजूफल 5 ग्राम को मिलाकर कूट लें। इस कूट को 150 ग्राम पानी में मिलाकर उबालें, एक चौथाई पानी रह जाने पर छानकर गुदा को धोएं। इससे गुदाभ्रश (कांच निकलना)

22- अनार दाना और इमली को रोजाना सेवन करते रहने से कैंसर के रोगी को आराम मिलता है और उसकी उम्र 10 वर्ष के लिए और बढ़ सकती है-

23- जुकाम के साथ अगर नाक से खून भी आता हो तो घी में अनार के फूल मिलाकर उपलों की आग पर रखकर नाक से उसका धुंआ लेने से लाभ होता है-

24- मीठे अनार के 100 ग्राम दाने दोपहर के समय नित्य खायें। यह शक्ति को बढ़ाता है और नामर्दी को खत्म करने में लाभदायक है -



25- अनार की कली, सफेद चंदन की भूसी, वंशलोचन, बबूल का गोंद सभी 10-10 ग्राम, धनिया और मेथी 10-10 ग्राम, कपूर 5 ग्राम। सबको आंवले के थोड़े-से रस में घोट लें। फिर बड़े चने के बराबर की गोलियां बना लें। 2-2 गोली रोज सुबह-शाम पानी से लेने से मूत्ररोग ठीक हो जाता है-

26- आधा लीटर अनार के पत्तों का रस, आधा लीटर बेल के पत्तों का रस और 1 किलो देशी घी को एक साथ मिलाकर आग पर पकने के लिये रख दें। पकने के बाद जब केवल घी ही बाकी रह जायें तो इसमें से 2 चम्मच घी रोजाना दूध के साथ रोगी को खिलाने से बहरेपन का रोग दूर हो जाता है-

27-20-20 ग्राम अनार और बेल के पत्तों के रस को 50 ग्राम घी में डालकर बहुत देर तक गर्म कर लें। फिर इसे छानकर लगभग 10 ग्राम घी या 200 ग्राम दूध के साथ सुबह और शाम को पीने से बहरापन दूर हो जाता है-

28- अनार के छिलके का चूर्ण बनाकर इसमें 100 ग्राम दही मिलाकर खाने से बवासीर ठीक हो जाती है या अनार के छिलकों का चूर्ण 8 ग्राम, ताजे पानी के साथ प्रतिदिन सुबह-शाम प्रयोग करें-

29- अनार के पत्ते पीसकर टिकिया बना लें और इसे घी में भूनकर गुदा पर बांधें। इससे मस्सों के जलन, दर्द तथा सूजन मिट जाती है-

30- अनार के बीज या धिनया के बीज और भुनी हींग या जीरा या पाठा (पुरइन पाढ़) का चूर्ण या पीपल या सेंधानमक या सोंठ या अजवायन के फल का चूर्ण, 5 से 10 ग्राम चावल से बनाई गई खिचड़ी का दिन में 2 बार लें। इससे पुराने दस्त के रोगी को लाभ मिलता है1

दिल्ली में 25 लाखु से मुरे ATM उखाड़ ले गए बदमाश, CCTV कैमरे से खुद को ऐसे बचाया

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के वजीराबाद इलाके में बदमाशों ने एक एटीएम मशीन ही उखाड़ कर ले गए। एटीएम में 25 लाख रुपये थे। बदमाशों में से एक ने पहले एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया उसके बाद पूरी मशीन ही उखाड कर फरार हो गए। प्रलिस मामले की जांच कर रही है। खबर में पढ़ें पूरी जानकारी।

नई दिल्ली, उत्तरी जिले के वजीराबाद थाना क्षेत्र में देर रात बदमाश एक एटीएम से 25 लाख से भरी मशीन ही उखाड़ कर फरार हो गए। बदमाशों में से एक ने पहले एटीएम की रैकी की और फिर वहां लगे दो सीसीटीवी कैमरों पर काले रंग से स्प्रे कर दिया। इसके बाद अन्य बदमाशों के साथ वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस मामला दर्ज कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल आरोपितों की पहचान कर रही है। वहीं पुलिस को शक है कि इस वारदात की पीछे मेवाती गिरोह के सदस्यों का हाथ हो सकता है। फिलहाल घटना के बाद से इलाके में अफरा-तफरी मची हुई है।

सबह करीब तीन बजे बदमाशों ने बनाया निशाना

उत्तरी जिले के उपायक्त राजा बांठिया के मुताबिक, वजीराबाद के यादव चौक के पास गली नंबर आठ पर बने एक्सिस बैंक के एटीएम को बृहस्पतिवार तड़के करीब तीन बजे बदमाशों ने निशाना बनाया। बदमाशों में से एक पहले एटीएम की रैकी की और वहां लगे दो सीसीटीवी कैमरों पर काले रंग से स्प्रे किया ताकि उनकी पहचान नहीं हो सके।



इसके बाद कार से चार पहिया वाहन से अन्य बदमाश मौके पर पहुंचे और एटीएम मशीन को तोड़ने का प्रयास करने लगे। जब उनसे मशीन नहीं टूटी तो उन्होंने किसी मोटी जंजीर से मशीन को बांधा और अपने वाहन से बांध खींचना शुरू किया, जिससे मशीन टूट गई और उसे वाहन में लोड कर मौके से फरार हो

www.newsparivahan.com

मशीन में करीब 25 लाख रुपये नकद

सूचना पर पुलिस (Delhi Police) मौके पर पहुँची तो देखा कि एटीएम मशीन वहां से उखडी हुई थी। बैंक अधिकारियों से जांच करने पर पता चला कि मशीन में करीब 25 लाख रुपये नकद मौजूद थे। एटीएम पर कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था, जिसका फायदा बदमाशों ने उठाया और वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस मामला दर्ज कर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, जिससे संदिग्ध बदमाशों की पहचान हो सके। बता दें कि एटीएम से 200 मीटर की दुरी पर ही पलिस चौकी है उसके बाद भी बदमाश बेखौफ वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

बैंकके अधिकारियों को माना जा रहा है

बैंक अधिकारी जिम्मेदार हाल ही में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा कराए गए सर्वे में इस एटीएम में सरक्षाकर्मी तैनात न होने की बात आरबीआई और बैंक के मख्य शाखा के वरिष्ठ अधिकारियों को बताई गई थी और सुरक्षा व्यवस्था मजबत करने को कहा गया था। उसके बाद भी बैंक अधिकारियों की ओर से लापरवाही बरती गई। इस घटना के लिए सीधे तौर पर बैंक के अधिकारियों को जिम्मेदार माना जा रहा है।

पहले भी इलाके से बदमाशों ने एटीएम से लटे थे 10 लाख नकद बता दें कि दस जनवरी 2023 को वजीराबाद इलाके की गली नंबर 6 में दिनदहाड़े आईसीआईसीआई बैंक एटीएम में कैश डालने आई कैश वैन में सवार गार्ड पर बदमाशों ने हमला कर दिया था और करीब दस लाख रुपये लटकर फरार हो गए थे। घटना में गोली लगने से गार्ड उदयपाल सिंह की मौत हो गई थी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल भी खड़े हुए थे।

भाजपा ने अब तक आम आदमी पार्टी के 7 प्रत्याशियों को 15-15 करोड़ रुपए लेकर भाजपा में शामिल होने का ऑफर दिया है- संजय सिंह



नर्ड दिल्ली, 06 फरवरी दिल्ली विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले ही भारतीय जनता पार्टी ने अपनी हार मान ली है। इसलिए अब भाजपा ने ''आप'' विधायकों की खरीद-फरोख्त करके दिल्ली में अपनी सरकार बनाने के लिए ऑपरेशन लोटस शुरू कर दिया है। भाजपा ने ''आप' विधायकों को तोड़ने के लिए उनसे संपर्क करना शुरू कर दिया है। अभी तक भाजपा के लोगों ने ''आप'' के सात विधायकों/ प्रत्याशियों से संपर्क करके उनको 15-15 करोड़ रुपए लेकर भाजपा में शामिल होने का ऑफर दिया है। ''आप'' के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को यह बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि हमने अपने सभी प्रत्याशियों को सचेत कर दिया है और उनसे कहा है कि उन्हें भाजपा से जितनी भी कॉल आएं, उसकी रिकॉर्डिंग कर लें। अगर कोई उनसे मुलाकात करके पैसे का ऑफर देता है, तो हिडन कैमरे से उसकी वीडियो बना लें।

गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर सांसद संजय सिंह ने कहा कि लोकतंत्र को कचलने, विधायकों की खरीद-फरोख्त करने और सरकारों को गिराने में सबसे माहिर भाजपा ने दिल्ली के चुनाव में अपनी हार मान ली है। गरुवार को सबह से हमारे कई विधायकों ने मझे फोन करके सूचना दी कि उनके पास भाजपा की तरफ से 15-15 करोड़ रुपए लेकर पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने का ऑफर आ चुका है। भाजपा के लोगों ने अब तक आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ रहे सात विधायकों/ प्रत्याशियों को यह ऑफर दिया है। भाजेपा के कुछ तत्वों ने इन विधायकों से संपर्क किया और कुछ से मुलाकात करके भी यह ऑफर दिया गया है। जिसमें हमारे विधायकों से कहा गया कि वे 15 करोड़ रुपए ले लें और आम आदमी पार्टी

छोड़कर भाजपा के साथ तोड़-फोड़ करके सरकार बनाने के लिए राजी हो जाएं।

उन्होंने आगे कहा कि इस पूरे मामले में हमने अपने मौजूदा विधायकों, जो चुनाव लंड़ रहे हैं, उनसे कहा है कि उन्हें इस तरह की जितनी भी कॉल आएं, वे उसकी रिकॉर्डिंग करें और इसकी सुचना दें। दूसरा, अगर कोई उनसे मुलाकात करके इस तरह को ऑफर देता है, तो वेहिडन कैमरे से उसकी वीडियो बनाएं। बाद में इसकी सुचना मीडिया और बाकी जगहों पर दी जाएगी। हमने अपने विधायकों को सचेत कर दिया है। सभी लोगों से सजग रहने के लिए कहा है। इससे दो बातें बिल्कुल स्पष्ट हो गई हैं। पहला. 8 फरवरी को वोटों की गिनती से पहले भाजपा ने अपनी हार मान ली है। दसरा, ऑपरेशन लोटस के तहत भाजपा पूरे देश में विधायकों की खरीद-फरोख्त और लोकतंत्र को कुचलने का जो तरीका अपनाती है, वही प्रयोग अब उसने दिल्ली में भी शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनाव के बाद शेर सिंह डागर नाम के एक व्यक्ति ने पहले हमारे एक विधायक को खरीदने की कोशिश की थी। इसके बाद भी भाजपा द्वारा कई विधायकों को खरीदने की कोशिश की गई थी। बीच-बीच में भाजपा ने इस प्रकार के कई प्रयोग किए, जिसमें से दो-चार मामलों में वे सफल भी हुए। ये लोग विधायकों को तोड़ने के लिए पैसे और जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं। इसमें से जिस चीज से भी बात बन जाए. वह तरीका इस्तेमाल करके विधायकों को तोड़ते हैं। पंजाब में भी इन्होंने हमारे एमपी तोड़ लिए। दिल्ली में हमारे दो मंत्रियों को तोड़ लिया। हमने बहुत कोशिश और संघर्ष के बाद दिल्ली को बचाया है, जबकि भाजपा ने हमेशा सरकार

दिल्ली में इस बार किसकी बनेगी सरकार? लोगों के बीच में इन नामों और दलों को लेकर चर्चा जोरों पर

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली विधान सभा चुनाव 2025 पश्चिमी दिल्ली में मतदान के बाद हार-जीत को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। उत्तम नगर में त्रिकोणीय मुकाबला मटियाला में आप और भाजपा के बीच टक्कर द्वारका में तीनों दलों के प्रत्याशियों को जनता ने मौका दिया हरिनगर में निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमारी ढिल्लों भी मायने रखती हैं। इस लेख में पढ़िए की दिल्ली के लोग चर्चाओं के दौरान क्या कुछ कयास लगा रहे हैं।

नई दिल्ली, मतदान के बाद अब हार-जीत को लेकर चर्चा का दौर शुरू हो चुका है। जीत किसकी होगी, कौन हार रहा है, कहां कहां कांटे की टक्कर है, कौन आसानी से जीत रहा है, किसे पूरी तरह नकार दिया गया है... बृहस्पतिवार ऐसे तमाम सवालों पर लोगों ने जबरदस्त चर्चा की। पार्क, गली चौक, बाजार हर जगह चर्चाओं का दौर

सबसे पहले उत्तम नगर चलते हैं। उत्तम नगर विधानसभा में बृहस्पतिवार पूरे दिन हार-जीत को लेकर कयासों का जबरदस्त दौर चल रहा है। इस सीट पर अधिकांश लोगों की राय है कि यहां त्रिकोणीय मुकाबला है। इस सीट पर भाजपा, आप या कांग्रेस में किसकी जीत होगी, इसे लेकर लोग निर्णय नहीं ले पा रहे हैं।

लोगों का कहना है कि यहां तीनों में कांटे की टक्कर है। कांग्रेस ने यहां जबरदस्त उपस्थिति दर्ज कराई है। ऐसे में अन्य सीटों



की तरह यहां भाजपा या आप की जीत को लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता है। इस सीट हर मोहल्ले में तीनों ही पार्टी के समर्थक हैं। लेकिन एक बात सभी लोग मानते हैं कि आप या भाजपा की हार जीत में कांग्रेस के गणित का अहम रोल होगा।

उत्तम नगर से थोड़ी दूर मटियाला विधानसभा क्षेत्र के द्वारका सेक्टर 6 स्थित पार्क में बैठी महिलाओं का कहना था कि आप व भाजपा के बीच जबरदस्त टक्कर है। आपकी नजर में जीत किसकी होगी। इस पर महिलाओं की राय बंटी थी। कछ ने भाजपा तो कुछ न आप की जीत की संभावना जताई। लेकिन उपनगरी के लोग इस बात को लेकर एकमत हैं कि खुद सांसद कमलजीत सहरावत मटियाला विधानसभा क्षेत्र की हैं तो इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है।

इससे भी बड़ी बात है कि यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रैली कर चुके हैं। लेकिन इससे

आप का पलड़ा कम हो रहा है, यह भी लोग नहीं मानते हैं। यहां आप प्रत्याशी सुमेश शौकीन को भी लोग मजबूत प्रत्याशी मानते हैं। वे यहां विधायक भी रहें चुके हैं। अधिकांश लोगों की राय में यहां आप व भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। द्वारका से थोड़ी दूर सागरपुर स्थित नगर वन पार्क में लोग द्वारका विधानसभा क्षेत्र में हार जीत को लेकर गुणा भाग करते नजर आए।

आप, भाजपा या कांग्रेस किसके हाथ जीत लगेगी। यहां भी गणित का प्रश्न अनसलझा रहा । आखिर क्यों ? सागरपर निवासी मोहन सिंह का कहना था कि यहां तीनों दलों के प्रत्याशियों को जनता ने मौका दिया। भाजपा के प्रत्याशी, कांग्रेस के प्रत्याशी व आप के प्रत्याशी तीनों ही विधायक रह चुके हैं। लेकिन तीनों के कार्यकाल में समस्याओं का समाधान जिस रफ्तार में होना चाहिए. वह नहीं हुआ। ऐसे में यहां प्रत्याशी के बजाय

पार्टी को लोगों ने वोट दिया। जिस पार्टी की विचारधारा, संकल्प लोगों को पसंद आई. उसे वोट किया गया।

सागरपुर से निकलकर आप जैसे ही पंखा रोड पार कर सड़क के दूसरे हिस्से पहुंचते हैं, आप हरिनगर विधानसभा क्षेत्र में खुद को पाते हैं। यहां भी चुनावी चर्चा जोरों पर नजर आती है। जनकपुरी डी ब्लाक में बैठे कुछ लोगों का कहना था कि यहां मुकाबले में आप, भाजपा, कांग्रेस के साथ साथ निर्दलीय प्रत्याशी राज कुमारी ढिल्लों भी मायने रखती है। उन्हें भी आप नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। उन्होंने भी अपनी बात जनता के बीच जबरदस्त तरीके से पहुंचाई है।

ऐसे में यहां कोई अप्रत्याशित नतीजे आ जाएं तो आश्चर्य नहीं। अप्रत्याशित अगर नहीं भी हो तो किसी भी प्रत्याशी की हार या जीत में राजकुमारी ढिल्लों द्वारा हासिल वोट का कुछ न कुछ योगदान जरूर होगा। जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां चर्चा में लोग भाजपा के आशीष सूद को तरजीह देते हैं। लोगों का कहना है कि आशीष सूद की प्रचार की रणनीति सबसे बेहतर रही।

लेकिन आप प्रत्याशी को भी लोग कम नहीं आंकते। लोगों का कहना है कि इस बार चुनाव में आप के समर्थक ने बोलने से ज्यादा मतदान पर भरोसा किया। ऐसे में आप को भी कम नहीं आंकना चाहिए। रही बात कांग्रेस की तो यहां के लोगों का कहना था कि कांग्रेस की प्रत्याशी ने अपनी अच्छी उपस्थिति दर्शाई है। मुकाबले में वह भी है।

दिल्ली की 70 सीटों का मतदान आंकड़ा आरके पुरम - 54.00

जंगपरा - 57.42

सुषमा रानी

नईदिल्ली, दिल्ली 6 फरवरीः दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान आपसी नोक- झोक, आरोप -प्रत्यारोप के बाद 5 फरवरी को चुनाव संपन्न हुए। पूरी दिल्ली के 70 सीटों पर चुनाव आयोग द्वारा मतदान पर

आंकड़ा पेश किया गया दिल्ली की 70 सीटों पर मतदान का आंकडा (प्रतिशत में) हरि नगर - 60.74

जनकपुरी - 61.50 मादीपर-63.00 मोतीनगर - 58.77 नांगलोई जाट - 59.02 राजौरी गार्डन- 63.00 तिलक नगर- 60.05 बिजवासन - 61.13 द्वारका - 61.96 मटियाला-60.37 सदर बाजार-60.40 तीमारपर- 55.90 नजफगढ़ - 64.00 पालम - 62.41 उत्तम नगर-61.50

विकासपुरी-58.50

कालकाजी - 54.59 कस्तुरबा नगर - 54.10 ओखला - 54.90 बाबरपुर - 65.99 रोहतास नगर - 65.10 सीमापुरी - 65.27 शाहदरा - 62.58 विश्वासन नगर - 60.50 घोंडा - 61.03 गोकलपुर-68.29 करावल नगर 62.44 मुस्तफाबाद - 69.00 सीलमपुर-68.41 बादली - 62.53 बवाना - 59.42 मॉडल टाउन - 53.40 नरेला - 61.50 रोहिणी-62.15 शकुर बस्ती-63.56 वजीरपर-55.65 दिल्ली कैंट - 59.30 ग्रेटर कैलाश - 54.50 नई दिल्ली - 54.27 पटेल नगर - 58.07

राजेंद्र नगर- 61.25 गांधीनगर - 61.01 कोंडली - 62.90 कृष्णा नगर - 64.00 लक्ष्मी नगर - 60.50 पटपडगंज - 57.74 त्रिलोकपुरी-65.12 बल्लीमारन - 59.56 बुराड़ी - 59.48 चांदनी चौक - 55.96 करोल बाग - 47.40 मटिया महल - 65.10 किराडी - 60.19 मंगोलपुरी - 61.48 मुंडका -60.30 रिठाला - 57.88 शालीमार बाग- 58.28 सुल्तानपुर माजरा- 60.25 त्रिनगर-62.21 अंबेडकर नगर - 59.47 छतरपुर - 60.53 देवली- 59.57 मालवीय नगर - 52.07 मेहरौली - 53.04 संगमविहार-60.80 तुगलकाबाद-55.80

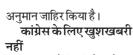
सर्वे में कोई ऊपर कोई नीचे रिजल्ट आने पर पता चलेगा किसका पलड़ा भारी

नईदिल्ली। दिल्ली में चुनाव पूर्ण हो चका लेकिन जब तक रिजल्ट नहीं आ जाता सर्वे और एग्जिट पोल अपनी कहानी बयान करते रहेंगे।

विभिन्न एग्जिट पोल्स के बीच दो सर्वे ऐसे भी हैं जो अरविंद केजरीवाल को मजबूत दिखा रहे हैं। इन दोनों सर्वे के मृताबिक दिल्ली में सत्ता के लिए भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच कड़ी टक्कर होने वाली है। हालांकि दोनों सर्वे में कांग्रेस के लिए गुड न्यूज नहीं है। गौरतलब है 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में सत्ता के लिए जादुई आंकड़ा 35 सीटों का है।

इन दो सर्वे का हाल यह दो सर्वे हैं मैटराइज और पी

मार्क। जहां मैटराइज में आम आदमी पार्टी को 32 से 37 सीटें मिलने का अनुमान बताया गया है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी को 35 से 40 सीटें मिलने का अनुमान है। मैटराइज के सर्वे में कांग्रेस को 00 से 01 सीट मिलने का अनुमान है। वहीं, बात करें पी मार्क द्वारा जारी एग्जिट पोल की तो इसमें भाजपा को 39 से 49 सीटें मिलने का अनमान है। पी मार्क ने आम आदमी पार्टी को 21 से 31 सीटें मिलने का



हालांकि दोनों सर्वे में कांग्रेस को खुशखबरी मिलती नजर नहीं आ रही है। मैटराइज और पी मार्क दोनों ने कांग्रेस को 00 से एक सीटें मिलने का अनुमान जताया है। बता दें कि कई अन्य एग्जिट पोल्स में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ होता बताया गया है। दिल्ली विधानसभा के लिए पांच फरवरी को वोटिंग हुई है। इसकी काउंटिंग 8 फरवरी को होने वाली है। दांव पर है केजरीवाल की

प्रतिष्ठा

गौरतलब है कि इस चुनाव में अरविंद केजरीवाल की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। भ्रष्टाचार मामले में जेल जाने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री का चेहरा भी बदल दिया। आतिशी की सीएम के तौर पर ताजपोशी की गई। हालांकि चुनाव में मुख्यमंत्री के तौर पर अरविंद केजरीवाल को ही प्रोजेक्ट किया गया। अरविंद केजरीवाल की मंशा होगी कि आम आदमी पार्टी एक बार फिर से सत्ता में लौटे। लेकिन एग्जिट पोल उनकी उम्मीदों के

विपरीत भविष्यवाणी कर रहे हैं।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की रोक के बावजूद नया गांव नगर कौंसिल के अधिकारी खुद करवा रहे इलाके में नव - निर्माण : एडवोकेट विवेक हंस गरचा नईदिल्ली। दनया गांव 06 अप्रैल 2025 न्यू कांग्रेस पार्टी (NCP) केंद्रीय अध्यक्ष एवम

अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर म्यनिसिपल अमेनिटीज विभाग पंजाब सरकार के पूर्व सलाहकार सदस्य एडवोकेट विवेक हंस गरचा ने कहा कि नया गांव में लाखों घरों का अवैध निर्माण नया गांव के नगर कौंसिल के ई.ओ और इलाका पार्षदों के इशारे पर हुआ। नव - निर्माण पर हाई कोर्ट की रोक के बावजुद, अपनी तिजोरियां भरने के लिए इलाका पार्षदों, ई.ओ और पटवारी की मिला भगत से हुआ करोड़ो रूपये घपला।

एडवोकेट विवेक हंस गरचा ने कहा कि नया गांव नगर कौंसिल कार्यालय का नाम बदल कर ₹लैंड माफिया सपोर्टर केंद्र₹ रख देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नया गांव में पलिस और प्रशासनिक अधिकारी खुद लॉ एन्ड आर्डर की धज्जियां उड़वाते हैं। उन्होंने कहा कि नया गांव क्षेत्र में हाई कोर्ट के आदेशों को सख़ुती से लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसी शंका हो रही है जैसे रिश्वत का पैसा प्रशासनिक अधिकारीयों से होता हुआ उच्च अधिकारीयों तिजोरी तक जा रहा है। जिस कारण नगर कौंसिल एवं पुलिस विभाग का कोई अधिकारी शिकायत मिलने के बाद भी कारवाई नहीं करते।

पिछले 5 साल से रजिस्ट्री बंद , एन.ओ.सी बंद, सी.एल.यु बंद तथा नये बिजली पानी के कनेक्शन पर्ण रूप से बंद हैं। फिर ऐसी परिस्थित में नई रजिस्ट्रीयां कैसे हुई ? नव निर्माण जोरों से



किसकी शह पर हो रहा है ? नकुशे कैसे पास हए ? जिस कारण अवैध निर्माण रुकने का नाम नहीं ले रहा।ऐसा महसूस हो रहा है जैसे प्रशासन के बलडोजर को जंग लग गया हो तभी प्रशासनिक अधिकारी लैंड माफिया की एक ईंट तक नहीं उखाड़ पाये। उल्टा उनका साथ दे रहे हैं।

एडवोकेट विवेक हंस गरचा ने माननीय पंजाब प्रदेश राज्यपाल और पंजाब मुख़्ययमंत्री सरदार भगवंत सिंह जी मान से आज मीडिया के माध्यम से मांग की कि नया गांव नगर पंचयात कार्यालय नाम बदल कर ₹लैंड माफिया सपोर्टर केंद्रर रख दें। उन्होंने कहा कि नया गांव जो कि

मुख्यमंत्री निवास स्थान से मात्र 100 मीटर की दुरी पर है लेकिन यहाँ लॉ एन्ड आर्डर नाम की कोई चीज नहीं हाई कोर्ट के निर्देशों अनुसार नव निर्माण पर रोक लगी होने के बावजूद नया गांव, नाड़ा, कांसल इलाके में नव - निर्माण कार्य जोरो से चल रहा है। क्योंकि नगर पंचायत ऑफिस के अधिकारी एवं पुलिस विभाग के कर्मचारी पंजाब लैंड माफिया के डर से प्रॉपर्टी डीलर्स से मिला भकत कर कोर्ट के और विभाग के आदेशों के विरुद्ध जाकर नव - निर्माण कार्या जोरों शोरों से

यदि कोई आम नागरिक को नव - निर्माण

करना हो तो उसे नगर निगम कार्यालय से (एन.ओ.सी) भी लेनी पड़ती है नक्शा भी पास करवाना पडता है। प्रॉपर्टी टैक्स भी जमा करवाना पडता है और नई सोसाइटी के निर्माण के लिए (सी.एल.यू) होना भी जरूरी है इसके इलावा और ना - ना प्रकार की अनुमृति लेनी पड़ती है।

जबिक चंडीगढ़ पंजाब एन्ड हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा नया गांव में नव निर्माण कार्य पर पिछले लम्बे समय से रोक लगाई गई है। रोक लगी होने के बावजूद नगर पंचायत अधिकारी उन्हें रोकने के बजाये, नव निर्माण को हटाने की बजाये खुद छुटी पर चले जाते हैं।ताकि नव निर्माण कार्य में उनकी जवाब देहि ना हो। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारीयों को नौकरी से तुरंत प्रभाव से निष्काषित कर देना चाहिए।

एडवोकेट विवेक हंस गरचा ने कहा कि इलाका विधायक अनमोल गगन मान, सांसद मलविंदर सिंह कंग एवं मुख्यमंत्री पंजाब सरदार भगवंत सिंह जी मान को अपने निजी हस्ताक्षेप द्वारा नया गांव की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है अन्यथा वो दिन दुर नहीं जब मुख्यमंत्री पंजाब कार्यालय से 100 मीटर की दुरी पर पंजाब लैंड माफिया अपना साम्राज्य स्थापित कर चुका होगा। एडवोकेट विवेक हंस गरचा ने कहा कि अगर पंजाब सरकार और पुलिस विभाग को लैंड माफिया के खिलाफ़ कारवाई करने में डर लगता है तो वे फ़ोन नंबर +9199885-38929 पर संपर्क कर मेरी मदद ले सकते हैं। मैं सरकार और पलिस विभाग दोनों की मदद के लिए तैयार हूँ।

पढ़ाई से बचने के लिए 4 स्कूलों को ई-मेल भेजकर दी थी बम की धमकी, पुलिस ने 9वीं के स्टूडेंट को हिरासत में लिया

नोएडा के चार निजी स्कुलों को मंगलवार रात को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी भरे ईमेल से स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों में हडकंप मच गया। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि धमकी देने वाला एक छात्र है। छात्र ने पढाई से बचने के लिए यह हरकत की। पुलिस ने छात्र को हिरासत में ले

नोएडा। नौंवी कक्षा के छात्र ने पढाई से बचने के लिए मंगलवार रात नोएडा सेक्टर -126 स्थित ज्ञानश्री, मयुर पब्लिक स्कूल, द हेरिटेज व स्टेप बाय स्टेप स्कूल को ई-मेल भेजकर बच्चों को क्रूरता से मारने व बम से उड़ाने की धमकी दे दी। अगली सबह 8:30 बजे स्कल प्रबंधकों के ई-मेल चेक करते ही होश उड़ गए।

कंट्रोल रूम पर सुचना मिलते ही पुलिस अधिकारी स्कूलों की तरफ दौड़ पड़े। छात्र-छात्राओं को बाहर निकालकर बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड के साथ जांच की। वहीं, अभिभावक भी स्कूलों पहुंच गए। पुलिस ने ईमेल भेजने वाले की पहचान एक छात्र के रूप में कर



देर रात मामले का खुलासा कर दिया। मंगलवार रात 12 बजे आई थी ई-

www.newsparivahan.com

डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि चारों स्कूल को ई-मेल मंगलवार रात 12 बजे आई थी। सुबह साढे आठ बजे प्रबंधन ने सिस्टम पर ई-मेल चेक की तो तुरंत प्रिंसिपल और अन्य पदाधिकारियों को

मामले की सूचना दी गई। इस बीच चारों स्कूल में पढ़ाई शुरू हो चुकी थी।

प्रबंधन ने पलिस अधिकारियों को सूचना देकर ई-मेल चेक कराई। चारों स्कूल की ई-मेल में लिखा था कि सभी बच्चों को मारकर बदला लंगा। स्कलों की तरफ से बम की सुचना पर एडीसीपी समित कमार शक्ला, एसीपी प्रवीण कमार डॉग स्क्वाड और भारी संख्या में पुलिस बल के साथ जांच शुरू कर दी।

दो घंटे की जांच में नहीं मिला कुछ

स्कूल परिसर को पूरी तरह खाली कराने के बाद दो घंटे की जांच में टीम को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। तब अधिकारी और प्रबंधन ने राहत की सांस ली। डीसीपी ने बताया कि साइबर सरक्षा की चार टीमें ईमेल भेजने वाले का पता

टीम को लिंक मिला तो ईमेल भेजने वाली की पहचान एक छात्र के रूप में हुई। उसने बात करने पर पता चला कि वह नोएडा के ही एक स्कूल में कक्षा नौंवी की पढाई करता है। बुधवार को उसका स्कुल जाकर पढने का मन नहीं था।

लिहाजा उसने स्कूल को धमकी भरा ई मेल भेजने की योजना बनाई। छात्र ई मेल लिख ही रहा था कि वह उसे खुद के पकड़े जाने की डर सताने लगा। इससे बचने के लिए उसने गुगल से अन्य तीन स्कूलों की र्डमेल आईडी लेकर उन्हें भी धमकी भरा मेल भेज दिया।

छात्र-छात्राओं के टेस्ट के बीच में

जानकारी के अनुसार, ई-मेल देखने के बाद प्रबंधन ने सभी चल रहीं क्लासों को तुरंत बंद करा दिया। छात्र-छात्राओं को स्कुल से बाहर निकाला गया। अभिभावक भी बच्चों को लेने स्कल पहुंच गए।

इस बीच कुछ बच्चे जो बस से आते हैं उन्हें भी दोबारा बस में बैठा दिया गया। सेक्टर 128 और 132 के दो स्कूलों में छात्र-छात्राओं की विषय आधारित परीक्षा थी। इसलिए पलिस जांच के बाद उन छात्र-छात्राओं को रोककर टेस्ट लिया

पहले भी आ चुके हैं मामले

1 मई 2024- नोएडा और ग्रेटर नोएडा स्थित डीपीएस स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली, पुलिस जांच में

17 अगस्त 2024-नोएडा सेक्टर 18 स्थित डीएलएफ माल को उड़ाने की धमकी दी गई थी, पुलिस ई-मेल की जांच

20 दिसंबर 2024-सेक्टर 126 थानाक्षेत्र में लोटस वैली स्कल को बम से 48 घंटे में उड़ाने की धमकी मिली, पुलिस अभी जांच कर रही है

87 गांव के किसानों की बल्ले-बल्ले. मुआवजे के साथ मिलेगा ये बड़ा लाभ; ऐसे विकसित होगा 'नया नोएडा'

गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआईआर) के रूप में विकसित होने वाले नया नोएडा में किसानों को मुआवजे के साथ 5

प्रतिशत आवासीय भुखंड का आवंटन पत्र दिया जाएगा यह व्यवस्था किसानों के साथ विवादों से बचने के लिए की जा रही है। जमीन अधिग्रहण के लिए 1000 करोड़ रुपये आरक्षित किए गए हैं। आगे विस्तार से पढ़िए पूरी खबर।

नोएडा।दादरी नोएडा गाजियाबाद इनवेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआईआर) के रूप में विकसित होने वाले 'नया नोएडा' में 87 गांव के किसानों से जमीन समझौते के आधार पर ली जाएगी। इसकी खासियत यह होगी कि समझौता पत्र का अनबंध साइन करते ही किसानों को उनके मुआवजे की चेक के साथ जमीन अधिग्रहण के एवज में प्राधिकरण से मिलने वाले विकसित पांच प्रतिशत का आवासीय भुखंड का आवंटन पत्र भी दिया जाएगा।

इसके अलावा गांव की आबादी और विकसित सेक्टरों के बीच सीमा विवाद का स्थाई हल करने के लिए आबादी भी निस्तारित कर दी जाएगी, जिसमें अधिग्रहित जमीन से 100 से 200 मीटर जगह को गांव की पैरिफेरल रोड बनाने के लिए पहले से छोड़ी जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण ने लागु की करने का निर्णय लिया

डीएनजीआईआर को विकसित करने में किसी भी प्रकार का किसान विवाद न हो। इसलिए यह नई व्यवस्था नोएडा प्राधिकरण ने लाग की करने का निर्णय लिया, क्योंकि प्राधिकरण के नियोजन विभाग अधिकारियों के बीच इसी पैटर्न पर जमीन अधिग्रहण करने को लेकर बनी सहमति बनी । जल्द इसका प्रस्ताव तैयार कर बुलंदशहर व गौतमबुद्ध नगर जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया

बता दें कि नोएडा में जिस प्रकार से जमीन अधिग्रहण को लेकर प्राधिकरण व किसानों के बीच विवाद हो रहा है, धरना प्रदर्शन की नौबत हो रही है। इस प्रकार की गलतियों को नोएडा प्राधिकरण 'नया

नोएडा' विकसित करने में नहीं करना चाहता है।

जमीन अधिग्रहण के लिए एक हजार करोड आरक्षित

डीएनजीआइआर मास्टर प्लान 2041 में 40 प्रतिशत भु उपयोग औद्योगिक, 13 प्रतिशत आवासीय और ग्रीन एरिया व रिक्रिएशनल गतिविधि के लिए 18 प्रतिशत प्रविधान किया गया है। इस शहर की आबादी छह लाख के आसपास होगी। प्राधिकरण ने 213वीं बोर्ड में करीब एक हजार करोड़ रुपये जमीन अधिग्रहण के आरक्षित किया है। यह पैसा यहां पहले फेज में जमीन अधिग्रहण के लिए आरक्षित

सैटेलाइट मैपिंग के जरिये होगा जमीन अधिग्रहण

'नया नोएडा' का मास्टर प्लान 2041 को नोएडा प्राधिकरण ने सितंबर 2023 में आयोजित 210वीं बोर्ड में अनुमोदित किया था। प्लान से संबंधित आपत्तियां लोगों से मांगी गई, 12 जनवरी 2024 को शासन के पास मंजुरी को भेजा गया, जिसपर शासन ने 18 अक्टूबर 2024 को मंजुरी दी। अब इसी दिन की सैटेलाइट मैपिंग के जरिये जमीन का अधिग्रहण होगा।

पश्चिम उत्तर प्रदेश का ग्रोथ इंजन होगा शहर

दादरी नोएडा गाजियाबाद इनवेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआइआर) के रूप में 'नया नोएडा' को 209.11 वर्ग किमी में यानी 20911.29 हेक्टेयर जमीन पर बसाया जाना है। यह पश्चिम यूपी का ग्रोथ इंजन होगा। 209 वर्गमीटर के नए शहर में 8420.92 हेक्टेयर में औद्योगिक को बसाया जाएगा। इसमें यपीसीडा को 1370.10 हेक्टेयर के अलावा औद्योगिक एरिया 6885.59 हेक्टेयर और मिक्स इंडस्ट्री 165.22 हेक्टेयर में बसाई जाएंगी। इस नए शहर में छह लाखा लोग रहेंगे, जिसके पहले फेज में तीन लाख को रोजगार मिलेगा।

भाजपा MLA ने जमीन पर बैठकर बेची सब्जी, खूब वायरल हो रहा VIDEO; विधायक जी को देखते रहे अधिकारी

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर द्वारा मुख्य मार्गों पर लगने वाले साप्ताहिक बाजारों को हटाने के आदेश का विरोध करते हुए लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने बृहस्पतिवार को नीलम फैक्ट्री सौ फुटा मार्ग पर खुद सब्जी का ठिया लगाकर सब्जी बेची।

विक्रेताओं में आदेश को लेकर

इस दौरान उन्होंने ठिया पर अपने नाम की पर्ची लगाकर मटर बेचते हुए विरोध जताया। बीते दिनों गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर ने सभी थाना प्रभारियों

को मुख्य सडक पर लगने वाले साप्ताहिक बाजारों पर लगने वाले रेहडी पटरी वालों को हटाने के आदेश दिए थे। जिसके बाद से विक्रेताओं में आदेश को लेकर आक्रोश है। विधायक ने खुद सब्जी का ठिया लगाकर आदेश का विरोध किया।

उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेहड़ी-पटरी वालों को स्वरोजगार के लिए सहायता दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन गरीबों के पेट पर लात मारने का काम कर रहा है।

जरूरत पड़ी तो सदन तक लड़ाई को लेकर जाएंगे

उन्होंने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि साप्ताहिक बाजारों को जबरन हटाया गया. तो हजारों परिवारों की रोजी-रोटी छिन जाएगी। उन्होंने कहा कि हम किसी भी हाल में गरीबों का हक नहीं छीनने देंगे। ये लोग बीते 20 वर्षों से मेहनत करके अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। यदि जरूरत पड़ी तो सदन तक लडाई को लेकर जाएंगे।

विधायक के समर्थन में नारेबाजी की

वहीं, प्रदर्शन के दौरान स्थानीय सब्जी विक्रेताओं ने विधायक के समर्थन में नारेबाजी की व प्रशासन से अपना फैसला वापस लेने की मांग की। उनका कहना है कि यदि बाजारों को हटाया गया, तो उनके सामने भुखमरी की नौबत आ जाएगी। इस दौरान कई सब्जी विक्रेता मौजूद रहे।

50 हजार लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी, नई तकनीक से बनेगी सड़क; जर्जर रास्तों से मिलेगी मुक्ति

ग्रेटर नोएडा। गेटर नोएडा में दादरी विधानसभा क्षेत्र के आठ गांवों को जोड़ने वाली जर्जर सड़क शुक्रवार से बननी शुरू हो जाएगी। सड़क का चौड़ीकरण भी किया जाएगा। इससे आठ गांवों की करीब 50 हजार आबादी को जर्जर हो चुकी सड़क के गड्डों और हादसे से मुक्ति मिलेगी।

नईतकनीक से बनेगी सड़क

नई तकनीक एफडीआर (फुल डेप्थ रीक्लेमेशन) से यह सडक बनेगी। इस सडक की मंजरी क्षेत्रीय विधायक तेजपाल नागर ने राज्य सड़क निधि से कराई है। दादरी विधानसभा के आठ गांवों को जोड़ने वाली सडक काफी जर्जर है।

राज्य निधि से मंजूर कराए थे 1902.47 लाख रुपये

इस सड़क से आवाजाही करने वाले लोगों को खासी परेशानी हो रही है। गड्डा युक्त सड़क पर दोपहिया व चार पहिया वाहन समय से पहले ही खराब हो रहे हैं। क्षेत्रीय लोग काफी समय से सड़क बनवाने की मांग कर रहे थे। इसके चलते विधायक ने सड़क निर्माण के लिए राज्य निधि से 1902.47 लाख रुपये मंजूर कराए थे।

पीडब्ल्यडी सडक विभाग कराएगा सड़कका निर्माण



इस धनराशि से 13.710 किलोमीटर लंबी सड़क बनेगी। पीडब्ल्यूडी सड़क विभाग सडक का निर्माण कराएगा। इस सडक का निर्माण कार्य देख रहे पीडब्ल्यूडी के जेई प्रमोद कुमार ने बताया अभी जो सड़क बनी है, उसकी चौड़ाई तीन मीटर है। नई सड़क पांच मीटर चौडी बनेगी। इसे एफडीआर तकनीक से

टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया हो चुकी पूरी बताया सड़क निर्माण के लिए टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने जल्द से जल्द सडक का निर्माण कार्य पुरा कराने की बात कही है। कहा कि सड़क गुणवत्ता परक तरीके से बनवाई जाएगी।

इसके बाद पांच वर्ष तक इस सडक के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी ठेकेदार की रहेगी। कहीं पर सड़क उखड़ती है, तो तत्काल मरम्मत

इन गांवों को जोड़ती है यह सड़क

विधायक तेजपाल नागर ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के दादरी, बिसहड़ा, प्यावली, रसूलपुर, एनटीपीसी, ऊंचा गांव मोड़, ऊंचा गांव. खंगीला और जारचा को यह सडक जोडेगी। इन गांवों की करीब 50 हजार के आसपास आबादी का इसी सडक से आना-

मनुष्य में अनमोल गुणों का मंडार-हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं

माननीय सर जी मैं एडवोकेट किशन भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से . .सर जी यह आर्टिकल मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार है,हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं।चुप रहना और माफ करना दो अनमोल हीरे हैं ।चूप रहने से बड़ा कोई जवाब नहीं और माफ कर देने से बड़ी कोई सजा नहीं।मानवीय जीव में जन्म से ही भरपूर कौशल ताएं समाई हुई है।बस!पहचानकर निखारने की जरूरत है। चुप रहना और माफ करना दो अनमोल हीरे – चुप रहने से बड़ा कोई जवाब नहीं, माफ कर देने से बड़ी कोई सजा नहीं! मानवीय जीव में जन्म से ही भरपूर कौशलताएं समाई हुई है बस पहचान कर निखारने की

– एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट

ज़रूरत

गोंदिया - मानवीय जीव इस सुष्टि में अनमोल हीरा है।मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार समाया हुआ है, परंत हम अपने आप की शक्ति को पहचानने की कोशिश नहीं करते बल्कि हमेशा दूसरों की ताकझांक करते रहते हैं। हर क्षेत्र में दूसरों से प्रतियोगिता करने पर उतारू हो जाते हैं,कुछ नया करने की नहीं सोचते।अपनी बुद्धि का सकारात्मक उपयोग लेने पर अगर हम उतारू हो गए !तो हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं क्योंकि इतनीं बुद्धि कौशलता हर एक भारतीय में समाई हुई है। बस !जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की परंतु हम अपने ही बढ़ बोलेपन से घिरे रहते हैं; दुसरों की टांग खींचने में हमको मजा आता है। किसी भी नकारात्मक विस्तार वादी बात को समाधान कर समाप्त करना जैसे हमने सीखे ही नहीं ? जबकि भारत माता की मिट्टी में ही मानवीय गुणों की खान समाई हुई है जिसे हमें चुनकर अपनाना है। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से गुणों की खान के दो हीरे चुप रहना और माफ करना पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मानवीय अनमोल गुण चुप रहने की करें तो, बड़े बुजुर्गों की इस पर दो कहावतें हैं (1) बोलत बोलत बड़े बिखात, पहली कहावत का भावार्थ है, अति बोलने से ही बातें बिगड़ती है झगड़े दंगे फसाद मारपीट हत्याएं तक हो जाती है इसलिए चुप भली, (2) अति का



भला ना बोलना अति की भली न चूप, अति का भला न बरसना अति की भली न धूप, याने दुसरी कहावत का भावार्थ अति चुप रहने को भी नकारा गया है याने अन्याय के खिलाफ चप रहना हानिकारक है। परंतु हमें इसका निर्णय अपने समाज और राष्ट्र के फायदे को देखकर ही लेना है परंतु मेरा मानना है चुप रहने से कई फायदे हैं और सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है। बोलने से पहले हमें याद रखना होगा के (1) बिना तथ्य के ना बोले (2) शब्दों से ठेस ना पहुंचे (3) पवित्र वस्तुओं सेवाओं का अपमान ना करें (4) क्रोध में चुप रहे (5) मुद्दे से संबंध ना होने पर चुप रहें (6) शब्दों से किसी को ठेस ना पहुंचे (7) चिल्लाने से चुप भली(8) अपमान से ना बोलें (१) जरूरत पड़ने पर सकारात्मक बोलें (10) निंदा से बचें।

साथियों बात अगर हम चुप रहकर भी अपनी दिमागी ताकत से जवाब देने की करें तो, चूप रहना और कुछ समय तक खुद को स्थिर रखना हमको एक अच्छा श्रोता और समीक्षक बनाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब हम चुप रहते हैं तो हम बोलने की बजाय अधिक से अधिक सुनते हैं और उसका विश्लेषण कर पाते हैं। इससे हम पूरे तर्क और वितर्कों को जानने के बाद सही फैसला ले पाते हैं। हम सभी पक्षों को सुनते, समझते और डिसिजन ले पाते हैं। चुप रहना हमारे दिमाग को शांत करता है और हमको लॉजिकल समीक्षक बनाता है हमारे चुप रहने से अनेक बार सामने

वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है।

साथियों हमारे शरीर का सबसे जटिल हिस्सा दिमाग होता है। ये पूरे शरीर को चलाता है और ये हमारे सभी इमोशंस को कंट्रोल करता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने दिमाग को भी व्यायाम करवाएं।जिस तरह शरीर को मजबूत बनाने के लिए शारीरिक व्यायाम जरूरी है, उसी तरह दिमाग को मजबूत बनाने के लिए उनकी ताकत बढ़ाना जरूरी है। मौन रहना दिमाग के लिए एक व्यायाम जैसा ही है और इससे दिमाग की मांसपेशियां तंदरुस्त रहती हैं।चुप रहने के अपने शारीरिक और मानसिक फायदे भी हैं ? विशेषज्ञ मानते हैं कि चुप रहने से व्यक्ति दिमागदार और उत्पादक बनने की और अग्रसर होता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वाध्याय स्वास्थ्य सधार होने की संभावना बनी रहती है। व्यर्थ का बोलना ऊर्जा को नष्ट करना है, और यह बोलना ही हमें कभी अपने भीतर की ओर लौट ने नहीं देता, क्योंकि यह हमें बाहर की ओर झुकाए रखता है और जिन्हें भीतर की यात्रा करनी है उन्हें अपने मुंह को बंद ही रखना चाहिए। चुप रहने में

साथियों बात अगर हम किसी को माफ करने की करें तो, खुद को दुख पहुँचाने या धोखा देने वाले व्यक्ति को माफ करना सबसे कठिन काम है। हालाँकि, यदि हम किसी के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहते हैं, तो उस के लिए हमको माफ करना सीखना भी जरूरी है या फिर सीधे

तौर पर बीते हुए पलों को भुलाकर, आगे बढ़ने की कोशिश करें। नकारात्मक भावनाओं से निपटना सीखें, हमको दुख पहुँचाने वाले व्यक्ति का सामना करें और अपने जीवन में आगे बढ़ते जाएँ। क्षमा करना पसंद करें, क्योंकि बड़े बुजुर्गों की कहावत भीहै क्षमादान महादान, क्षमा करके भी हम सामने वाले को एक यादगार सजा के रूप में दे सकते हैं। क्षमा की भावना लेकर, हमको नकारात्मकता को अपने से दूर करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए एकदम सचेत और सक्रिय निर्णय करने की ज़रूरत है। यह भावना आसानी से नहीं पनपती। खुद के अंदर क्षमा की भावना उत्पन्न करने के लिए हमको ही इस दिशा में कार्य करने की ज़रूरत है।

साथियों लोग अक्सर इस तरह की बातें करते हैं, कि वे उस इंसान को नहीं भुला सकते, जिसने उन के साथ कुछ ग़लत किया है। वे ऐसा मानते हैं, कि अपने अंदर मौजूद दर्द और धोखा मिलने की भावना को भूलना उन के लिए असंभव है। लेकिन लोग इस बात को महसूस करने में नाकाम रह जाते हैं, कि क्षमा करना भले ही हमारी पसंद है, लेकिन अगर हम उस व्यक्ति को क्षमा करने का निर्णय लेते हैं, जिसने हमको कष्ट दिया हैं, तो यदि इस निर्णय से किसी को लाभ होता है, तो वो सिर्फ़ हम हैं और सामने वाले को हमेशा के लिए उस माफी के रूप में एक सजा और हमारा बड़प्पन। जीवन में माफी मांगने की कला बहुत लोगों को बहुत अच्छे से आती है तो वहीं कुछ लोगों को माफी मांगना उतना ही कठिन लगता है. दरअसल माफी मांगना या फिर किसी को क्षमा करना उतना भी सीधी-सादी बात नहीं है, लेकिन ऐसा करने के बाद व्यक्ति बड़ा सुकून मिलता है. हमारे यहां क्षमा को वीरों का आभूषण कहा गया है. जिससे व्यक्ति के जीवन में अहंकार दूर होता है और वह स्वस्थ मन से जीवन जीता है इसलिए भूल करना मनुष्य का स्वभाव है लेकिन क्षमा करना देवताओं का गुण है।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार है। हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं।उनमें चुप रहना और माफ करना दो अनमोल हीरे हैं। चुप रहने से बड़ा कोई जवाब नहीं और माफ कर देने से बड़ी कोई सजा नहीं। मानवीय जीव में जन्म से ही भरपूर कौशलताएं समाई हुई है बस पहचान कर निखारनें की

१४०० करोड़ होंगे खर्च, शहर में विकास पकड़ेगा रफ्तार; पढ़िए पुरी रिपोर्ट



गुरुग्राम नगर निगम ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए अपना बजट तैयार कर लिया है। 1400 करोड़ रुपये खर्च करने और 1500 करोड़ रुपये की आय का लक्ष्य रखा गया है। निगम ने आय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है खासकर संपत्ति कर की वसूली पर। बजट को अंतिम स्वीकृति के लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भेजा गया है।

गुरुग्राम। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए गुरुग्राम नगर निगम ने अपना बजट तैयार कर लिया है। 1400 करोड़ रुपये खर्च करने और 1500 करोड़ रुपये की आय का लक्ष्य रखा गया है।

निगम अधिकारियों ने आयुक्त के साथ बैठक कर स्थानीय स्तर पर बजट को मंजूरी दे दी है और अब इसकी अंतिम स्वीकृति के लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भेजा जाएगा। सरकार से मंजूरी के बाद इसे बजट से संबंधित कार्य शुरू किए जाएंगे।

बता दें कि नगर निगम प्रत्येक वर्ष फरवरी में अपनी आय और व्यय का लेखा-जोखा तैयार करता है। इसमें किन-किन विकास कार्यों या मद में कितने पैसे खर्च होंगे और किन माध्यम से निगम को आय होगी. इसका ब्यौरा तैयार किया जाता है। पिछले पांच वर्षों की बात करें तो गरुग्राम निगम का बजट गडबडाया हुआ

हालांकि, इस बार भी बजट में निगम ने आय पर ज्यादा फोकस किया है। लेकिन निर्धारित लक्ष्य कितना पूरा होगा, इसकी स्थिति तो छह महीने बाद ही स्पष्ट हो पाएगी।

1550 का लक्ष्य, 940 करोड पर सिमटी आय

वर्ष 2024-25 में निगम ने 1550 करोड़ रुपये की आय का लक्ष्य निर्धारित किया था और आय सिर्फ 940 करोड़ पर सिमट गई। इसके अलावा 1495 करोड़ रुपये खर्च करने थे, लेकिन निगम ने विभिन्न विकास कार्यों आदि पर कुल खर्च 1020 करोड़ रुपये ही हुआ।

आमदनी कम और खर्च का बोझ ज्यादा

वर्ष 2019 की बात करें तो निगम के खातों में लगभग 1100 करोड़ रुपये जमा थे, जोकि अब घटकर 300 करोड़ पर पहुंच गए हैं। इसका बड़ा कारण यह है कि निगम की आय घटने के कारण जमा पूंजी खत्म हो रही है। इसके साथ ही सड़क, फ्लाईओवर, अंडरपास, मेडिकल कालेज, बिल्डिंग और पार्किंग निर्माण जैसे प्रोजेक्ट में भी करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं, लेकिन विभन्न स्त्रोतों से आय कम हो गई है।

रोल्स रॉयस घोस्ट का नया मॉडल भारत में लॉन्च, कीमत इतनी की खरीद लेंगे लग्जरी घर

रोल्स रॉयस घोस्ट सीरीज ॥ लॉन्च लग्जरी ऑटोमेकर रोल्स रॉयस ने भारत में अपनी नई कार को लॉन्च किया है। कंपनी ने Rolls Royce Ghost Series II के तीन मॉडल को भारत में उतारा है। Ghost Series II को बाहर से लेकर अंदर तक नया रूप दिया गया है। Rolls Royce Ghost Series II को 8.95 करोड़ से लेकर 10.52 करोड़ रुपये की एक्स–शोरूम कीमत में लॉन्च किया है।

नईदिल्ली। दुनिया की सबसे लग्जरी कार बनाने वाली रोल्स रॉयस ने भारत में Rolls Royce Ghost Series II के लाइनअप को भारत में लॉन्च कर दिया है। ऑटोमेकर ने इसके स्टैंडर्ड घोस्ट सीरीज∏, एक्सटेंडेड घोस्ट सीरीज Ⅱ और ब्लैक बैज घोस्ट सीरीज Ⅱ को भारत में लॉन्च किया है। तीनों मॉडल ही कई बेहतरीन फीचर्स से साथ आती है। आइए जानते हैं कि Rolls Royce Ghost Series II को किस कीमत पर भारत में लॉन्च किया गया है और यह किन प्रीमियम फीचर्स से लैस है।

Rolls Royce Ghost के सीरीज II को भारत में लॉन्च कर दिया है। इसके तहत कंपनी ने तीन मॉडल को भारत में उतारा है, जो

Standard Ghost Series II, Extended Ghost Series II और Black Beige Ghost Series II है। इन वेरिएंट को रोल्स रॉयस के चेन्नई और दिल्ली शोरूम से खरीदा जा सकता है।







ईवी विशेष

Standard Ghost Series II: 8.95 करोड रुपये (एक्स-शोरूम)

Extended Ghost Series II: 10.19 करोड रुपये (एक्स-शोरूम)

Black Beige Ghost Series II: 10.52 करोड रुपये (एक्स-शोरूम) Rolls Royce Ghost

क्या मिला नया

नई Ghost Series II में को नया रूप दिया गया है। इसमें आगे की तरफ नए डिजाइन की गई हेडलाइटस और अपडेटेड LED DRLs दिए गए हैं। इसके फ्रंट बम्पर को पहले से अट्रैक्टिव

बनाने के लिए ट्वीक किया गया है। इसमें पहले की तरह ही सिग्नेचर रोल्स-रॉयस क्रोम ग्रिल और फ्रंट हुड पर 'स्पिरिट ऑफ़ एक्स्टसी' को दिया गया है। इसे साइड और पीछे से देखने पर पहले की तरह ही लगती है, लेकिन LED टेल लाइट में नए एलिमेंट को शामिल किया गया है। Rolls Royce Ghost Series II में 22-इंच के 9-स्पोक एलॉय व्हील्स दिए गए हैं।

केबिन और फीचर्स Rolls Royce Ghost Series II के केबिन को पिछले मॉडल के समान ही रखा गया है। केवल इसके डैशबोर्ड में हल्के बदलाव किए

गए हैं। इसमें अब पूरी तरह से डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले दिया गया है और इंफोटेनमेंट सिस्टम में नए कनेक्टिविटी फीचर को शामिल किया गया है। इसके ब्लैक बैज वर्शन में अलग टैन और ब्लैक इंटीरियर थीम दी गई है।

V 12 इंजन से लैस

Rolls Royce Ghost Series II में ट्विन-टर्बोचार्ज्ड V12 इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो इसके सभी पहियों को पावर देता है। इसके ब्लैक बैज वर्जन में भी इसी इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो बाकी वर्जन से ज्यादा बेहतर ट्युनिंग देता है।

रॉयल एनफील्ड की लिमिटेड एडिशन वाली चमचमाती बाइक लॉन्च, सिर्फ 25 लोग ही बना पाएंगे माहौल





परिवहन विशेष न्यूज

रॉयल एनफील्ड लिमिटेड संस्करण रॉयल एनफील्ड ने Shotgun 650 के लिमिटेड एडिशन को भारत में लॉन्च किया है। Royal Enfield **Limited Edition** Shotgun 650 को रॉयल एनफील्ड और ICON ने मिलकर डिजाइन किया है। भारत में इसकी केवल 25 बाइक ही उपलब्ध रहने वाली है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 4.25 लाख रुपये है। इसे खरीदने पर आपको स्लैबटाउन इंटरसेप्ट RE जैकेट भी साथ दी जाएगी।

नई दिल्ली।Royal Enfield ने भारत में अपनी लिमिटेड वाली मोटरसाइकिल को लॉन्च कर दिया है। इस मोटरसाइकिल का नाम Royal **Enfield Limited Edition** Shotgun 650 है। इसे भारत में लॉन्च करने के साथ ही अपने 650cc पोर्टफोलियो को भी बढाया है। कंपनी ने इसे ICON मोटरस्पोर्ट्स के साथ मिलकर लिमिटेड एडिशन शॉटगन 650 को लॉन्च किया है। आइए जानते हैं कि Royal Enfield Limited Edition

Shotgun 650 को किन खास फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया

डिजाइन

इसे Royal Enfield और ICON ने मिलकर बनाया है। इसमें एक्सक्लुसिव ग्राफिक्स के साथ इसका ओरिजिनल डिजाइन को पहले की तरह बरकरार रखा गया है। बाइक में तीन कलर वाले ग्राफिक्स, लाल रंग की सीट, बार-एंड मिरर और नीले रंग के रियर शॉक एब्जॉर्बर को शामिल किया गया है। इसके रिम को गोल्डेन कलर से डिजाइन किया गया है। कंपनी इसे खरीदने वालों को स्लैबटाउन इंटरसेप्ट आरई जैकेट भी देगा, जिसे इस बाइक के लिए डिजाइन किया गया है।

Royal Enfield Limited Edition Shotgun 650 में 648 cc एयर और ऑयल-कूल्ड, SOHC, 4-स्ट्रोक, पैरेलल-ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसका इंजन 46 PS की पावर और 52 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोडा गया

ब्रेक और सस्पेंशन

Royal Enfield Limited Edition Shotgun 650 के अंडरपिनिंग में किसी तरह का कोई

बदलाव नहीं किया गया है। इसमें शोवा सेपरेट फंक्शन, 120mm ट्रैवल के साथ बड़ा पिस्टन इनवर्टेड फोर्क और रियर में 90mm ट्रैवल के साथ शोवा ट्विन शॉक एब्जॉर्बर को शामिल किया गया है। इसमें ब्रेकिंग के लिए फ्रंट में 320mm ट्विन-पिस्टन फ्लोटिंग डिस्क और रियर में 300mm ट्वन-पिस्टन डिस्क दी गई है। इसमें डुअल-चैनल ABS स्टैण्डर्ड दिया गया है। बाइक में 18-इंच फ्रंट और 17-इंच रियर अलॉय व्हील दिए गए हैं। फीचर्स

Royal Enfield Limited Edition Shotgun 650 में सेमी-डिजिटल इंस्ट्रमेंट क्लस्टर और ट्रिपर नेविगेशन पॉड के साथ ऑल-एलईडी लाइटिंग सेटअप दिया गया है। मोटरसाइकिल में युएसबी चार्जिंग पोर्ट, रिमूवेबल पिलियन सीट और मैट ब्लैक ट्विन पी-शूटर एग्जॉस्ट दिया गया

कीमत

Royal Enfield Limited Edition Shotgun 650 को ग्लोबल लेवल पर केवल 100 मोटरसाइकिल ही लॉन्च की गई है। इसमें से भारत में केवल 25 बाइक ही उपलब्ध रहने वाली है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 4.25 लाख रुपये रखी गई है।

विनफ़ास्ट भारत में लॉन्च करेगी टाटा नैनो से भी छोटी कार, ई.वी सेगमेंट में मचाएगी धमाल

परिवहन विशेष न्यूज

नर्ड दिल्ली।जनवरी 2025 में हुए भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में वियतनाम की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी VinFast ने अपनी कई गाड़ियों को शोकेश किया। इसके साथ ही कंपनी ने VinFast VF 6 और VinFast VF 7 को पेश भी किया, जिसे वह साल 2025 के फेस्टिव सीजन में भारत में लॉन्च भी कर सकती है। वहीं, कंपनी की तरफ से पुष्टि की गई है कि वह साल 2026 में अपनी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार VinFast VF 3 को भारत में लॉन्च करेगी। यह देखने में टाटा नैनो से भी छोटी लगती है, लेकिन इसमें चार लोग आराम से बैठकर सफर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि VinFast VF 3 के ग्लोबल-स्पेक में क्या-

मारुति ग्रैंड विटारा बनाम टोयोटा हैदराबाद भारतीय बाजार में चार

मीटर से लंबी एसयूवी सेगमेंट में

कई बेहतरीन विकल्पों को ऑफर

किया जाता है। लेकिन इस सेगमेंट

में मारुति की ग्रैंड विटारा का सीधा

हाइराइडर के साथ होता है। दोनों

एसयूवी के बीच इंजन फीचर्स और

खरीदकर घर लाना समझदारी हो सकती है।

नर्ड दिल्ली। भारत में किसी भी सेगमेंट के

मुकाबले एसयुवी सेगमेंट के वाहनों को सबसे ज्यादा

पसंद किया जाता है। एसयवी के चार मीटर से बड़े

सेगमेंट में कई वाहनों को लाया जाता है। इनमें

Maruti Grand Vitara और Toyota

Urban Cruiser Hyryder के बीच कड़ा मकाबला होता है। इंजन, फीचर्स और कीमत के

मामले में दोनों में से किस एसयवी को खरीदा जा

सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Hyryder Features

फीचर्स मिलते हैं।

Maruti Grand Vitara Vs Toyora

मारुति की ओर से ग्रैंड विटारा में कई बेहतरीन

फॉलो मी हैडलैंप, शॉर्क फिन एंटीना, एंबिएंट लाइट,

वेंट,आर्किमिस साउंड सिस्टम, सुजुकी कनेक्ट जैसे

वहीं टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर में प्रोजेक्टर

फीचर्स को दिया जाता है। इसमें एलईडी लाइटस.

पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटिड सीट, हेड-अप

डिस्प्ले, वायरलैस चार्जर, पैडल शिफ्टर, क्रूज

कंट्रोल, पुश बटन स्टार्ट/स्टॉप, रियर एसी

एलईडी लाइट्स, एलईडी डीआरएल, ऑटो

मकाबला टोयोटा अर्बन क्रजर

कीमत के मामले में किसे

आइए जानते हैं।

क्या फीचर्स दिए जाते हैं। एक्सटीरियर

VinFast VF 3 को बॉक्सी डिजाइन दिया गया है और दोनों तरफ दो दरवाजे दिए गए हैं, जो MG कॉमेट EV के तकह है। इसमें हैलोजन हेडलाइट्स के साथ एक ब्लैक क्लोज्ड-ऑफ ग्रिल और क्रोम बार दिया गया है। इसमें ऑल-ब्लैक फ्रंट और रियर बम्पर दिया गया है, जो बॉडी क्लैडिंग के साथ दिया गया है। इसके आगे और पीछे की तरफ ब्लैक-आउट सेक्शन दिया गया है, जिसमें हैलोजन टेल लाइट्स के साथ क्रोम बार दिया गया है।

इंटीरियर

इंजन, फीचर्स और कीमत के मामले में

कौन सी एसयूवी को लाएं घर, पढ़ें पूरी खबर

VinFast VF 3 के केबिन में आपको चंकी दिखने वाला 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और एक 10-इंच फ्लोटिंग टचस्क्रीन दिया जाता है। इसमें दिया गया फ्लोटिंग टचस्क्रीन डाइवर के डिस्प्ले के रूप में भी काम करता है। इसके ग्लोबल-स्पेक मॉडल में ऑल-ब्लैक केबिन थीम और 4 सीटें ऑफर की जाती है। इसके पीछे वाली सीटों पर बैठने के लिए आगे की सीट को मोड़कर जाया जा सकता है। इसमें मैनुअल एसी और फ्रंट पावर विंडो भी दिया जाता है। VF 3 में पैसेंजर की सेफ्टी के लिए कई एयरबैग, EBD के साथ ABS और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स

बैटरी पैक और रेंज

ऑफर किए जाते हैं।

ग्लोबल-स्पेक VinFast VF 3 में सिंगल बैटरी पैक 18.64 kWh के साथ पेश किया जाता है। इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर दिया गया है,

जो 41 PS की पावर और 110 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें दी गई बैटरी चार्ज होने के बाद 215 km तक का ड्राइविंग रेंज देती है। इसकी बैटरी महज 36 मिनट में 10-70 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है।

एक्सपेक्टेड कीमत

VinFast VF 3 के भारत-स्पेक की कीमतों का अभी तक कंपनी की तरफ से खलासा नहीं किया गया है, लेकिन यह जिन फीचर्स और स्विधाओं के साथ आती है उसे देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि इसकी कीमत 7 लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला MG Comet, Tata Tiago EV, Citroen eC3 और Tata Tigor EV से देखने के लिए मिलेगा।

जनवरी में नंबर-१ पोजिशन पर आई वैगन आर, टॉप-५ में मारुति, हुंडई और टाटा की कारें शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

जनवरी में शीर्ष 5 कारों की बिक्री2025 पद पदकपं भारतीय बाजार में हर महीने लाखों की संख्या में कारों की बिक्री की जाती है। मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक जनवरी 2025 के दौरान Top 5 कारों में कौन सी कारें शामिल हुई हैं। किस कंपनी की कौन सी गाड़ी की कितनी युनिट्स की बिक्री बीते महीने में हुई है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली।भारत में रोजाना बड़ी संख्या में कारों की बिक्री की जाती है। Maruti, Tata, Mahindra, Hyundai, Kia सहित कई वाहन निर्माताओं की ओर से बेहतरीन फीचर्स और तकनीक के साथ इनको ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक January 2025 के दौरान कौन सी कारों ने Top-5 लिस्ट में जगह बनाई है। किसकी कितनी यूनिट्स की बिक्री हुई है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Top-5 कारों की कितनी हुई बिक्री

जनवरी 2025 में लाखों यूनिट्स कार और एसयूवी की बिक्री देशभर में हुई है। लेकिन जिन पांच कारों को सबसे ज्यादा पसंद किया गया है. उनकी करीब 95-96 हजार यूनिट्स की बिक्री हुई है।

सबसे ज्यादा किस गाड़ी को किया गया पसंद

रिपोटर्स के मताबिक बीते महीने के दौरान जिस गाडी को सबसे ज्यादा पसंद किया गया वह Maruti Wagon R है। बीते महीने इस गाड़ी की 24078 यनिटस की बिक्री हुई है, जबकि जनवरी 2024 के दौरान यह संख्या 17756 युनिट्स की थी। मारुति की ओर से ऑफर की जाने वाली हैचबैक कार वैगन आर को लंबे समय से ऑफर किया जाता है और यह गाडी लगातार भारतीयों की पसंदीदा गाड़ी बनी हुई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक Top-5 लिस्ट में दूसरे नंबर पर Maruti Baleno रही। इस प्रीमियम हैचबैक की बीते महीने 19965 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि जनवरी 2024 के दौरान इसकी 19630 युनिट्स की

और फीचर्स भी किए गए ऑफर

एमजी एस्टर एसयुवी के फ्रंट में वेंटिलेटिड

सीटस, वायरलैस चार्जर, वायरलेस एंडाइड

ऑटो, एपल कार प्ले, ऑटो डिमिंग ओआरवीएम

जैसे फीचर्स को भी एसयुवी में ऑफर किया जाता

है। इसके अलावा एसयूवी में Level 2 ADAS

जैसे सेफ्टी फीचर को भी दिया जाता है। एसयुवी में सेफ्टी के लिए 50 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स को भी

दसरे नंबर पर रही यह गाडी

बिक्री हुई थी।

तीसरे पायदान पर रही Hyundai Creta भारतीय बाजार में हुंडई की ओर से मिड साइज एसयुवी सेगमेंट में क्रेटा को लाया जाता है। लॉन्च के बाद से ही इस गाड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। जनवरी 2025 में भी इस गाड़ी को टॉप-5 में जगह मिली है। बीते महीने इसकी 18522 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि जनवरी 2023 के दौरान इसकी 13212 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

January 2025 में रही

अगले नंबर पर रही Maruti Swift मारुति की ओर से हैचबैक सेगमेंट में स्विफ्ट को भी ऑफर किया जाता है। कंपनी की

इस गाडी की बीते महीने के दौरान 17081 यनिटस की बिक्री हुई है। जबकि जनवरी 2024 के दौरान इसकी 15370 यूनिट्स को खरीदा गया था।

Top-5 में शामिल हुई Tata

टाटा की ओर से एंट्री लेवल एसयूवी सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Tata Punch को भी Top-5 कारों की लिस्ट में जगह मिली है। इसकी बीते महीने के दौरान 16231 यूनिट्स की बिक्री हुई है, जबकि जनवरी 2024 के दौरान इस गाड़ी को 17978 लोगों ने खरीदा था।

अब होगी क्रेते, विटारा को टेंशन, एमजी ने बेहतरीन फीचर्स के साथ लॉन् च की सीट्स के साथ इसे अपडेट किया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नर्इ दिल्ली।भारतीय बाजार में ब्रिटिश वाहन निर्माता JSW MG मोटर्स की ओर से कई कारों और एसयवी को बेहतरीन फीचर्स और तकनीक के साथ लाया जाता है। कंपनी की ओर से ऑफर की जाने वाली MG Astor एसयूवी को ऐसे फीचर के साथ लाया गया है, जिसे भारत में काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। यह फीचर कौन सा है और इससे किन एसयूवी को कड़ी चुनौती मिल सकती है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

MG Astor को मिले नए फीचर्स एमजी की ओर से ऑफर की जाने वाली एस्टर को बेहतरीन फीचर्स के साथ लाया गया है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी को पैनोरिमक सनरूफ के

साथ पेश किया गया है। इसके साथ ही एसयुवी के

ऑडियो सिस्टम को बेहतर करते हुए छह स्पीकर

दिए गए हैं। साथ ही छह एयरबैग और लेदरेट

दिया जाता है। कितने हैं वेरिएंट

एमजी एस्टर को भारत में पांच वेरिएंट में लाया जाता है। जिनमें Sprint, Shine, Select, Sharp Pro and Savvy Pro जैसे वेरिएंट

> कितनी है कीमत कंपनी की ओर से एसयूवी को 9.99 लाख



रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जाता है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 17.55 लाख रुपये तक है। खास बात यह है कि एसयूवी को पैनोरिमक सनरूफ के साथ 12.5 लाख रुपये में ऑफर किया जा रहा है। इस कीमत पर इस सेगमेंट की अन्य एसयुवी में इस फीचर को नहीं दिया जाता।

किनसे है मुकाबला

JSW MG Astor को भारतीय बाजार में मिड साइज एसयूवी सेगमेंट में लाया जाता है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला Hyundai Creta, Maruti Grand Vitara, Toyota Urban Cruiser Hyryder जैसी एसयूवी के साथ होता है।

हेडलाइट, एलईडी टेल लैंप, हाई माउंट स्टॉप लैंप, रूफ रेल, रियर विंडो वाइपर और वॉशर, शॉर्क फिन एंटीना, ड्यूल टोन इंटीरियर, एंबिएंट लाइट्स, नौ इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, एपल कार प्ले, एंड्राइड ऑटो, आर्किमिस ऑडियो सिस्टम, सात इंच इंस्ट्रमेंट क्लस्टर, हेड-अप डिस्प्ले, क्रूज कंट्रोल, पैंनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जर, ऑटो एसी, रियर एसी

Maruti Grand Vitara Vs Toyota

वेंट्स, फ्रंट वेंटिलेटिड सीट्स, पीएम 2.5 फिल्टर,

की-लैस एंट्री जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

Hyryder Safety Features मारुति ग्रैंड विटारा में सुरक्षा का भी काफी ध्यान रखा गया है। इसमें फ्रंट और कर्टेन एयरबैग, 360 डिग्री व्यू कैमरा, रिवर्स पार्किंग कैमरा, रियर पार्किंग सेंसर, टीपीएमएस, हिल होल्ड असिस्ट, इंजन इमोबिलाइजर जैसे कई फीचर्स मिलते हैं।

वहीं टोयोटा अर्बन क्रजर हाइराइडर में डयल फ्रंट एयरबैग, फ्रंट साइड और कर्टेन एयरबैग, 360 डिग्री



कैमरा, सीट बेल्ट प्री-टेंशनर, रिवर्स पार्किंग कैमरा, सीट बेल्ट रिमाइंडर, एबीएस, ईबीडी, वीएससी, हिल होल्ड कंट्रोल, टीपीएमएस, इमोबिलाइजर, पार्किंग सेंसर, चारों पहियों में डिस्क ब्रेक जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

Maruti Grand Vitara Vs Toyota

Hyryder Engine

मारुति ग्रैंड विटारा एसयूवी में कंपनी की ओर से पेट्रोल, सीएनजी और हाइब्रिंड तकनीक के विकल्प के साथ इंजन को दिया जाता है। इसमें 1.5 लीटर की क्षमता का नेचरल एस्पिरेटिड इंजन दिया जाता है। जिससे इसे 92.45 पीएस से लेकर 103.06 पीएस की पावर और 122 से 136.08 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसमें मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसिमशन के साथ लाया जाता है और इसे एक लीटर में 19.38 किलोमीटर से 27.97 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।

वहीं टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर में भी 1.5 लीटर की क्षमता का इंजन दिया गया है। जिससे इसे 92.45 पीएस की पावर और 122 से 136 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसे भी मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसिमशन के साथ लाया जाता है। कंपनी के मुताबिक इसे 19.39 किलोमीटर से लेकर करीब 28 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।

Maruti Grand Vitara Vs Toyota **Hyryder Dimension** मारुति ग्रैंड विटारा की लंबाई 4345 एमएम है।

इसकी चौड़ाई 1795 एमएम, ऊंचाई 1645 एमएम और व्हीलबेस 2600 एमएम है। वहीं टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर की लंबाई 4365 एमएम है। इसकी चौड़ाई 1795 एमएम,

Maruti Grand Vitara Vs Toyota Hyryder Price

ऊंचाई 1645 एमएम और व्हीलबेस 2600 एमएम

मारुति की ओर से ग्रैंड विटारा की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 11.19 लाख रुपये है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 19.99 लाख रुपये है।

वहीं Toyota Urban Cruiser Hyryder की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 11.14 लाख रुपये है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 19.99 लाख रुपये है।



विजय गर्ग

इस समय देश - विदेश की अनेक घटनाएं सुर्खियों में हैं, क्योंकि नए साल में नई उम्मीदों के साथ घटनाओं का विश्लेषण आम रहा है। मगर इसके इतर एक गहन विषय पर चिंतन किया जान चाहिए कि बच्चों और युवाओं के भीतर इन घटनाओं, क्रियाकलापों, राजनीतिक और आर्थिक घटनाचक्र आदि में दिलचस्पी अत्यंत कम क्यों है। बच्चे और युवा टीवी या मोबाइल पर इन घटनाओं का विश्लेषण न कर नकारात्मक मनोरंजन के साधनों में समय बिता रहे हैं। युवाओं को देश के सकल घरेलू उत्पाद की, संगीत, साहित्य और कला

के फनकारों की, राजनीति के नेपथ्य में गूंजते स्वरों की प्रारंभिक जानकारी भी नहीं है। यवा वर्ग को अभिनेताओं- अभिनेत्रियों के पुनर्विवाह, व्यापारी परिवार के विवाह उत्सव, टीवी के गेम शो या 'चैलेंज' क्रिकेटर के तलाक आदि की तो जानकारी मिल जाती है, लेकिन उन्हें ओलंपिक खेलों, इजराइल - हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन संकट, बजट के आधारभूत तत्त्वों, रेल दुर्घटनाओं और पनपते पर्यावरण संकट की सतही जानकारी भी नहीं होती है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है।

www.newsparivahan.com

अगर बुद्धिमता के विकास की दृष्टि से देखा जाए, तो यह आने वाले कुछ वर्षों में एक संकट बनने वाला है, क्योंकि दस वर्ष बाद ये बारह से बीस वर्षीय युवा और ज्यादा बड़े होंगे और जब इन्हें कुछ जानकारी नहीं होगी, तो ये अगली पीढ़ियों को क्या सिखा सकेंगे !ऐसी बात करने पर कई बार इनके बीच के कुछ युवाओं का तर्क होता है कि जो बात अधेड़ और बूढ़े व्यक्ति अखबारों, पत्रिकाओं में पढ़ते हैं, वे उन्हें मोबाइल पर उपलब्ध है। बात सही

है। यह देखा गया है कि बच्चे नियमित रूप से

है, लेकिन उन्हें 'खद से ये पछना चाहिए कि वे उस मोबाइल में रक्षा, शिक्षा, अर्थ नीति को पढते हैं या चमक-दमक वाली सतही मनोरंजन वाली खबरों या संभावनाओं का अध्ययन करते हैं।

विडंबना यह कि कई अभिभावकों को भी लगता है कि जीवन का सुख और आनंद, हास्य विनोद, मनोरंजन, रील बनाने और मनमर्जी से खान- पान में निहित है। इस भोगवादी रवैये के चलते यवाओं में ज्ञान और जीवन मूल्यों का विकास रुक-सा गया है। हालांकि सिर्फ युवाओं को दोष देना अनुचित है, क्योंकि घरों में अखबार, पत्र-पत्रिकाएं, पुस्तकें उपलब्ध ही नहीं हैं। पुस्तक, अखबार या पत्रिका हो तो बच्चा कम से कम फोटो देखेगा और उसके भीतर कुछ प्रश्न उभरेंगे। अब तो यह भी नहीं है। ज्यादातर माता - पिता खुद कुछ पढ़ ही नहीं रहे तो वे क्या और किसकी चर्चा करेंगे? माता-पिता को जरूरी पत्रिकाओं और अखबारों के नाम तक से उदासीन होते हैं तो इसमें युवाओं का क्या दोष? माता-पिता द्वारा स्वाध्याय कर अपने बच्चों का ज्ञान बढाने से ही

वयस्कों में भी विकसित हो सकते हैं। फोबिया

ज्ञान का मान

इस समस्या का समाधान संभव हो सकेगा । इसके लिए मोबाइल को छोड़कर स्वाध्याय की तरफ

बच्चों या युवाओं में स्वाध्याय करके कुछ बनने या अपने जीवन को संवारने का भाव तब आता है, जब उन्हें लगे कि उनका जीवन एक संग्राम है और वे अपने जीवन के स्वयं निर्माता हैं। मगर लगता है, आज युवाओं में यह बोध ही नहीं है, क्योंकि उनको महसूस होने लगा है कि माता-पिता द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का उपभोग करना ही जीवन है। वे जमकर पढ़ाई नहीं कर रहे हैं। दरअसल, कई माता-पिता ने अपनी संतान के जीवन को इतना ज्यादा सुगम और आनंददायी बना दिया है कि बच्चों में संघर्ष करने, हार को स्वीकार करने और ख़ुद अपने दम पर कुछ कर गुजरने की इच्छा मानो लुप्त सी हो गई है। प्रेम के स्थान पर बेलगाम पुचकार की प्रवृत्ति के कारण संतान हाथ से निकल रही है और यह प्रक्रिया इतनी शांत और तेज है कि अभिभावक इस परिवर्तन को समझ ही नहीं पा रहे । प्रेम शुद्ध

आनुवंशिक कारण होने की संभावना है।

सात्विक भाव है। बच्चों की इच्छाओं को पूरा करना, उन्हें उत्तम शिक्षा देना, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखना, उन्हें भावनात्मक संबल देना प्रेम की संज्ञा में आता है। बच्चों की नाजायज मांग को पूरा करना, उनके गलत शौकों को भी पूरा करना बेवकूफी कहलाता है । अत्यधिक और विवेक से रहित प्यार में पलने वाले और स्वाध्याय से दूर बच्चे जीवन में बहुत जल्दी हार मान लेते हैं। शोध के अनसार इनके अवसादग्रस्त, मनोरोगी होने, आत्मघाती कदम उठाने की प्रवृत्ति अन्य बच्चों की अपेक्षा अधिक होती है।

युवाओं को जानना चाहिए कि भारत रत्न डा एपीजे अब्दुल कलाम जब राष्ट्रपति भवन छोड़ा तो उनके साथ सिर्फ उनके निजी पुस्तकालय की पुस्तकें ही थीं। कोलंबिया विश्वविद्यालय, अमेरिका के पुस्तकालय में सबसे ज्यादा पुस्तकों को पढ़ने वालों की सूची में भारत रत्न डा भीमराव आंबेडकर का नाम दर्ज है। गांधीजी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि जान रस्किन की पुस्तक 'अनटू दिस

लास्ट' ने उनके जीवन को बहुत प्रभावित किया है। पढ़ने से बुद्धि का विकास होता है, विचार पोषित होते हैं और व्यक्ति के जीवन को आधार व संबल मिलता है। यह समझने की जरूरत है कि जब कोई उत्तम मार्ग न सूझे और ऐसा लगे कि अब सब समाप्त ही है तो निराश होने की जरूरत नहीं है। बस पढ़ना शुरू कर देना चाहिए। महापुरुषों की जीवनियां, उनके कृत्य, उद्यमियों के संघर्ष आदि पढ़ने से व्यक्ति अंधकार से प्रकाश की ओर यात्रा प्रारंभ करता है । 'ज्ञान ही शक्ति है ' के सिद्धांत को समझकर यह जानना होगा कि नया सीखना, खुद को अद्यतन करना और समाज को अपने शोध से कुछ देना ही जीवन का उद्देश्य है। मंदिर या देवालय ध्वस्त हो सकते हैं। बड़ी से बड़ी इमारत नष्ट हो सकती है । पैसा समाप्त हो सकता है। जमीन-जायदाद बिक सकती है। इन सबके बीच सिर्फ ज्ञान ही ऐसा है, जिसे न तो खरीदा जा सकता है, न बेचा जा सकता है और न ही यह नष्ट हो सकता है। इसलिए ज्ञानार्जन करना ही साक्षात आराधना है।

परीक्षा फोबिया- कारण और उपचार

विजय गर्ग हम में से हर एक समय-समय पर किसी तरह की चिंता का अनुभव करता है, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी स्थिति होती है जिसे हम धमकी के रूप में देखते हैं, जैसे कि एक मौखिक प्रस्तुति करना, कार के साथ निकट-मिस करना, या ए के परिणामों की प्रतीक्षा करना लैब टेस्ट। एक स्थिति के दौरान मनुष्यों के बीच चिंता वास्तव में आम है जो एक तनावपूर्ण वातावरण पैदा करती है। परीक्षा एक ऐसी घटना हो सकती है जो आमतौर पर परीक्षा भय के रूप में जाना जाता है, बहुत अधिक तनाव और चिंता की ओर जाता है। यह अक्सर छात्रों के बीच देखा गया है कि अचानक कुछ बहुत गलत लगता है; उन्हें लगता है कि वे नियंत्रण खो सकते हैं। आप शारीरिक लक्षणों को महसूस करते हैं जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की नकल करते हैं और कुछ मामलों में, आपको लगता है कि मृत्यु या कयामत आसन्न है। चिंता एक सामान्य मानवीय भावना है जो जीवन का हिस्सा है और अक्सर एड्रेनालाईन के एक अच्छे रूप के रूप में काम कर सकती है। हालांकि, कुछ लोगों में यह एड्रेनालाईन की भीड़ सामान्य सीमा से अधिक हो जाती है और कई बार कुछ नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। हम अक्सर शर्तों की परीक्षा बुखार या परीक्षा फोबिया में आते हैं। वैज्ञानिक रूप से यह चिंता का परिणाम है और इसे अक्सर परीक्षण चिंता के रूप में कहा जाता है। परीक्षण चिंता एक प्रकार

की चिंता है जो परीक्षण से पहले. दौरान या बाद

में एक परीक्षार्थी को प्रभावित कर सकती है।

किसी अन्य के साथ व्यवहार करते हैं और कई

बार अपने प्रदर्शन में बुरी तरह से बाधा डाल

सकते हैं। बहुत सारे लोग सोचते हैं कि परीक्षा

अपर्याप्त तैयारी है जो छात्रों को बुरे परिणामों से

डरने के लिए बीमार बनाता है, जो सच नहीं है।

परीक्षा की चिंता कम-भजाकार होने के साथ-

साथ अति-तैयार होने के कारण भी हो सकती

है। परीक्षण की चिंता को अलग -अलग स्तरों

पर भी अनुभव किया जा सकता है और मामूली

तत्परता प्रदान करके आपकी मदद कर सकता

है, और आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद कर

सकता है। हालांकि, अत्यधिक परीक्षा चिंता के

परिणामस्वरूप तनाव हो सकता है और प्रदर्शन

को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है

और यह भूलने या चक्कर आना भी हो सकता

परीक्षा तनाव से हो सकता है जो सतर्कता,

बुखार का कारण परीक्षण के लिए एक

यह एक मुद्दा है कि कई छात्र एक समय या

कक्षाओं में भाग लेते हैं, होमवर्क पुरा करते हैं, और नियमित रूप से अध्ययन करते हैं। वह सामग्री के बारे में आश्वस्त परीक्षा में पहुंचे, लेकिन चिंता का परीक्षण करने के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं हैं। यदि छात्र परीक्षण चिंता विकसित करते हैं. तो एक प्रकार की प्रदर्शन चिंता, परीक्षण लेना उनके लिए वास्तव में मुश्किल हो जाता है। विफलता का डर, तैयारी की कमी या उच्च दबाव वाली स्थितियों को संभालने में तैयारी और अनुभव की कमी। हर किसी को एक परीक्षण शुरू करने से पहले कुछ चिंतित महसूस करना चाहिए जो जीवन का एक सामान्य हिस्सा है। हालांकि, चिंता एक समस्या बन जाती है जब यह एक छात्र की तार्किक रूप से सोचने या तथ्यों को याद रखने की क्षमता में हस्तक्षेप करना शुरू कर देता है। वास्तविक परीक्षण चिंता के शारीरिक लक्षणों में तनावपूर्ण मांसपेशियां, पसीने से तर हथेलियाँ, एक तेज दिल, और बेहोश या मिचली महसूस होती है। संज्ञानात्मक लक्षणों में सरल चीजें, अतार्किक सोच और मानसिक ब्लॉकों को याद करने में असमर्थता शामिल है। हालांकि, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि यदि कोई छात्र चिंता का सामना करता है जो कुछ शारीरिक असंतुलन का कारण बनता है या उसके प्रदर्शन को बाधित करता है तो किसी को डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। भय एक फोबिया किसी ऐसी चीज का गहन डर है, जो वास्तव में, बहुत कम या कोई वास्तविक खतरा नहीं है। यदि आप किसी भी तरह के फोबिया से पीड़ित हैं, तो आप अक्सर शारीरिक और मानसिक लक्षणों की मेजबानी का अनुभव करेंगे जो आपको पास होने के बाद गंभीर रूप से भयभीत और अविश्वसनीय रूप से सूखा छोड़ सकते हैं। आम फोबिया और भय में बंद स्थान, ऊंचाइयां, राजमार्ग ड्राइविंग, फ्लाइंग कीड़े, सांप और सुइयों में शामिल हैं। हालांकि, हम वस्तुतः कुछ भी के फोबिया विकसित कर सकते हैं। एसिरदर्द, मतली, दस्त, अत्यधिक पसीना सांस की तकलीफ, तेजी से दिल की धड़कन, प्रकाश-प्रधानता और बेहोश महसूस करना सभी हो सकते हैं। Phobias एक आतंक हमले का कारण बन सकता है, जो तीव्र भय या असुविधा की अचानक शुरुआत है जिसमें व्यक्तियों को ऐसा लग सकता है कि वे सांस लेने में असमर्थ हैं या दिल का दौरा पड़ने में असमर्थ हैं। अधिकांश फोबिया बचपन में विकसित होते हैं, लेकिन यह भी संभव है कि ये

में भी अगर आपको पता चलता है कि आपका डर अनुचित है, तो आप इसके बारे में कुछ भी नहीं कर सकते हैं और अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, जब भी आप वास्तव में उस चीज़ से अवगत कराते हैं जिसे आप डरते हैं. तो आतंक स्वचालित और भारी होता है। चिंता के कारण बहुत पहले से चिंता और इसके प्रभाव के बारे में शोध किया गया है, लेकिन फिर भी, शोधकर्ताओं को यह नहीं पता है कि कुछ लोग चिंता विकारों का अनुभव क्यों करते हैं, वे जानते हैं कि विभिन्न कारक शामिल हैं। कई अन्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों की तरह, चिंता विकार जैविक, मनोवैज्ञानिक और अन्य व्यक्तिगत कारकों के संयोजन का परिणाम है। चिंता को अक्सर एक एड्रेनालिन रश के लिए अग्रणी तनावपूर्ण स्थिति से जोड़ा गया है। तनाव या भय चिंता का एकमात्र कारण नहीं है, हालांकि, उत्साह भी चिंता का एक कारण हो सकता है। हम कैसे सोचते हैं और कुछ स्थितियों के लिए प्रतिक्रिया करते हैं, चिंता को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि हम वास्तव में एक घटना को लेने के तरीके से चिंता से काफी हद तक निपट सकते हैं। कुछ लोग कुछ स्थितियों को अधिक खतरनाक मान सकते हैं, क्योंकि वे वास्तव में जैसे हैं, उड़ान या तैराकी का डर है और अधिकांश समय एक फोबिया विकसित करना समाप्त हो जाता है। यह भी स्पष्ट है कि कई बार लोगों को किसी विशेष चीज के साथ एक बुरा अनुभव हो सकता है और उन्हें डर है कि यह फिर से उनके साथ होगा। कुछ मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बचपन के अनुभव भी बहुत हद तक चिंता की दिशा में योगदान कर सकते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि रासायनिक असंतुलन या अन्य शब्दों में मस्तिष्क रसायन विज्ञान के साथ समस्याएं चिंता विकारों के विकास में योगदान कर सकती हैं। कुछ न्यूरोट्रांसमीटर जो मस्तिष्क में संदेश ले जाने वाले रासायनिक दूत हैं, वे चिंता में शामिल हैं और इनमें सेरोटोनिन, नॉरपेनेफ्रिन और गामा-अमीनोब्युट्रिक एसिड (जीएबीए) शामिल हैं। इसलिए मस्तिष्क से रासायनिक संतुलन जो सीधे जुड़ा हुआ है कि हम किसी स्थिति को कैसे समझते हैं कि वह हमारे चिंता के स्तर को नियंत्रित कर सकता है। शोधकर्ताओं ने यह भी दिखाया है कि मस्तिष्क के कुछ क्षेत्रों में गतिविधि में परिवर्तन चिंता में शामिल हैं। कई चिंता विकार परिवारों में चलते हैं और एक

हालांकि समय प्रबंधन में छात्रों की त्रुटियों के बीच, खराब अध्ययन की आदतें, सामग्री को ठीक से व्यवस्थित करने में विफलता और परीक्षा से पहले रात को क्रैमिंग करना भी परीक्षण की चिंता बढाने की संभावना है। यदि एक परीक्षण पर्याप्त रूप से तैयार किया गया है. तो अवक्षेपण चिंता नकारात्मक सोच और चिंताओं के परिणामस्वरूप हो सकती है। भय से अंतर बहुत सारे लोग सोचते हैं कि डर चिंता या फोबिया का एकमात्र कारण है और उन्हें लगता है कि फोबिया केवल एक तरह का डर है। हालांकि, वास्तविकता अलग है और फोबिया भय से अलग है। हालांकि डर फोबिया का एक परिणाम है, फिर भी दोनों समान नहीं हैं। खतरनाक स्थितियों में भय का अनुभव करने के लिए यह सामान्य और यहां तक कि सहायक है। भय चरम स्थितियों के प्रति एक अनुकुली मानवीय प्रतिक्रिया है। यह एक सुरक्षात्मक उद्देश्य का कार्य करता है, जो हमें सावधान करने वाली स्वचालित प्रतिक्रिया को सक्रिय करता है। हमारे शरीर और दिमाग के सतर्क और कार्रवाई के लिए तैयार होने के साथ, हम जल्दी से जवाब देने और डर की स्थिति में ख़ुद को बचाने में सक्षम हैं। हालांकि, फोबिया मेबडर की एक सामान्य स्थिति की तुलना में ई कुछ जटिल है। फ़ोबियास के साथ, खतरा बहुत अतिरंजित है या कोई भी नहीं है। उदाहरण के लिए, हम सभी सामान्य रूप से सड़क दुर्घटनाओं से डरते हैं जो ड्राइविंग करते समय हमें और भी अधिक सतर्क बनाते हैं; हालांकि, बहुत सारे लोग हैं जो एक दुर्घटना के कारण एक सड़क फोबिया विकसित कर सकते हैं और बस सड़क पर फिर से ड्राइव करने में असमर्थ हैं। डर एक ऐसी चीज है जो आपको कई बार असहज महसूस कर सकती है, लेकिन फिर भी, आप एक अतिरिक्त देखभाल के साथ स्थिति के साथ चलते हैं। हालांकि, एक फोबिया एक ऐसी चीज है जो न केवल आपके दिमाग में एक भय पैदा करती है, बल्कि यह डर और चिंता इतनी अधिक है कि आप उस विशेष स्थिति के माध्यम से होने के बारे में भी नहीं सोच सकते। एक सामान्य व्यक्ति जिसे ऊंचाइयों का डर है, वह विमान में या उतारने के समय तनाव या बेचैनी विकसित कर सकता है, जबकि फोबिया कुछ ऐसा है कि यदि आपको ऊंचाइयों या उड़ान का फोबिया है, तो आप एक महत्वपूर्ण घटना या अवसर को याद करने के लिए तैयार हो सकते हैं एक

लेने के बजाय अपने जीवन का। परीक्षा फोबिया का कारण बहुत सारे लोग सोचते हैं कि परीक्षा फोबिया एक परीक्षण या परीक्षा के लिए अंडर-प्रिरैशन का परिणाम है और परीक्षा को भड़काने के डर से छात्रों के लिए तनावपूर्ण स्थिति या फोबिया की स्थिति होती है। हालांकि. अनसंधान विशेषज्ञों ने बस इस सिद्धांत को छोड़ दिया है और इस बिंदु को बहुत स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा भय को एक कम करके, पूरी तरह से तैयार, सामान्य रूप से तैयार किए गए और साथ ही एक अति-तैयार छात्र के बीच देखा जा सकता है। बहुत बार सबसे अधिक चिंतित लोग वे होते हैं जो कम से कम तैयार होते हैं, लेकिन कभी -कभी वे उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले होते हैं जिनके लिए केवल शीर्ष ग्रेड करते हैं और यहां तक कि उज्ज्वल छात्रों को भी अच्छी तरह से तैयार किया जा सकता है जो चिंता का अनुभव कर सकते हैं जो एक परीक्षा का कारण बन सकते हैं फोबिया। परीक्षाएं उनके इरादों और उद्देश्य में भिन्न होती हैं, और यह तथ्य कि वे अक्सर केवल परीक्षा के समय ही प्रकट होते हैं, उन्हें अप्रत्याशित बनाता है। बहुत सारी तैयारी और अपेक्षाएं भी ऐसे तथ्य हैं जो छात्रों के बीच तनाव को ट्रिगर करते हैं। भविष्यवाणी और नियंत्रण की कमी ज्यादातर लोगों को चिंतित महसूस कराने के लिए निश्चित है और यह जीवन का एक तथ्य है न कि केवल परीक्षाओं में। यदि आपको विषय की व्यापक समझ है तो आप अपनी बाधाओं को बेहतर बना सकते हैं। आप पाएंगे कि यह उस प्रश्न (ओं) का उत्तर देने की क्षमता में मदद करता है, जो परीक्षक द्वारा निर्धारित किया गया है। अपने फोबिया पर काबू पाना जैसा कि पहले परिभाषित किया गया है. एक फोबिया किसी ऐसी चीज से एक तीव्र भय की स्थिति है जो वास्तविकता में कोई वास्तविक खतरा हो सकता है या नहीं हो सकता है। फोबिया आपको ठुकरा सकता है और कई बार आपके जीवन में आपके सबसे बड़े दुश्मन या बाधाएं बन सकती हैं। छात्र के बीच परीक्षा फोबिया आपकी शैक्षणिक सफलता के लिए एक महान बाधा हो सकती है। समय पर यह महसूस करना बहुत महत्वपूर्ण है कि आपने एक फोबिया फॉर्म कुछ विकसित किया है और अपने जीवन का एक अच्छा अवसर बर्बाद करने से पहले अपने फोबिया को सही समय पर दूर कर दिया है। यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि कैफीन, शराब और कुछ दवाओं जैसे कारक चिंता के लक्षण पैदा कर सकते हैं। एक परिवार के सदस्य की मृत्यु जैसे

दर्दनाक जीवन की घटनाएं, एक मृत्यु, युद्ध, और प्राकृतिक आपदाओं जैसे कि तुफान और भूकंपों को देखती हैं, चिंता विकारों या फोबिया को ट्रिगर कर सकती हैं। यदि आप किसी भी तरह के फोबिया से पीड़ित हैं, तो यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आपको अपनी समस्या को दूर करने के लिए कार्य करना चाहिए इससे पहले कि आप इसे ले जाएं। जब फोबियास के इलाज की बात आती है, तो स्व-सहायता रणनीतियों और चिकित्सा दोनों प्रभावी हो सकते हैं। आपके लिए सबसे अच्छा क्या है, कई कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें आपके फोबिया की गंभीरता, आपके बीमा कवरेज और आपके द्वारा आवश्यक समर्थन की मात्रा शामिल है। सामान्य नियम यही है,स्व-सहायता हमेशा एक कोशिश के लायक होती है। जितना अधिक आप अपने लिए कर सकते हैं, उतना ही अधिक नियंत्रण में आप महसूस करेंगे जो कि फोबियास और भय के बारे में एक लंबा रास्ता तय करता है। हालांकि, यदि आपका फोबिया इतना गंभीर है कि यह घबराहट के हमलों या बेकाबू चिंता को ट्रिगर करता है, तो आप अतिरिक्त समर्थन प्राप्त करना चाह सकते हैं, यदि समस्या गंभीर है तो पेशेवर समर्थन प्राप्त करने में संकोच न करें। योग और ध्यान भी आपके दिमाग को शांत रखने और अपनी आंतरिक शक्ति को विकसित करने का एक बहुत प्रभावी तरीका है। यदि आप आत्म-चिकित्सा की कोशिश कर रहे हैं तो आपको पूर्ण आत्मविश्वास और प्रेरणा के साथ शुरू करना होगा। अपने डर का सामना करें, एक समय में एक कदम और कभी भी एक विकल्प को वापस करने पर विचार नहीं करना चाहिए। यह केवल स्वाभाविक है कि आप जिस चीज या स्थिति से डरते हैं, उससे बचना चाहते हैं, लेकिन इस बार उनसे बचने के लिए नहीं बल्कि उनसे निपटने के लिए आपको रास्ते मिलते हैं। जब फोबिया पर काबू पाने की बात आती है, तो आपके डर का सामना करना महत्वपूर्ण है। अपने फोबियास का सामना करें और आप आश्चर्य करेंगे कि अब ये आपके लिए कोई समस्या नहीं होगी। जबकि परिहार आपको अल्पावधि में बेहतर महसूस करा सकता है, यह आपको यह सीखने से रोकता है कि आपका फोबिया उतना भयावह या भारी नहीं हो सकता है जितना आ सोचते हैं। आपको कभी भी यह जानने का मौका नहीं मिलता कि कैसे अपने डर से निपटें और स्थिति पर नियंत्रण का अनुभव करें। नतीजतन, फोबिया आपके दिमाग में तेजी से डरावना और अधिक कठिन हो जाता है।

अपना-अपना संसार

बिंदेश्वरी बाबू को आखिरकार गांव से यहां आना ही पडा । अब उम्र सत्तर पार कर गई है । नहीं आते तो क्या करते? अकेले कब तक वहां पडे रहते? पत्नी को रामप्यारी हुए सात साल से भी अधिक हो गए हैं। तब से अकेले हैं। अब तक खुद ही जैसे-तैसे पका-खा लेते थे। बीमारी-सुमारी में बेटा-बहू इतनी दूर शहर से तत्काल आ नहीं पाते और न आकर उनके साथ हफ्ता-दस दिन रह सकते थे। आखिरकार उनका भी अपना एक अलग संसार था। बेटा-बहू दोनों बड़ी-बड़ी आईटी कंपनियों में लगे थे। जब कभी बिस्तर पकड़ने की नौबत आ जाती तो भाइयों की बहुओं की सेवा-सुश्रुषा के बोझ तले दब जाते। हालांकि, अपनी पेंशन से उनकी कुछ भरपाई कर दिया करते। उनका भी अपना एक अलग संसार था। जब भाई अपने भाई से अलग हो जाता है, एक अलग संसार अपने आप बन जाता है। अब इसी तरह कई संसारों से बना यह संसार चलायमान

ऐसा नहीं है कि पिछले सात सालों से बेटा अपने पास बुलाकर रहने की जिद नहीं करता हो, परंतु बिंदेश्वरी बाबू यह कहकर टाल जाते कि जब तक चलता है, चलने दिया जाय। गांव में मन रमा रहता है। घूम आते हैं इहां-ऊहां। यहीं आसपास के इलाके के सरकारी स्कूलों में शिक्षा की अलख जगाकर रखते हुए अंत में प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। पेंशन समय पर हर महीने मिल जाती है जिससे सभी जरूरतें आसानी से पूरी हो जाती हैं। गांव के क्रियाकलापों में व्यस्त रहकर समय आसानी से गुजर जाता है। यों तो स्वास्थ्य भी दूसरों के मुकाबले कहीं बेहतर है। उम्र के लिहाज से बस साल में एकाध बार ढीले पड़ जाते हैं। तब तनिक मुश्किल आन पड़ती है तो आस जगती है कि कोई दिन-रात पास रहे तो अच्छा हो।

इस बार बीमार पड़े तो तनिक लंबा खिंच गया। छोटके बटुकेश्वर ने खुदे फोन करके गुरुग्राम में बैठे रोहित को इसकी सूचना दे दी। लिहाजा उसे किसी तरह आना ही पड़ा और

जबरदस्ती बाबुजी को जरूरी सामान समेटकर हवाई जहाज की सैर कराते हुए शहर ले आए। साथ ही अल्टीमेटम भी दे दिया कि अब वे गांव में न रहकर हमेशा के लिए उनके साथ रहेंगे । बेटे ने स्पष्ट बता दिया कि उनके गांव में रहने से वह भी शहर में दिन-रात उनको लेकर चिंता में घुलता रहता है।

अब बिंदेश्वरी बाबू को भी अहसास होने लगा था कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में बेटे के साथ ही रहने में सबकी भलाई है। एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहजता से साथ निभा पाएंगे। बेटा-बहू और नन्ही आराध्या के संसार में अब खुद को रमरमा लें तो सबका भला हो ।

गुरुग्राम पहुंचते ही बाबूजी को एक निजी क्लीनिक में सलाह के लिए ले गया रोहित। हालांकि अब उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार हो चुका था। सारी जांच हुई तो रिपोर्टें लगभग सामान्य थीं। बस कॉलेस्ट्रॉल तनिक बढ़ा हुआ निकला। सो डाक्टर ने तली हुई चीजें और देसी घी का परहेज बता दिया। जिस देसी घी के बिना उनका निवाला गले नहीं उतरता, अब यहां उस पर पूर्णतः पाबंदी लग गई। यहां तक कि चपातियां भी अब शुष्क परोसी जाने लगीं। एक बार उन्होंने कहा भी, 'बहू, रोटी में थोड़ा-सा घी तो चुपड़ दिया करो । यहां कौन-सी खालिस घी मिलता है । कुछ

'कुछ दिन परहेज क्यों नहीं कर लेते बाबूजी ? अगली बार जांच में कॉलेस्ट्राल ठीक आया तो डॉक्टर की सलाह पर ले लिया कीजिएगा।' रोहित ने बात वहीं खत्म कर दी और बिंदेश्वरी बाबू मन मसोस कर रह गए।

गांव से आए दस दिन हो गए थे परंतु वे अभी तक आलीशान बिल्डिंग के चौथे माले पर टंगे हुए हैं। वही एक दिन अस्पताल गए थे बस। अब मन बना रहे हैं कि नीचे उतरकर सुबह-शाम सामने के पार्क में चहलकदमी शुरू किया जाये। कब तक टीवी और अखबार के भरोसे बैठे रहेंगे। अखबार में अपने इलाके की कोई खबर आती नहीं कि मन

रमा रहे। अखबार के सारे पन्ने गुरुग्राम और दिल्ली की खबरों से भरे रहते हैं, मानो देशभर में और कहीं कुछ हो ही न रहा हो। टीवी पर विज्ञापन आते ही मन उचट जाता है। बालकनी में आकर बैठ जाते और दूर तक आती-जाती गाड़ियों को जोखते रहते। संबह पार्क में चहलकदमी करने वालों का आना छह बजे के बाद शुरू होता है जो नौ बजे तक किसी धारावाहिक की तरह चलता रहता है। तरह-तरह के ट्रैकिंग सूट, निक्कर और टी-शर्ट-लोअर सरीखे अन्य आकर्षक परिधानों में लिपटे स्त्री-परुष के इंद्रधनुषी रंगों को निहारते रहते। लगभग आठ बजे एक कोने में कुछ लोग इकट्ठे होते हैं और शायद किसी संत-महात्मा के कहं पर कुछ देर तक तालियां पीटते रहते हैं। वे गांव में सुबह चार बजे ही उठकर खेतों की ओर सैर के लिए निकल जाया करते थे। यह सिलसिला यहां भी शुरू किया जा सकता है। सोसायटी के अंदर का पार्क पूरी तरह सुरक्षित है। सुरक्षा इतनी चाक-चौबंद है कि बाहरी आदमी हो या गली का कुत्ता, कोई अंदर नहीं आ सकता। सभी उच्चवर्गीय, उच्च शिक्षित लोग रहते हैं इस सोसायटी में। बिंदेश्वरी बाबू भी कम लिखे-पढ़े थोड़े ही हैं। अब तो बेटा-बहु की वजह से वे भी

संभ्रांत की श्रेणी में आ गए हैं। दूसरे दिन से वे भी सुबह साढ़े चार-पांच बजे के करीब पार्क में सैर को जाने लगे और जुमा-जुमा दस दिन भी नहीं होंगे कि एक दिन बहू को बेटे से कहते सुना, 'सुनते हो रोहित, बाबू जी सोसायटी में अपने इज्जत की बाट लगा रहे हैं। फर्स्ट फ्लोर वाली नीतू ने बालकनी से उन्हें सुबह सैर पर कभी लुंगी तो कभी धोती में जाते देखा।'

'तो क्या हुआ, बाबू जी हमेशा से धोती और लुंगी पहनते आ रहे हैं। तुम्हें तो पता है।'

'गांव की बात अलग है। यहां यह सब शोभा देता है क्या ? सोसायटी वाले न जाने कैसी-कैसी बातें करेंगे।क्या यह तुम्हें अच्छा लगेगा?'

रोहित ने कुछ नहीं कहा परंतु बिंदेश्वरी बाबू सब समझ गए। उनके कानों तक बहू की आवार्जें पहुंच चुकी थीं। बनावटीपन ही तो इस शहर की खासियत है। एक दिन रोहित के साथ स्वयं बाजार गए और अपने लिए एक ट्रैक सूट और रेडिमेड कमीज-पतलून खरीद लाए।

नन्ही आराध्या बाय-बाय दादू कहकर सुबह ही स्कूल को निकल जाती और वहां से शाम को अपनों मम्मी के साथ ही लौटती। स्कूल से क्रेच तक पहुंचाने का जिम्मा एक ऑटोरिक्शा वाले को दे रखा था।बिंदेश्वरी बाबु सारा दिन घर में अकेले पड़े रहते। फिर धीरे-धीरे उन्होंने सोसायटी के आसपास के इलाकों में पैदल घूमना शुरू कर दिया परंतु धोती-कुर्ता के बजाय कमीज-पतलून में। धोती और लुंगी का इस्तेमाल पर्दे में होता। अब यहां रह रहे हैं तो बेटे-बहु की इज्जत का ख्याल तो रखना ही पड़ेगा। भले कमीज-पतलून और ट्रैक

महत्वपूर्ण घटना तक पहुंचने के लिए उड़ान

सूट में असहज रहना पड़े। इसी तरह समय के साथ बेमन बिंदेश्वरी बाबू अपने आप को शहरी माहौल में ढालने की कोशिश करते रहे और फुर्सत में अपने ग्रामीण परिवेश की यादों में दिन पर दिन बिताते चले गए। सबह का नाश्ता और रात का खाना महाराजिन बना जाया करती थी । जब से वे आए हैं, मन किया तो अपना दिन का खाना स्वयं बनाते हैं। पहले महाराजिन उनका दिन का खाना सुबह ही बना दिया करती थी परंतु उन्होंने मना कर दिया, यह कहकर कि दिन में कम ही खाते हैं। भुख लगेगी तो स्वयं बना लिया करेंगे। गांव में भी तो स्वयं ही बनाया करते थे।

एक रविवार बिंदेश्वरी बाबू को न जाने क्या सूझा, आराध्या को लेकर धोती-कुर्ते में ही पार्क में उतर आए। विद्रोही प्रवृत्ति मानो अतल गहराइयों से उछल आई हो।बेटा-बहू उस समय बालकनी में ही कुर्सी बिछाए अखबार पढ़ रहे थे। बिंदेश्वरी बाबू को लगा तो होगा कि बहु को उनका इस लिबास में उतरना सुहाया नहीं होगा परंतु वे मन ही मन में कुछ ठान चुके थे।बिंदेश्वरी बाबू आराध्या के साथ पार्क में चक्कर लगाने लगे। बीच-बीच में कोई उन्हें रोक लेता और उनसे बतियाने लगता। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। बेटा-बहु अपनी बालकनी से यह सब देखे जा रहे थे। आराध्या कभी-कभी अपने दादा जी का साथ छोड़कर इधर-उधर दौड़ पड़ती और थोड़ी देर बाद फिर से उनके साथ हो लेती। बेटा-बहू ने गौर किया कि सैर पर आईं कुछ महिलाएं अब बाबू जी का चरण-स्पर्श कर अपने माथे से भी लगाने लगी हैं।

वास्तविक दुनिया की चिकित्सा आपात स्थितियों की नकल करके, यह अभिनव प्रशिक्षण विधि सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता के बीच की खाई को पाटाती है

सिमुलेशन प्रशिक्षण, शिक्षा, या मूल्यांकन उद्देश्यों के लिए वास्तिविक दुनिया की प्रक्रियाओं या प्रणालियों की नकल को संदर्भित करता है। आपातकालीन चिकित्सा सीखने में, सिमुलेशन यथार्थवादी परिदृश्य बनाता है जो चिकित्सा आपात स्थितियों को दोहराता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एक सुरक्षित, नियंत्रित वातावरण में अपने कौशल को अभ्यास और परिष्कृत करने की अनुमति मिलती है। नेशनल मेडिकल काउंसिल (NMC) द्वारा योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (CBME) के कार्यान्वयन से पता चला है कि सिमलेशन स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों दोनों के लिए नैदानिक क्षमता

सिमुलेशन के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक यह है कि यह शिक्षार्थियों को रोगी की सुरक्षा को जोखिम में डाले बिना महत्वपूर्ण और उच्च-दांव स्थितियों को संभालने का अभ्यास करने में सक्षम बनाता है। यह आपात स्थितियों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां त्रुटियों के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। नकली परिदृश्यों में संलग्न होने से, प्रतिभागी बार -बार आपातकालीन प्रोटोकॉल का अभ्यास कर सकते हैं, तकनीकी कौशल जैसे कि इंटुबैषेण और डिफिब्रिलेशन में सुधार कर सकते हैं, और अपनी क्षमताओं में विश्वास

सिमुलेशन वास्तविक आपात स्थितियों के उच्च दबाव वाले वातावरण को दोहराता है, जिससे व्यक्तियों को तनाव के तहत तेजी से, सूचित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में मदद मिलती है। वे गलतियों को पहचानने और सही करने के लिए एक जोखिम-मुक्त सेटिंग भी प्रदान करते हैं, जिससे प्रतिभागियों को यह जानने में सक्षम होता है कि वास्तविक जीवन की स्थितियों में ऐसी त्रुटियों को कैसे रोका जाए। इसके अतिरिक्त, विविध परिदृश्यों के संपर्क में शिक्षार्थियों को प्रभावी ढंग से अप्रत्याशित जटिलताओं के अनुकूल होने के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करता है।

टीमवर्क आपातकालीन चिकित्सा प्रशिक्षण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और सिमुलेशन सहयोग और संचार के महत्व पर जोर देता है। शिक्षार्थी टिप्पणियों को

कलात्मक बनाने, अपडेट प्रदान करने और निर्देशों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में कौशल विकसित करते हैं. जो उच्च दबाव वाली स्थितियों में आवश्यक हैं। सिमुलेशन टीम के सदस्यों को भूमिकाओं को परिभाषित करने की अनुमित देता है, जैसे कि टीम लीडर या एयरवे मैनेजर और सीमलेस समन्वय का अभ्यास करें। बार-बार अभ्यास के माध्यम से, टीम-आधारित सिमुलेशन ट्रस्ट, सामंजस्य और प्रत्येक सदस्य की ताकत, कमजोरियों और काम

करने वाली शैलियों की समझ को बढावा देता है। सिमुलेशन के बाद संरचित डिब्रीफिंग सत्र सुधार के लिए सफलताओं और क्षेत्रों के बारे में खुली चर्चा को प्रोत्साहित करके निरंतर सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। ये सत्र सहायक और अनुकूली टीम की गतिशीलता को बढ़ावा देते हुए टीम के नेताओं को अपनी क्षमताओं को सुधारने के लिए नेतृत्व और अनुयायी कौशल बनाने में

सिमुलेशन के लाभ वास्तविक आपात स्थितियों में तेजी से और अधिक कुशल प्रतिक्रियाओं, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए तनाव और बर्नआउट को कम करते हैं और रोगी देखभाल के परिणामों में सुधार करते हैं। उच्च-दांव परिदृश्यों के साथ परिचितता टीमों को सामंजस्यपूर्ण तरीके से कार्य करने और तनाव को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सक्षम बनाती है, जिससे महत्वपूर्ण

स्थितियों में बेहतर परिणाम सुनिश्चित होते हैं। सिमुलेशन लर्निंग व्यक्तिगत क्षमता के निर्माण और चिकित्सा टीमों को मजबूत करने के लिए एक आवश्यक उपकरण है। एक ऐसे क्षेत्र में जहां शून्य-त्रुटि सहिष्णुता महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से आपातकालीन विभागों में, सिमुलेशन-आधारित शिक्षण चिकित्सा छात्रों को आत्मविश्वास और क्षमता दोनों से लैस करता है।चिकित्सा शिक्षा का भविष्य सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल के महत्व को पहचानने में निहित है, जिससे सिमुलेशन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आधारशिला बन जाता

-विजयगर्ग

ईपीएफओ में सुधार से दावों के निपटान में आई तेजी, रिकॉर्ड पांच करोड़ दावों का हुआ भुगतान

परिवहन विशेष न्यूज

ईपीएफओ सदस्यों को अपने प्रोफाइल से जुड़ी त्रिट खद ठीक करने की सविधा दी गई है। पीएफ ट्रांसफर प्रक्रिया आसान बनाई गई है जिसमें नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत कम हुई है। स्वत दावा भूगतान के तहत रकम तीन दिनों के भीतर सदस्य के खाते में जमा हो जाती है। इस वित्त वर्ष में स्वत दावा भूगतान की संख्या 1.87 करोड़ हो गई है जो पिछले साल 89 .52

नर्ड दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में जारी सधारों के चलते सदस्यों के दावों के भगतान से लेकर शिकायतों के निपटाने की गति तेज हो गई है। ईपीएफओ द्वारा वर्तमान वित्त वर्ष में अब तक रिकॉर्ड पांच करोड़ से अधिक दावों का निपटान करते हुए 2

लाख करोड रुपए से अधिक की राशि का जारी करना इसका प्रमाण है।

www.newsparivahan.com

ईपीएफओ को अत्याधुनिक डिजिटिल कोर बैंकिंग की तर्ज पर इसके सदस्यों को सेवा देने के लिए किए जा रहे दूसरे चरण के सुधार अंतिम दौर में है और जून-जुलाई में सुधारों का तीसरा चरण पूरा होने की संभावना है। ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में 5.08 करोड़ दावों का निपटान किया गया जो एक वर्ष में अब तक सबसे अधिक संख्या है।

इन दावों के निपटान की कुल राशि 2.05 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4.45 करोड़ दावों का निपटान किया गया जिसकी कुल राशि 1.82 लाख करोड़ रुपये से

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया

श्रम मंत्री ने की ईपीएफओ की तारीफ

ने दावों के इस रिकार्ड निपटान का श्रेय ईपीएफओ में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों को देते हुए कहा कि डिजिटल सुधारों के चलते दावों के निपटान की प्रक्रिया तेज हुई और सदस्यों की शिकायतें कम हुईं। ईपीएफओ में हुए प्रमुख सुधारों की चर्चा करते हुए कहा कि स्वतः दावा भगतान की सीलिंग और श्रेणी

ईपीएफओ सदस्यों को अपने प्रोफाइल से जुड़ी त्रुटि खुद ठीक करने की सुविधा दी गई है। पीएफ ट्रांसफर प्रक्रिया को आसान बनाया गया है जिसमें नियोक्ता की मंजूरी की जरूरत कम हुई है। स्वतः दावा भगतान के तहत रकम तीन दिनों के भीतर सदस्य के खाते में जमा हो जाती है।

44% पीएफ खातों का स्वतः ट्रांसफर मंडाविया ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में स्वतः दावा भुगतान की संख्या दोगुना होकर 1.87 करोड़ हो गई है जो पिछले साल 89.52 लाख थी।पीएफ टांसफर को सरकार बनाने का परिणाम हुआ है कि 48 प्रतिशत दावे सीधे ईपीएफओ बिना नियोक्ता की मंजूरी के को भेजे जाते हैं और 44 प्रतिशत पीएफ खातों का स्वतः ट्रांसफर हो रहा है। अब केवल आठ प्रतिशत मामलों में ही नियोक्ता की मंजूरी जरूरी

इसी तरह त्रटि सधार के संबंध में अब 97.18 सुधार खुद सदस्यों ने किया है और केवल एक प्रतिशत मामले में नियोक्ता की सहमित की जरूरत हुई है। ईपीएफ सुधारों की वजह से दावे खारिज करने की संख्या में भी भारी कमी आई है और केवल 1.11 प्रतिशत मामले नियोक्ता और 0.21 प्रतिशत दावे ईपीएफओ ने इस वर्ष खारिज किए हैं जिससे साफ है कि नई प्रणाली से दावों का निपटान आसान और गति



जोमैटो बनी एटरनल, जानिए कंपनी ने क्यों बढ़ला नाम

परिवहन विशेष न्यूज

जोमैटो ने अपना नाम बदलने का फैसला किया है। जोमैटो की बोर्ड मीटिंग में नाम बदलने के फैसले पर मुहर लग गई है। जोमैटौ अब इटरनल (Eternal) नाम से जानी जाएगी। कंपनी ने बीएसई को एक रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल का कहना है कि वे लोग कंपनी के लिए इटरनल शब्द का इस्तेमाल काफी पहले से कर रहे थे।

नई दिल्ली। देश की दिग्गज फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने अपना नाम

बदलने का फैसला किया है। जोमैटो की बोर्ड मीटिंग में नाम बदलने के फैसले पर मुहर लग गई है। जोमैटौ अब इटरनल (Eternal) नाम से जानी जाएगी। कंपनी ने बीएसई को एक रेगलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है।

जोमैटो ने क्यों बदला नाम ?

जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल का कहना है कि वे लोग कंपनी के लिए इटरनल शब्द का इस्तेमाल काफी पहले से कर रहे थे। उन्होंने कहा. 'जब हमने ब्लिंकिट को खरीदा, तभी हम पैरेंट कंपनी को जोमैटो की जगह इटरनल कहने लगे। इसका मकसद कंपनी और ब्रांड/ऐप के बीच अंतर करना है।'

जोमैटो के फाउंडर ने हमने उस वक्त ये भी सोचा था कि अगर जोमैटो के अलावा हमारा कोई और प्रोडक्ट हमारे भविष्य के लिए अहम हो जाता है, तो हम सार्वजनिक तौर कंपनी का नाम इटरनल कर देंगे। अब ब्लिंकिट कामयाबी ने हमें उस मुकाम पर पहुंचा दिया है। हम जोमैटो लिमिटेड, कंपनी (ब्रांड और ऐप नहीं) का नाम

बदलकर इटरनल कर रहे हैं।' इटरनल नाम रखने की वजह

दीपिंदर गोयल ने इटरनल नाम रखने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, 'इटरनल एक शक्तिशाली नाम है। और ईमानदारी से कहूं, तो यह मुझे अंदर तक डराता है। इस पर खरा उतरना काफी मुश्किल काम

होगा ।क्योंकि 'इटरनल' एक वादा और विरोधाभास दोनों को समेटे हुए है।'

उन्होंने कहा, ₹यह सिर्फ नाम बदलना नहीं है; यह एक मिशन स्टेटमेंट है। यह नाम अब हमारी पहचान का हिस्सा है, जो हमेशा हमारे मकसद की याद दिलाता रहेगा।₹

शेयर मार्केट में क्या होगा कंपनी कानाम?

जोमैटो के नाम बदलने का असली असर मार्केट में दिखेगा। वहां कंपनी का नाम जोमैटो से बदलकर इटरनल हो जाएगा। यह जोमैटो समेत कंपनी की सारी सब्सिडियरी का यहां प्रतिनिधित्व करेगी। अभी तक जोमैटो के पास चार बड़े बिजनेस

इनमें पहला खुद फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो हैं। दूसरा क्विक कॉमर्स ब्लिंकिट है, जो ग्रॉसरी और दूसरे जरूरी सामानों की डिलीवरी करता है। इसका District प्लेटफॉर्म मुवी और इवेंट का टिकट करने के काम आता है। वहीं, Hyperpure प्लेटफॉर्म रेस्टोरेंट के लिए सब्जियों और किराने की सामान की थोक भाव पर सप्लाई करता है।

जोमैटो का शेयर (zomato share price) आज 0.53 फीसदी बढ़कर 229.90 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी ने करीब 65 फीसदी का रिटर्न दिया है।



दुनिया के पावरफुल देशों की लिस्ट में किन देशों का दबदबा, कौन-से नंबर पर है भारत?

नर्इ दिल्ली। अमेरिका की प्रतिष्ठित बिजनेस मैगजीन Forbes ने 2025 के सबसे पावरफुल देशों की लिस्ट जारी की है। इसमें अमेरिका पहले, चीन दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर काबिज हैं। इस रैंकिंग को तैयार करने के लिए नेतृत्व क्षमता, आर्थिक प्रभाव, राजनीतिक शक्ति वैश्वक गठबंधन और सैन्य ताकत जैसे कारकों को ध्यान में रखा गया है। आइए जानते हैं 2025 के टॉप 10 सबसे पावरफुल देशों की पूरी लिस्ट और भारत की स्थिति।

कौन-सा सबसे पावरफुल भारत किस नंबर पर?

फोर्ब्स की लिस्ट में 30.34 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी और 35.5 करोड़ की आबादी वाला अमेरिका पहले नंबर पर है। वहीं, चीन दुसरे और रूस तीसरे नंबर पर है। फोर्ब्स के मुताबिक, ब्रिटेन चौथे और जर्मनी पांचवें नंबर पर है (डिटेल के लिए चार्ट देखें) । भारत इस लिस्ट में यएई के बाद 12वें नंबर पर है।

भारतकेटॉप 10 में न होने पर

भारत की पांचवीं सबसे बडी अर्थव्यवस्था है। इसके पास दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना है। यह जनसंख्या के लिहाज से अब दुनिया का

सबसे बडा मुल्क है। हमारी जीडीपी 3.55 ट्रिलियन डॉलर की है। यही वजह है कि भारत के टॉप 10 में न होने

भारत के टॉप 10 में न होने की कुछ

देने में भरोसा नहीं रखता। कैसे तैयार होती है पावरफुल

Forbes ने दुनिया के सबसे पावरफुल देशों की रैंकिंग BAV Group और Wharton School, University of Pennsylvania के प्रोफेसर David Reibstein के

अगुआई में तैयार की है।

आर्थिक प्रभाव (Economic

पर सवाल उठ रहे हैं। भारत टॉप 10 में क्यों नहीं आ पाया ?

वजहें हो सकती हैं। जैसे कि भारत की जीडीपी अभी भी जर्मनी, ब्रिटेन और जापान जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं से कम है। भारत की सैन्य ताकत मजबूत जरूर है, लेकिन वैश्विक गठबंधनों में इसकी भागीदारी अमेरिका और चीन की तुलना में कम है। भारत की कुटनीति तेजी से मजबूत हो रही है, लेकिन अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों के मुकाबले यह अभी भी कुछ पीछे है। साथ हीं, भारत दूसरे देशों के मामले में दखल

देशों की रैंकिंग?

रैंकिंगकेप्रमुखपैरामीटर्सः लीडरशिप (Leadership Capacity)

राजनीतिक शक्ति (Political

Power) अंतरराष्ट्रीय गठबंधन (Global

Alliances) सैन्य ताकत (Military

Strength) क्या भारत 2030 तक टॉप 10

में आसकता है? भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। यह 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। ऐसे में भारत कुछ जरूरी सधार के आसानी से दिनया के टॉप 10 शक्तिशाली देशों में शुमार हो सकता है, क्योंकि वह पहले से ही 12वें नंबर पर आ चुका है। आइए जानते हैं कि भारत को किन चीजों पर फोकस करना होगाः

आर्थिक सुधारः मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं को और मजबूत करना।

सैन्य आधुनिकीकरणः रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैश्विक सैन्य गठबंधनों को बढ़ावा देना।

विदेश नीति मजबत करनाः G20, QUAD और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपनी पकड मजबत करना

टेक्नोलॉजी और इनोवेशनः AI, स्पेस रिसर्च और साइबर सिक्योरिटी में

डॉलर के मुकाबले क्यों गिर रहा रुपया, क्या हैं इसके फायदे और नुकसान?

परिवहन विशेष न्यूज

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। यह हर कारोबारी दिन के साथ नया निम्नतम स्तर बना रहा है। आर्थिक जानकारों का मानना है कि रुपये में गिरावट के लिए घरेलु और वैश्विक कारण बराबर जिम्मेदार हैं। आइए जानते हैं कि रुपये में गिरावट का इकोनॉमी पर क्या असर होता है। साथ ही इसके क्या फायदे और

नई दिल्ली।पिछले कुछ महीनों से डॉलर के मकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। यह गुरुवार (6 फरवरी 2025) को 14 पैसे गिरकर 87.57 रुपये प्रति डॉलर के नए ऑल टाइम लो-लेवल पर पहुंच गया। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रुपया कमजोर क्यों हो रहा है ? अर्थव्यवस्था के लिहाज से इसके फायदे और नुकसान हैं और रुपया कब मजबत होगा। आइए इन सवालों के जवाब जानते हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर क्यों हो रहा है?

रुपये के कमजोर होने की कई वजहें हैं। इनमें घरेल और अंतरराष्ट्रीय, दोनों कारण शामिल हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं:

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने ग्लोबल टैरिफ वॉर की आशंका बढ़ा दी है । इसका असर रुपये पर भी दिख



अमेरिका में ब्याज दर और बॉन्ड यील्ड काफी ऊंची है, इससे निवेशक अमेरिकी बाजार का रुख कर रहे हैं। इससे डॉलर मजबूत हो रहा है।

विदेशी निवेशक (FII) भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। यह डॉलर की मांग बढ़ा रहा है, जिससे रुपया कमजोर हो रहा है।

चीन जैसे देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। इससे भी रुपये में कमजोरी आ रही है और डॉलर मजबूत हो

रुपये के कमजोर होने के क्या नकसान हैं?

तेल और पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होंगेः

भारत कच्चे तेल का सबसे बडा आयातक है। जब रुपया गिरता है. तो पेटोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं। इससे ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और महंगाई पर असर पडता है।

महंगाई (Inflation) बढ़ सकती है: रुपये की कमजोरी से आयातित वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, जिससे महंगाई बढ़ती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, और दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

विदेशी कर्ज, पढ़ाई और यात्रा महंगी होगीः अगर कोई भारतीय कंपनी डॉलर में लोन लेती है, तो उसे ज्यादा ब्याज चुकाना पड़ेगा। जो लोग अमेरिका, यूरोप या अन्य देशों में पढ़ाई कर रहे हैं, उनके खर्च बढ़ सकते हैं। विदेश यात्रा और होटल बिकंग महंगी हो जाएगी।

रुपये के कमजोर होने के क्या फायदे

निर्यात(Exports)को बढ़ावा मिलेगा: जब रुपया गिरता है, तो भारत के निर्यात (Exports) सस्ते हो जाते हैं, जिससे विदेशी खरीददार ज्यादा सामान मंगाते हैं। इससे IT सेक्टर, फार्मा, और मैन्यफैक्चरिंग कंपनियों को फायदा हो सकता है।

(Remittance) बढ़ेगाः जो भारतीय विदेश में काम कर रहे हैं, उन्हें ज्यादा रुपये

विदेश से आने वाला पैसा

मिलेंगे।NRI (Non-Resident Indian) लोगों को इसका बड़ा फायदा होगा। इससे भारत में भेजने पर पैसों की वैल्यू बढ जाएगी।

पर्यटन(Tourism)को बढावा मिलेगाः जब रुपया कमजोर होता है, तो विदेशी पर्यटक भारत में ज्यादा खर्च करते हैं. जिससे टूरिज्म सेक्टर को फायदा होता है। इलाज भी सस्ता हो जाएगा। इससे मेडिकल ट्रिज्म को भी बढ़ावा मिल सकता है।

रुपया कब मजबत होगा? इस सवाल का जवाब काफी हद

आरबीआई की नीतियों और वैश्विक बाजारों के हालात पर निर्भर करेगा। अभी टैरिफ वॉर की आशंका और वैश्विक अस्थिरता के चलते रुपये का मजबूत होना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। हालांकि, आरबीआई और सरकार रुपये में स्थिरता लाने के लिए कछ कदम उठा सकती है।

विदेशी निवेश बढाने के उपाय करना। निर्यात बढ़ाने की रणनीति अपना। RBI का बाजार में हस्तक्षेप करना। तेल आयात पर निर्भरता कम करना। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाना। अगर भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती

है और विदेशी निवेश बढ़ता है, तो रुपया अगले कुछ महीनों में धीरे-धीरे रिकवर कर सकता है।

क्या भारत को रुपये की गिरावट से डरना चाहिए?

रुपये में गिरावट चिंता की बात जरूर है, लेकिन इसे निर्यात बढ़ाने के अवसर भी खुल जाते हैं। यह भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी बात है। लेकिन, इससे घरेलू बाजार में महंगाई बढ़ने का खतरा भी रहता है। कुल मिलाकर, रुपये की गिरावट से कुछ क्षेत्रों को नकसान हो सकता है, लेकिन कछ सेक्टरों को फायदा भी होगा। अभी निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्हें उन सेक्टरों में निवेश करना चाहिए, जो रुपये की गिरावट से फायदा उठा सकते हैं।

क्रैश हुए स्विगी के शेयर, जानिए किस वजह से आई भारी गिरावट



परिवहन विशेष न्यूज

स्विगी का शेयर बीएसई पर 7.43 फीसदी गिरकर 387 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 7.84 फीसदी फिसलकर 385.25 रुपये पर आ गया। ये स्विगी के शेयरों का एक साल का सबसे निचला स्तर है। हालांकि इसमें बाद में थोड़ी रिकवरी देखने को मिली। स्विगी का दिसंबर तिमाही में घाटा बढ़कर ७७९ .08 करोड़ रुपये हो गया है। यह एक साल पहले ५७४ .३८ करोड रुपये था।

नई दिल्ली। फूड और ग्रॉसरी डिलीवरी सेक्टर की दिग्गज कंपनी स्विगी के शेयर गुरुवार को 8 फीसदी तक गिर गए। इसकी वजह कंपनी के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजे हैं। स्विगी ने 31 दिसंबर, 2024 को खत्म तिमाही के लिए बुधवार को नतीजे जारी

स्विगी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसका घाटा बढ़कर 799.08 करोड़ रुपये हो गया है।

इससे बीएसई पर शेयर 7.43 फीसदी गिरकर 387 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 7.84 फीसदी फिसलकर 385.25 रुपये पर आ गया। ये स्विगी के शेयरों का एक साल का सबसे निचला स्तर है।

स्विगीकारिजल्ट कैसारहा? स्विगी का दिसंबर तिमाही में घाटा बढ़कर

799.08 करोड़ रुपये हो गया है। यह एक साल पहले 574.38 करोड़ रुपये था। वहीं, समीक्षाधीन अवधि में कुल खर्च बढ़कर 4,898.27 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 24 में अक्टूबर-दिसंबर के दौरान 3,700 करोड़ रुपये था। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि ऑपरेशन से रेवेन्यू 3,048.69 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,993.06 करोड़ रुपये हो गया। खासकर, स्विगी का कुल सकल ऑर्डर मूल्य (GOV) साल-दर-साल (YoY) 38 प्रतिशत बढ़कर

सेवाओं के विस्तार पर फोकस स्विगी के एमडी और ग्रुप सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने कहा, 'हमने त्योहारी तिमाही के दौरान उपभोक्ता के लिए सेगमेंट के हिसाब से

12,165 करोड़ रुपये हो गया।

ऑफर देने पर फोकस करना जारी रखा। इससे हमें भरोसा है कि खपत के नए अवसर उन्होंने आगे कहा कि फूड डिलीवरी

मार्जिन और कैश-फ्लो जेनरेशन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसे क्विक-कॉमर्स में किए जा रहे निवेशों के साथ संतुलित रखा गया है। इसमें डार्क स्टोर्स के विस्तार और मार्केटिंग पर ध्यान दिया जा रहा है, खासकर निकट भविष्य में बढती प्रतिस्पर्धा को देखते हए।

स्विगी के शेयरों का क्या हाल है?

स्विगी का आईपीओ पिछले साल नवंबर में आया था। यह मामूली लिस्टिंग गेन के साथ लिस्ट हुई थी। हालांकि, इसमें बाद में अच्छी तेजी देखी गई और इसने 617.30 रुपये का अपना ऑल टाइम भी बनाया। लेकिन, वहां से गिरावट का जो सिलसिला शुरू हुआ, वो अब तक नहीं थमा है।

इस साल यानी 2025 में अब तक स्विगी के शेयर 27.17 फीसदी तक गिर चुके हैं। अगर किसी निवेशकों ने स्विगी के शेयरों को आईपीओ से होल्ड कर रखा होगा, वह अब 13 फीसदी से अधिक के नुकसान में होगा।

सोने-चांदी के भाव में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, शादी के मौसम में भी बाजार में भीड़ कम

नई दिल्ली।सोने-चांदी के भाव में तेजी से ज्वेलरी बाजार के साथ खरीदारों की रंगत फीकी होने लगी है। सोमवार को दिल्ली में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 85 हजार 500 रुपये तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। वहीं, चांदी भी एक लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर के छूने के करीब है। वह 98,500 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

सोने के दाम में लगातार हो रही

चांदी के दाम में दो हजार रुपये प्रति किलो की तेजी है, 29 जनवरी को यह 96 हजार 500 रुपये था। जबिक, सोने के दाम में एक सप्ताह में प्रति 10 ग्राम करीब 2,500 रुपये की तेजी आई है। 29 जनवरी को दिल्ली में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 83 हजार रुपये था। अंतरराष्ट्रीय कारणों से दामों में बढ़ोत्तरी का यह सिलसिला आने वाले दिनों में भी जारी रहने का अंदेशा है, इससे ज्वेलरी बाजार संशकित

फिलवक्त बाजार से जुड़े लोगों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में रिकॉर्ड तेजी से बलियन और गहनों की मांग में असर देखा जा रहा है। इसमें 20 से 30 प्रतिशत की कमी आई है। जिसमें विवाह संबंधित मांग प्रमुख है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टैरिफ युद्ध से बढ़ी महंगाई

मामले के जानकारों के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन, कनाडा व मैक्सिको से आयात होने वाली कई वस्तुओं के आयात पर ज्यादा शुल्क लगाने की घोषणा के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजारों में अस्थिरता का माहौल है। कनाडा द्वारा भी पलटवार के रूप में अमेरिका के उत्पादों के आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टैरिफ युद्ध शुरू होने का अंदेशा गहरा

बढ़ सकती है PF की ब्याज दर, एक और तोहफा देने की तैयारी में सरकार



(EPFO) के केंद्रीय बोर्ड ट्रस्टी की

मीटिंग 28 फरवरी को होने वाली है।

इसमें 2024-25 के लिए पीएफ पर

ब्याज दर बढाने पर चर्चा हो सकती

है। इस मीटिंग की अध्यक्षता केंद्रीय

श्रम मंत्री करेंगे। इसमें इम्प्लॉयर

एसोसिएशन और ट्रेड यूनियनों के

प्रतिनिधि भी हिस्सा होंगे। हालांकि,

अभी तक बैठक का आधिकारिक

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश बजट में मिडिल क्लास पर तोहफों की बारिश की थी। अब सरकार पीएफ पर ब्याज दर बढ़ाकर मिडिल क्लास को एक और खुशखबरी दे सकती है। इसका मकसद मिडिल क्लास की बचत पर अधिक फायदा देना है। आइए जानते हैं कि पीएफ की ब्याज दर में बढोतरी कब तक हो सकती है।

नई दिल्ली। सरकार ने बजट 2025 में मिडिल क्लास के लिए कई एलान और वादे किए हैं। इसमें सबसे खास 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स फ्री करना है। अब सरकार जल्द नौकरीपेशा मिडिल क्लास को एक और तोहफा दे सकती है, जो प्रोविडेंट फंड (PF) की ब्याज दर में बढ़ोतरी की शक्ल में होगा।

EPFO की बोर्ड मीटिंग में होगा फैसला कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

सरकार का पूरा ध्यान फिलहाल इकोनॉमी को रिवाइव करने पर है, जिसके लिए मांग और खपत बढ़ाना

जरूरी है। यही वजह है कि सरकार क्लास को राहत दे रही है। इनकम टैक्स छूट की लिमिट बढ़ाने के बाद अब सरकार पीएफ की ब्याज दर बचत पर ज्यादा कमाई होगी, तो वो दूसरे खर्च बढ़ा सकते हैं।

एजेंडा अभी तक नहीं जारी किया गया पीएफ की ब्याज दर में क्यों हो सकता है इजाफा?

सिलसिलेवार उपायों के जरिए मिडिल बढ़ाने पर विचार कर सकती है। इससे मिडिल क्लास कर्मचारियों की पीएफ

सरकार दो साल से लगातार ब्याज बढा रही है। ऐसे में पीएफ खाताधारकों को उम्मीद है कि इस बार भी ब्याज दरों में इजाफा हो सकता है। सरकार ने 2022-23 में पीएफ का इंट्रेस्ट रेट बढ़ाकर 8.15 फीसदी किया था। फिर इसे 2023-24 में 8.25 फीसदी किया गया। तब से पीएफ पर

अभी पीएफ पर कितना है ब्याज?

EPFO कितना बढ़ा सकता है ब्याज?

यही ब्याज दर मिल रही है, जिसे अब

सरकार बढाने पर विचार कर सकती

बैंकों के मौजूदा बेस रेट को देखते हुए पीएफ की ब्याज दरों में बहुत ज्यादा इजाफे की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में सरकार पिछली बार की तरह 0.10 फीसदी का इजाफा कर सकती है। देश में EPFO के पास सात करोड़ से अधिक लोगों का खाता है। इसमें लगातार नए मेंबर जुड़ रहे हैं। र्डपीएफओ के पेंशन फंड में पैसे जमा करने वालों की संख्या भी लगातार बढ

नई कृषि योजना से किसान हो पायेगा धन-धान्य पूर्ण?

बजट में प्रत्यक्ष सब्सिडी की तुलना में वित्तीय सहायता को अधिक प्राथमिकता दी गई है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किसानों को सामान्य सब्सिडी के बजाय फसल-विशिष्ट और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर अनुरूप सहायता मिले। डिजिटल सलाहकार सेवाओं और मृदा स्वास्थ्य निगरानी के माध्यम से धान किसानों के लिए लक्षित सहायता के परिणामस्वरूप तेलंगाना में फ़सल की पैदावार और बाज़ार की कीमतों में सधार हुआ है। छोटे और सीमांत किसानों को बड़ी ऋण राशि प्राप्त करने में सक्षम बनाकर, बढ़ी हुई केसीसी ऋण सीमा ने उन गैर-लाइसेंस प्राप्त साहूकारों पर उनकी निर्भरता को कम कर दिया है जो अत्यधिक ब्याज दरें लगाते हैं। किसानों को जल-कुशल और जलवायु–स्मार्ट खेती तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके, धन-धान्य कृषि योजना अनियमित मानसून और जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों को कम करती है।

–प्रियंका सौरभ

भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर बहुत अधिक निर्भर करती है, लेकिन यह बाजार की अक्षमताओं, खंडित भूमि जोतों और ऋग तक सीमित पहुँच जैसी संरचनात्मक समस्याओं का सामना करती है। किसानों की वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने के लिए सबसे हालिया बजट में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋग सीमा में वृद्धि जैसी पहल शामिल की गई थी। कृषि बाजारों में अक्षमताओं को दूर करने में की गई प्रगति की डिग्री उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यह पहल टिकाऊ खेती से कृषि उत्पादकता और जलवायु लचीलापन में सुधार करना चाहती है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों ने तुलनीय कार्यक्रमों के तहत लागू ड्रिप सिंचाई और एआई-संचालित मृदा विश्लेषण जैसी सटीक खेती के तरीकों की बदौलत उत्पादकता में वृद्धि देखी है।

www.newsparivahan.com

ऋग सीमा को ₹3 लाख से बढाकर ₹5 लाख कर दिया गया है, जिससे किसानों को उर्वरक, बीज और समकालीन कृषि उपकरणों पर ख़र्च करने के लिए अधिक पैसा मिल रहा है। उच्च ऋग सीमा ने पंजाब और हरियाणा के छोटे किसानों के लिए मशीनी उपकरण खरीदना संभव बना दिया है, जिससे उत्पादकता बढ़ी है और मैनुअल श्रम पर निर्भरता कम हुई है। बजट में कम उत्पादकता वाले 100 जिलों को लक्षित किया गया है और बेहतर सिंचाई प्रणाली, उच्च उपज वाले बीज और बेहतर भंडारण बुनियादी ढांचे सहित उपज और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र-विशिष्ट उपाय पेश किए गए हैं। सिंचाई और मृदा प्रबंधन में सुधार करके, गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में इसी तरह की जिला-केंद्रित रणनीति के परिणामस्वरूप कपास की उपज में उल्लेखनीय वद्धि हुई है। उच्च उपज वाले बीजों पर राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य बीज की गुणवत्ता को बढ़ाना और अनियमित मौसम पैटर्न और मिट्टी की गिरावट के कारण होने वाली फ़सल की विफलताओं को कम करना है। हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश ने जलवायु-लचीली गेहूँ की किस्मों को पेश करके तेज तापमान परिवर्तन के दौरान उपज के नुकसान को कम किया है।

बजट में प्रत्यक्ष सब्सिडी की तुलना में वित्तीय

सहायता को अधिक प्राथमिकता दी गई है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किसानों को सामान्य सब्सिडी के बजाय फसल-

> विशिष्ट और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर अनुरूप सहायता मिले। डिजिटल सलाहकार सेवाओं और मृदा स्वास्थ्य निगरानी के माध्यम से धान किसानों के लिए लिक्षित सहायता के परिणामस्वरूप तेलंगाना में फ़सल की पैदावार और बाजार की कीमतों में सुधार हुआ है। बेहतर सिंचाई और उच्च उपज

वाले बीजों पर ध्यान केंद्रित करने से प्रति एकड़ उत्पादन में वृद्धि होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में वृद्धि होगी। एक तुलनीय कार्यक्रम के तहत, मध्य प्रदेश ने संकर मक्का किस्मों को अपनाया, जिससे तीन वर्षों में उत्पादन में वृद्धि हुई। छोटे और सीमांत किसानों को बड़ी ऋग राशि प्राप्त करने में सक्षम बनाकर, बढ़ी हुई केसीसी ऋग सीमा ने उन गैर-लाइसेंस प्राप्त साह्कारों पर उनकी निर्भरता को कम कर दिया है जो अत्यधिक ब्याज दरें लगाते हैं। किसानों को जल-कुशल और जलवायु-स्मार्ट खेती तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके, धन-धान्य कृषि योजना अनियमित मानसून और जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों को कम करती है।

वर्षा में गिरावट के बावजूद, राजस्थान के किसान सूखा-प्रतिरोधी बाजरा किस्मों को बढ़ावा देकर उत्पादन बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। बेहतर बुनियादी ढाँचा और ऋग तक आसान पहुँच किसानों को अत्याधुनिक तकनीक में निवेश करने की अनुमित देती है, जो फ़सल के बाद के नुकसान को कम करती है और बाजार की कीमतों को बढ़ाती है। वित्तीय कितनाइयों वाले जिलों में ऋग में सुधार और केंद्रित हस्तक्षेपों को लागू करने पर जोर देने से वित्तीय कितनाई कम होगी और कर्ज़ के बोझ से किसानों की आत्महत्या की संख्या

कम होगी। महाराष्ट्र के विदर्भ में ऋग पुनर्गठन कार्यक्रम ने किसानों को उनकी आय स्थिर करने में सहायता की, जिसके परिणामस्वरूप अंततः ऋग-सम्बंधी संकट के मामलों में कमी आई। केसीसी ऋग सीमा में वृद्धि के कारण किसानों को अधिक वित्तीय लचीलापन मिला है, जिससे अनौपचारिक साहूकारों पर उनकी निर्भरता कम हो गई है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए, जो भारत की कृषि आबादी का लगभग 86% हिस्सा हैं, आधिकारिक ऋग प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है।

वे इस उपाय का उपयोग उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी और बीजों में निवेश को वित्तपोषित करने के लिए कर सकते हैं।

धन-धान्य कृषि योजना जलवायु-लचीली खेती और उच्च उपज वाले बीजों को प्रोत्साहित करती है, जो जलवायु परिवर्तन के सामने खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। सूखा-प्रतिरोधी और उच्च उपज वाले बीजों की उपलब्धता पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में उत्पादन को स्थिर कर सकती है जहाँ अप्रत्याशित मानसून पैदावार को प्रभावित करता है। अनावश्यक ख़र्च को कम करना और अधिक प्रभावी संसाधन आवंटन को बढावा देना सामान्य सब्सिडी के बजाय लक्षित ऋग सहायता पर ध्यान केंद्रित करने का लक्ष्य है। अत्यधिक उर्वरक सब्सिडी के विपरीत, जो इनपुट बाज़ार को विकृत करती है, पीएम-किसान के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण ने किसानों की आय सरक्षा को बढाया है। अधिक ऋग उपलब्ध होने से, किसान सिंचाई प्रणाली, भंडारण सुविधाएँ और आधुनिक उपकरण खरीद सकते हैं, जो कटाई के बाद के नुक़सान को कम करता है और उत्पादन को बढ़ाता है। सीमांत किसानों को सशक्त बनाकर, बढ़ी हुई वित्तीय सहायता उनके लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और बेहतर तकनीकों को अपनाना संभव बनाती है।

ओडिशा में बाजरा मिशन, जो छोटे किसानों को बाजरा उगाने में मदद करता है, इस बात का उदाहरण है कि कैसे लक्षित ऋग जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीली फसलों के उत्पादन को बढ़ा सकता है। किसानों के पास गारंटीकृत मूल्य निर्धारण तंत्र का अभाव है, जिससे वे बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं, भले ही ऋग उपलब्धता में सुधार हुआ हो। 2023 में, कर्नाटक के टमाटर किसानों ने बम्पर फ़सल पैदा करने के बावजूद बहुत सारा पैसा खो दिया क्योंकि अधिक आपूर्ति के कारण कीमतें गिर गईं। कृषि में अकुशल आपूर्ति शृंखला और विपणन, जिसके कारण किसानों को अपनी उपज के लिए कम क़ीमत मिलती है, को केवल ऋग सहायता से ठीक नहीं किया जा सकता है। आय विविधीकरण को बढ़ाए बिना ऋग सीमा बढ़ाने से किसानों के ऋग चक्र में फंसने का जोखिम है, खासकर जलवायु झटकों के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में। अनियमित मानसून के कारण, विदर्भ के किसानों को इनपुट के लिए अल्पकालिक ऋग चुकाने में कठिनाई होती है, जिससे उनका ऋग बढ़ जाता है।

नीतियाँ भारत के कम कृषि निर्यात (वैश्विक कृषि व्यापार का 2-3%) को सम्बोधित नहीं करती हैं, जो किसानों की अंतर्राष्ट्रीय बाजारों और प्रीमियम कीमतों तक पहुँच को प्रतिबंधित करता है। हालाँकि भारत में सबसे ज़्यादा बाजरा पैदा होता है, लेकिन किसानों को मज़बूत निर्यात नियमों के अभाव में अपनी फ़सल को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विदेश में बेचना मुश्किल लगता है। किसान ज़्यादा ऋग लेकर अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं, लेकिन प्रसंस्करण और भंडारण सुविधाओं के अभाव में उन्हें अभी भी फ़सल कटाई के बाद होने वाले नुक़सान का सामना करना पड़ता है। किसानों की क़ीमत प्राप्ति में सुधार के लिए, सरकार को अनुबंध खेती को प्रोत्साहित करना चाहिए और एमएसपी कवरेज को बढ़ाना चाहिए। सहकारी खेती और गारंटीकृत

मूल्य निर्धारण किसानों की आय बढ़ा सकते हैं, जैसा कि गुजरात में AMUL के डेयरी मॉडल की सफलता से पता चलता है। कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउसिंग और खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं में निवेश करके कीमतों को स्थिर किया जा सकता है और फ़सल कटाई के बाद होने वाले नुक़सान को कम किया जा सकता है। महाराष्ट्र में आम के कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क ने उत्पादकों को उपज की शेल्फ़ लाइफ़ बढ़ाने और निर्यात बाजारों में उच्च मूल्य प्राप्त करने में सहायता की है।

पानी की अधिक खपत वाली फसलों पर निर्भरता कम करने के लिए, किसानों को उच्च मूल्य वाली, जलवायु-अनुकूल फसलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के तेलंगाना के प्रयासों ने किसानों को पानी की अधिक खपत वाले धान से ज़्यादा पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों की ओर जाने में सहायता की है। बाजार की पहुँच और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाकर, नीतियों का लक्ष्य कृषि निर्यात को बढ़ाना होना चाहिए।डिजिटल भूमि रिकॉर्ड, एआई-संचालित सटीक खेती और वास्तविक समय मूल्य खोज उपकरणों का उपयोग करके कृषि मृल्य शृंखला में अक्षमताओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाजार, या ई-एनएएम ने किसानों को भारतीय खरीदारों के साथ सीधे संपर्क में लाकर बेहतर कीमतों तक उनकी पहुँच को आसान बनाया है। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए वित्तीय समावेशन, बाजार पहुँच और प्रौद्योगिकी एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। जबकि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और बढ़ी हुई केसीसी सीमा जैसी पहल अल्पकालिक राहत प्रदान कर सकती हैं, संरचनात्मक बाजार के मुद्दों से निपटने के लिए एक अधिक व्यापक रणनीति की आवश्यकता होगी जिसमें टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ और बेहतर बुनियादी ढाँचा शामिल हो।

आईएएस ऑफिसर जिले भर में घूमेंगे, खाना खाएंगे... और सरकारी योजनाओं की निगरानी करेंगे

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: आईएएस कैडेट दो माह में दो दिन के लिए जिले का दौरा जरूर करेंगे। वे पंचायत में जाकर सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का निरीक्षण करेंगे। चाहे स्कूल में दोपहर का भोजन हो या भोजन केंद्र में, उन्हें इसे अवश्य खाना चाहिए। वे भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण करेंगे। रात बिताओ. वे स्वास्थ्य केन्द्रों और आंगनवाड़ी केन्द्रों का दौरा करेंगे और लाभार्थियों के साथ खुली चर्चा करेंगे।अच्छे-बुरे के बारे में पूछें और समझें। सरकार ने सचिवों को ऐसे निर्देश जारी किए हैं।नई सरकार के सत्ता में आने के बाद यह निर्णय लिया गया कि प्रशासन को अधिक जनोन्मुख बनाने के लिए विभागीय सचिव जिलों का दौरा करेंगे। यहां तक कि मंत्रियों को भी दो बार जिला जिम्मेदारी दी गई। लेकिन सरकारी आदेश से कोई फायदा नहीं हुआ। अधिकांश जिलों में बाबओं ने दौरा ही नहीं किया है। मीडिया में इसकी चर्चा होने के बाद विकास आयुक्त ने अब एक और निर्देश जारी किया है। विभागीय लड़के पंचायत में जायेंगे। योजना का पर्यवेक्षण करेंगे। हम दर्गम और



आदिवासी क्षेत्रों में जाएंगे और देखेंगे कि विकास कार्य कहां तक पहुंचा है। वे पूछेंगे और पता लगाएंगे कि क्या लोगों को सरकारी योजनाओं के तहत बुनियादी लाभ मिल रहे हैं या वे इससे वंचित हैं। बाबू दोपहर का भोजन अनाथालय या भोजन केंद्र में खाएगा। वे भोजन की गुणवत्ता की जांच करेंगे। सफाई, स्वच्छता और सरक्षा पहलओं का मल्यांकन किया जाएगा। कार्यान्वित की जा रही योजना की तकनीकी समीक्षा की जाएगी। सचिव यह भी जांच करेंगे कि सुनवाई में शिकायतों का किस हद तक समाधान किया गया है।

जून से जनवरी तक आठ महीने बीत चुके हैं। डबल इंजन सरकार ने विकसित ओडिशा के निर्माण के लिए कई जन-उन्मुख कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। विकास प्रक्रिया में तेजी लाने और शासन को आम आदमी से जोड़ने के लिए नौकरशाहों को लोगों तक पहुंचने की बहुत आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए योजना एवं समन्वय विभाग ने प्रशासनिक सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जिला दौरे के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 30 जिलों को वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बांटा गया है। सरकार ने सलाह दी है कि वरिष्ठ अधिकारी 16 जिलों के 29 आकांक्षी ब्लॉकों का दौरा करेंगे। वे इस बात की समीक्षा करेंगे कि खनिज निधि और लोकपाल निधि का 8 डीएमएफ जिलों - अंगुल, जाजपुर, झारसुगुड़ा, क्योंझर, कोरापुट, मयूरभंज, रायगढ़ा और सुंदरगढ़ में किस प्रकार निवेश किया गया है। वह जिले के बंदरगाहों, हवाई अड्डों, औद्योगिक पार्कों, मेडिकल कॉलेजों और सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे।

जिले का दौरा करते हुए बाबू जिला कलेक्टर और वरिष्ठ जिला अधिकारियों से मिलेंगे तथा समस्याओं को दूर करने तथा विकास को आगे बढ़ाने के उपाय सुझाएंगे। मुख्य सचिव और विकास आयुक्त को जिले से लौटने के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

हम जामिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को आधुनिक मानकों के अनुरूप बनाएंगेः कुलपति प्रोफेसर मज़हर आसिफ

परिवहन विशेष न्यूज

अंतर-विश्वविद्यालयी टूर्नामेंट के समापन समारोह में दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रोहन जेटली और रजिस्ट्रार मेहताब आलम रिजवी ने की शिरकत

नई दिल्ली। अंतर-विश्वविद्यालयी टूर्नामेंट-25 2024 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह जामिया मिलिया इस्लामिया में 4 फरवरी 2025 (मंगलवार) को शाम 5:00 बजे नवाब मंसूर अली खान पटौदी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित किया गया। यह टूर्नामेंट 23 जनवरी 2025 से 4 फरवरी 2025 तक नवाब मंसूर अली खान पटौदी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जामिया मिलिया इस्लामिया में संपन्न हुआ।

इस्लामिया म सपन्न हुआ।
समारोह की शुरुआत पवित्र कुरान
के पाठ से हुई। इस टूर्नामेंट के अंतर्गत
टेबल टेनिस (पुरुष एवं महिला),
बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला),
क्रिकेट T-20 (पुरुष), फुटबॉल
(पुरुष), वॉलीबॉल (पुरुष),
बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला) और
एथलेटिक्स (पुरुष एवं महिला) खेलों
का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट
का सफल आयोजन प्रोफेसर नफ़ीस
अहमद, मानद निदेशक (खेल एवं
स्पोट्स्), जामिया मिलया इस्लामिया
के नेतृत्व में किया गया।

समारोह की अध्यक्षता जामिया मिलिया इस्लामिया के सम्माननीय कुलपित प्रोफेसर मजहर आसिफ ने की, जबिक मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रोहन जेटली उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में श्री ओंकार नाथ यादव (IRRS), निदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण (Sports Authority of



India) मौजूद रहे । इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर

मजहर आसिफ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में खेल-कद को विशेष स्थान दिया गया है। उन्होंने एनसीसी को जामिया में एक विषय के रूप में शुरू करने की बात भी कही। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि * *जामिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा **। उन्होंने आगे कहा कि इस टर्नामेंट का उद्देश्य छात्रों की छिपी प्रतिभाओं को उजागर करना, उनमें टीम वर्क और खेल भावना (sportsmanship) का विकास करना, आपसी सहयोग को बढावा देना, नए संबंध स्थापित करना और छात्रों, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण स्टाफ के बीच बेहतर संबंध बनाना है। ऐसे प्रतियोगिताएं छात्रों के लिए प्रेरणादायक होती हैं, उनके मानसिक तनाव को कम करने और उनकी शारीरिक एवं मानसिक सेहत को

बेहतर बनाने में सहायक होती हैं। इस कार्यक्रम में दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव श्री अशोक शर्मा, सचिवालय सुरक्षा संगठन, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के डीसी/डिप्टी सीएसओ श्री मुख्ता, और जामिया मिलिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर मोहम्मद मेहताब आलम रिजवी ने भी भाग लिया।

समारोह में प्रोफेसर मजहर आसिफ, श्री रोहन जेटली, श्री ओंकार नाथ यादव, श्री अशोक शर्मा, श्री मुख्तार और प्रोफेसर मोहम्मद मेहताब आलम रिजवी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रोफेसर नफ़ीस अहमद ने टूर्नामेंट के आयोजन पर संक्षिप्त परिचयात्मक नोट प्रस्तुत किया और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में 13 टीमोंने भाग लिया,

अंत में प्रोफेसर मोहम्मद आबिद, मानद उपनिदेशक (खेल एवं स्पोर्ट्स), जामिया मिलिया इस्लामियाने सभी सम्माननीय अतिथियों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद किया।

'यह हर देश की सरकार का दायित्व', अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों पर जयशंकर ने क्या-क्या कहा?

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों के मुद्दे पर आज विदेश मंत्री एस . जयशंकर ने राज्यसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की आव्रजन व सीमा शुल्क प्रवर्तन द्वारा वर्ष 2012 में तय प्रक्रिया में भेजे जाने वाले व्यक्तियों को नियंत्रण में (हथकड़ी व बेड़ियों) में रखने की व्यवस्था है। जयशंकर ने बताया कि वर्ष 2009 से अभी तक 15668 भारतीयों को भारत भेजा जा चुका है।

नई दिल्ली। अमेरिकी सैन्य जहाज से अमेरिका में अवैध तरीके से रहने वाले 104 भारतीयों को भेजने को लेकर पहली बार भारत सरकार ने आधिकारिक तौर जानकारी दी है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका से निर्वासन की प्रक्रिया कोई नई नहीं है, बिल्क इसके तहत वर्ष 2009 से अभी तक 15,668 भारतीयों को भारत भेजा जा चुका है। विदेश में अवैध तौर पर रहने वाले अपने नागरिकों को वापस लेना हर देश की सरकार का दायित्व है। भारत सरकार अमेरिकी सरकार से बातचीत कर रही है कि निर्वासित लोगों के साथ उड़ान में किसी तरह का दुर्व्यवहार ना हो।

कई सवालों के नहीं मिले जवाब उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि देश की एजेंसियां अवैध तरीके से विदेश भेजने वाले एजेंटों और इन्हें मदद करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जयशंकर का यह बयान सरकार की स्थिति तो स्पष्ट करती है लेकिन इसके बावजूद कई सवालों का जवाब नहीं मिल पाया है।



विपक्ष की तरफ से इस प्रकरण को लेकर कई सवाल उठाए, जिस पर जयशंकर ने कुछ नहीं कहा। साथ ही जिस तरह से अमेरिकी बॉर्डर पुलिस के प्रमुख माइकल डब्लू बैंक्स ने सोशल मीडिया पर हाथों में हथकडी व पैरों में बेड़ी डाल कर विमान में ले जाते हुए भारतीयों की जो वीडियो डाली है, उस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

यह भी नहीं स्पष्ट किया कि क्या ब्राजील, कोलंबिया, अलसल्वाडोर की सरकारों की तरह भारत सरकार ने भी अपने नागरिकों को इस तरह से भेजे जाने पर विरोध किया है या नहीं। क्या पीएम नरेन्द्र मोदी अगले हफ्ते की अपनी संभावित अमेरिका यात्रा में इस मुद्दे को उठाएंगे, इसके बारे में भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। विदेश मंत्री ने रखा पक्ष

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि,

'वैध आवागमन को प्रोत्साहित करना और अवैध प्रवास को रोकना हमारे सामूहिक हित में हैं। हमारे नागरिक जो अवैध रूप से आवागमन में संलिप्त रहते हैं वे स्वयं कई तरह के अपराधों के शिकार हो जाते हैं। इस क्रम में वे कई अमानवीय परिस्थितियों के शिकार हो जाते हैं। अगर वे अवैध तौर पर रहते हुए पाए जाते हैं, तो यह सभी देशों का नैतिक दायित्व बनता है कि वह अपने नागरिकों को वापस लें। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक समान्य सिद्धांत हैं।'

विदेश मंत्री ने वर्ष 2009 से अमेरिका से अवैध प्रवास करने वाले भारतीयों को भेजे जाने का रिकॉर्ड भी दिया। इसके मुताबिक सबसे ज्यादा वर्ष 2019 (2042) और वर्ष 2020 (1889) में वापस भेजे गये हैं। इन्हें किस तरह से भेजा जाता है इसको लेकर अमेरिका की आव्रजन व सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) द्वारा वर्ष 2012 में प्रक्रिया तय किया गया था।

हथकड़ी से बांधने की वजह इसके तहत ही भेजे जाने वाले व्यक्तियों को नियंत्रण में (हथकड़ी व बेड़ियों) में रखने की व्यवस्था है। महिलाओं और बच्चों को इस नियंत्रण की परिभाषा से अलग रखा गया है। अमेरिकी सैन्य जहाज या अमेरिकी चार्टर्ड विमान से भेजे जाने की एक समान ही प्रक्रिया है।

04 फरवरी, 2025 को 104 भारतीयों को लेकर अमेरिका का जो सैन्य विमान अमृतसर के विमान अड्डे पर उतरा है, उसमें भी उक्त प्रक्रिया का ही पालन किया गया है। जयशंकर ने कहा कि, 'अमेरिकी सरकार के साथ बात कर रहे हैं, ताकि निर्वासित लोगों के साथ उड़ान में किसी तरह का दुर्व्यवहार ना हो। साथ ही हमारा ध्यान वैध यात्रा के लिए वीजा को आसान बनाने के लिए अवैध प्रवासन पर सख्ती से कार्रवाई करने पर होना चाहिए।

विदेश मंत्री से यह पूछा गया था कि क्या वापस भेजे गये भारतीयों को राजनियक मदद दी गई थी, तो उनका जवाब था कि जिन लोगों ने मांगा था, उन्हें दी गई। कई मामलों में नहीं मांगा गया। लेकिन हर मामले में हमने यह सुनिश्चित किया कि वह भारतीय ही हैं। इन लोगों की वापसी के बाद सरकारी अधिकारी उनसे मुलाकात कर रहे हैं।

कोलकाता काली मंदिर में हेमंत ने पत्नी संग की पूजा

कार्तिक परिच्छा, झारखंड

जमशेदपुर, हेमन्त सोरेन आज अपनी धर्मपत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन संग कोलकाता स्थित प्रसिद्ध कालीघाट 51 शिक्त पीठों में से एक मंदिर में दर्शन और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर झारखंड राज्य की उन्नित, सुख-समृद्धि, शांति तथा खुशहाली की कामना की है। दोनों ने मंदिर में पूजा अर्चना के बाद विधिवत परिक्रमा भी की । पौराणिक कथाओं के अनुसार कोलकाता के कालीघाट मंदिर में माता सती के दाहिने पैर का अंगूठा गिरा था तब से ही इसे शिक्तपीठ कहा जाने लगा. गौरतलब है कि शिक्तपीठ वे स्थान हैं जहां माता सती की मृत देह के अंग गिरे थे. ये पवित्र स्थान भारत ही नहीं बांग्लादेश व नेपाल में भी स्थित हैं.

कोलकाता में कालीघाट मंदिर का निर्माण सन 1809 में हुआ था. इस मंदिर को शहर के सबर्ण रॉय चौधरी नाम के धनी



व्यापारी के सहयोग से पूरा किया गया था. वहीं कालीघाट मंदिर में गुप्त वंश के कुछ सिक्के भी मिले थे जिसके बाद ये पता चला कि गुप्त काल के दौरान भी इस मंदिर में श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता था.यह अत्यन्त प्रसिद्ध शक्तिपीठ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क: 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No:- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023